रजिस्टर्ड नं० एल०-33/एस० एम०/13-14/95.

हिमाचल प्रदेश

राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

खण्ड : 43	शिमला, शनिवार, 2 दिसम्बर, 1995/11 अग्रहायण, 1917	संख्या : 48

विषय सूची

भाग 1	वैधानिक नियमों को छोड़ कर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल और हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा अधिसूचनाएं इत्यादि ..	1462–1483 तथा 1508
भाग 2	वैधानिक नियमों को छोड़ कर विभिन्न विभागों के अध्यक्षों और जिला मैजिस्ट्रेटों द्वारा अधिसूचनाएं इत्यादि ..	1483–1484
भाग 3	अधिनियम, विधेयक और विधेयकों पर प्रवर समिति के प्रतिवेदन, वैधानिक नियम तथा हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट, फाईनेंशियल कमिश्नर तथा कमिश्नर आफ इन्कम टैक्स द्वारा अधिसूचित आदेश इत्यादि ..	1484–1492
भाग 4	स्थानीय स्वायत्त शासन, म्यूनिसिपल बोर्ड, डिस्ट्रिक्ट बोर्ड, नोटिफाइड और टाउन एरिया तथा पंचायती राज विभाग .	--
भाग 5	वैयक्तिक अधिसूचनाएं और विज्ञापन	1492–1508
भाग 6	भारतीय राजपत्र इत्यादि में से पुनः प्रकाशन	—
भाग 7	भारतीय निर्वाचन आयोग (Election Commission of India) की वैधानिक अधिसूचनाएं तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी अधिसूचनाएं	—
--	अनुपूरक	--

2 दिसम्बर, 1995/11 अग्रहायण, 1917 को समाप्त होने वाले सप्ताह में निम्नलिखित विज्ञप्तियां 'असाधारण राजपत्र, हिमाचल प्रदेश' में प्रकाशित हुई :—

विज्ञप्ति की संख्या	विभाग का नाम	विषय
संख्या एल० एल० आर० डी० (6) 10/95-लैजिसलेशन, दिनांक 28 नवम्बर, 1995.	विधि विभाग	हिमाचल प्रदेश विधान सभा (सदस्यों के भत्ते और पेन्शन) संशोधन अधिनियम, 1995 (1995 का अधिनियम सं० 14) का अंग्रेजी रूपान्तर सहित प्रकाशन ।
संख्या पी०सी०एच०-एच०ए० (3) 9/95-10689-94, दिनांक 28 नवम्बर, 1995.	पंचायती राज विभाग	हिमाचल प्रदेश में ग्राम पंचायतों के प्रधान (अध्यक्ष) के पदों के लिए आरक्षण में संशोधन करने के बारे में शुद्धि-पत्र ।

भाग-1—वैधानिक नियमों को छोड़कर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल और हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा अधिसूचनाएं इत्यादि

हिमाचल प्रदेश सरकार

PERSONNEL DEPARTMENT

NOTIFICATIONS

Shimla-171002, the 9th November, 1995

No. Per (A-I)-B(3)-12/84.—The Government of Himachal Pradesh regrets to announce the death of Shri Kartar Singh Rana, HAS, Land Acquisition Officer (PWD) Hamirpur on 03-11-1995.

By order
Sd/-
Chief Secretary.

शिमला-2, 10 नवम्बर, 1995

संख्या 10-3/73-डी० पी० नियुक्ति-II.—राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश फौजदारी प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 20(1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री शम्भू राम, नायब तहसीलदार ददाहू, सब तहसील ददाहू, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश को कार्यकारी दण्डाधिकारी नियुक्त करने तथा कार्यकारी दण्डाधिकारी की शक्तियों को तत्काल से प्रयोग करने के सहर्ष आदेश देते हैं । यह शक्तियां सब तहसील ददाहू की स्थानीय सीमाओं के अन्दर प्रयोग में लाई जाएगी जो कि गृह विभाग, हिमाचल प्रदेश द्वारा जारी अनुदेशों संख्या: होम-बी(बी) 12-5/84 दिनांक 4-12-1984 के अनुरूप होंगी ।

हस्ताक्षरित/-
आयुक्त एवं सचिव ।

शिक्षा विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 2 जून, 1995

संख्या क (4)-1/90-शिक्षा-क.—राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश "राज्य पुस्तकालय योजना एवं खरीद समिति" के पुनर्गठन को सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं । समिति के निम्नलिखित सदस्य होंगे :—

1. आयुक्त एवं सचिव (शिक्षा)	.. अध्यक्ष
2. शिक्षा निदेशक, हिमाचल प्रदेश	.. सदस्य
3. शिक्षा निदेशक, प्राथमिक, हि० प्र०	. सदस्य
4. निदेशक राजा राम मोहन राय पुस्तकालय प्रतिष्ठान, कलकत्ता।	. सदस्य
5. राजा राम मोहन राय पुस्तकालय प्रतिष्ठान कलकत्ता का एक सदस्य या प्रतिष्ठान के अध्यक्ष द्वारा मनोनीत ।	.. सदस्य
6. मुख्य पुस्तकाध्यक केन्द्रीय राज्य पुस्तकालय, सोलन	.. सदस्य
7. श्री पी० शर्मा, पूर्व प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय, धर्मशाला, जिला कांगड़ा	.. सदस्य
8. संयुक्त शिक्षा निदेशक (लाईब्रेरीज) शिक्षा निदेशालय, हि० प्र०	. संयोजक

इस समिति के कार्य निम्न प्रकार से होंगे :—

1. (i) राज्य में विशेष रूप से प्रतिष्ठान सहायता कार्यक्रम के निर्देशानुसार पुस्तकालय सेवाओं की वार्षिक योजना तैयार करना ।

(ii) राज्य सरकार के देय अंशदान तथा प्रतिष्ठान से प्राप्त की गई सहायता अनुदान को निश्चित करना ।

(iii) प्रतिष्ठान द्वारा चयनित किये गये निर्देशों एवं समुदाय की आवश्यकताओं के अनुसार पुस्तकों का चयन करना ।

(iv) प्रतिष्ठान सहायता योजना के अन्य प्रस्तावों को जांचना तथा अनुग्रह करना ।

(v) प्रतिष्ठान द्वारा दी गई सहायता का समुचित उपयोगिता निश्चित करना।

(vi) प्रदेश में पुस्तकालयों की उन्नति की गति के अन्य कार्यों की समीक्षा करना ।

(vii) प्रत्येक पुस्तकालय के लिए शैक्षणिक एवं सामान्य उपयोगिता के आधार पर पुस्तकों की जांच/खरीद करना। यह शिक्षा निदेशक, हिमाचल प्रदेश द्वारा खरीद की जाने वाली पुस्तकें एवं राजा राम मोहन राय प्रतिष्ठान योजना के परन्तर्गत खरीद की जाने वाली पुस्तकों को अन्तिम सूची जारी करेगी।

समिति की कार्यावधि 2 वर्ष की होगी तथा वर्ष में कम से कम इसकी दो बैठकें अनिवार्य होगी ।

इस समिति के सभी सदस्य निदेशक, राजा राम मोहन राय प्रतिष्ठान कलकत्ता तथा क्र० संख्या 7 को छोड़कर सभी सरकारी सेवा में हैं इसलिए वह सभी अपने सम्बन्धित विभागों/कार्यालयों से यात्रा भत्ता बैठक में आने पर प्राप्त करेंगे । जहां तक निदेशक राजा राम मोहन राय, प्रतिष्ठान के यात्रा भत्ते का इस बारे प्रश्न है, उसका भुगतान प्रतिष्ठान द्वारा किया जाएगा और श्री पी० शर्मा, पूर्व प्राचार्य को यात्रा भत्ते का भुगतान निदेशक, शिक्षा द्वारा किया जायेगा।

शिमला-2, 2 जून, 1995

संख्या क (4)-1/90-शिक्षा-क.—राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश "विभागीय पुस्तकालय पुस्तक एवं पत्रिकाएं अनुमोदन समिति" के गठन हेतु सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं । इस समिति के निम्नलिखित सदस्य होंगे :—

1. शिक्षा निदेशक, हिमाचल प्रदेश	.. अध्यक्ष
2. संयुक्त शिक्षा निदेशक (महाविद्यालय-I)	.. सदस्य
3. उप-शिक्षा निदेशक (दक्षिणी क्षेत्र)	.. सदस्य
4. प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय मण्डी ।	.. सदस्य
5. प्राचार्य, राजकीय वरिष्ठ महाविद्यालय (कन्या) शिमला ।	.. सदस्य
6. प्राचार्य, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, सोलन ।	.. सदस्य
7. पुस्तकाध्यक्ष, शिक्षा निदेशालय, हि० प्र०	.. सदस्य
8. पुस्तकाध्यक्ष राजकीय महाविद्यालय, हमीरपुर ।	.. सदस्य

9. जिला शिक्षा अधिकारी, सिरमौर .. सदस्य

10. संयुक्त शिक्षा निदेशक (महाविद्यालय-II) ..संयोजक

इस समिति का कार्यकाल अधिसूचना जारी होने की तिथि से दो वर्ष तक का होगा। इस समिति की वर्ष में दो बार बैठक होगी जिसमें यह समिति विभाग में अनुमोदन के लिए प्राप्त हुई पुस्तकों एवं पत्रिकाओं की जांच तथा छानबीन उसके स्तर एवं शिक्षण संस्थाओं/सार्वजनिक पुस्तकालयों में उसकी उपयोगिता के आधार पर करेगी। समिति द्वारा अनुमोदित की गई पुस्तकों की सूची सभी शिक्षण संस्थाओं एवं जिला पुस्तकालयों को भेजी जाएगी।

शिमला-2, 9 जून, 1995

संख्या शिक्षा-II-ग (10) 3/93.—राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, राज्य स्तरीय पुरस्कार से अलंकृत किये जाने वाले अध्यापकों को देय नगद पुरस्कार की राशि को वर्तमान रु० 501/- से बढ़ा कर 3500/- प्रति अध्यापक देने के लिए सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं। यह राशि वर्ष 1995-96 से देय होगी। पुरस्कृत अध्यापक के साथ पुरस्कार राज्य समारोह में सम्मिलित होने के लिए उन की पत्नी अथवा पति को राज्य अथिति घोषित किया जायेगा।

आदेशानुसार,
एस० एस० परमार,
आयुक्त एवम् सचिव।

शिमला-2, 26 जून, 1995

संख्या ख (13)-4/80-शिक्षा-क.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल यह सहर्ष आदेश देते हैं कि निम्नलिखित प्राचार्य/प्राध्यापक (महाविद्यालय संवर्ग) अधिवर्षिता के कारण उनके नामों के आगे दर्शाई गई तिथियों से सेवानिवृत्त होंगे :—

क्र० संख्या	नाम	पद	जन्म तिथि	सेवानिवृत्ति की तिथि
सर्व श्री/श्रीमती				
1.	के० एल० सूद	संयुक्त निदेशक (कालेज)	29-11-1937	30-11-1995
2.	एस० एस० धालीवाल	प्राचार्य	26-3-1938	31-3-1996
3.	भगत राम कमल	प्राध्यापक	2-1-1938	31-1-1996
4.	स्वरूप चन्द	प्राध्यापक	15-1-1938	31-1-1996
5.	एम० एल० चान्दना	प्राध्यापक	15-2-1938	29-2-1996
6.	कृष्ण लाल नागपाल	प्राध्यापक	22-3-1938	31-3-1996
7.	एस० डी० बटटू	प्राध्यापक	11-4-1938	30-4-1996
8.	टी० एन० मट्टू	प्राध्यापक	27-4-1938	30-4-1996
9.	आर० के० कालिया	प्राध्यापक	12-5-1938	31-5-1996
10.	निर्मला शर्मा	प्राध्यापक	18-6-1938	30-6-1996
11.	सुशील बनियाल	प्राध्यापक	1-6-1938	31-5-1996
12.	गौतम शर्मा	प्राध्यापक	15-8-1938	31-8-1996
13.	एच० डी० आर० भारद्वाज	प्राध्यापक	12-8-1938	31-8-1996
14.	विशन दास	प्राध्यापक	15-10-1938	31-10-1996
15.	एस० एल० सल्होत्रा	प्राध्यापक	2-11-1938	30-11-1996
16.	ताराचन्द	प्राध्यापक	12-12-1938	31-12-1996
17.	सी० एल० शर्मा	प्राध्यापक	24-5-1938	31-5-1996
18.	पी० एल० शर्मा	प्राध्यापक	12-4-1938	30-4-1996
19.	सतीश वर्मा	प्राचार्य	25-2-1939	28-2-1997
20.	सी० एल० खुणु	प्राचार्य	26-2-1939	28-2-1997
21.	तेजराम ठाकुर	प्राचार्य	13-5-1939	31-5-1997
22.	जी० बी० माथुर	प्राचार्य	5-6-1939	30-6-1997
23.	जय गोपाल शर्मा	प्राचार्य	1-10-1939	30-9-1997
24.	एन० डी० परोहित	प्राध्यापक	3-1-1939	31-1-1997
25.	पी० एन० शर्मा	प्राध्यापक	15-3-1939	31-3-1997
26.	सुरजीत कौर	प्राध्यापक	12-2-1939	28-2-1997
27.	महेश कौशल	प्राध्यापक	21-3-1939	31-3-1997
28.	भगवान दास	प्राध्यापक	27-3-1939	31-3-1997
29.	कृष्ण गोपाल	प्राध्यापक	14-4-1939	30-4-1997
30.	अवतार सिंह	प्राध्यापक	14-4-1939	30-4-1997
31.	जय सिंह ठाकुर	प्राध्यापक	24-5-1939	30-5-1997
32.	के० के० किदवाई	प्राध्यापक	1-7-1939	30-6-1997
33.	ए० सी० गुप्ता	प्राध्यापक	8-7-1939	31-7-1997
34.	एस० एस० सिधु	प्राध्यापक	3-8-1939	31-8-1997
35.	एच० एस० डोगरा	प्राध्यापक	4-8-1939	31-8-1997
36.	संतोष कौशल	प्राध्यापक	21-9-1939	30-9-1997
37.	के० आर० धरेवाल	प्राध्यापक	24-9-1939	30-9-1997
38.	जागिन्द्र सिंह	प्राध्यापक	27-9-1939	30-9-1997
39.	के० सी० दिवान	प्राध्यापक	6-10-1939	31-10-1997
40.	जे० सी० अवस्थी	प्राध्यापक	29-10-1929	31-10-1997
41.	सतपाल	प्राध्यापक	25-11-1939	30-11-1997
42.	ओ० पी० कौशिक	प्राध्यापक	12-12-1939	31-12-1997
43.	पवन कुमार बन्सल	प्राध्यापक	7-12-1939	31-12-1997
44.	त्रिलोचन संगरा	प्राध्यापक	15-9-1939	30-9-1997

Shimla-2, *the 7th July*, 1995

No. EDN-A-Chh (7)-6/94.—The Governor of Himachal Pradesh is pleased tor order the opening of new Degree College at Kukumseri, District Lahal & Spiti during the year 1995-96.

By order

Commissioner-cum-*Secretary*.

Shimla-2, *the* 17*th July*, 1995

No. EDN-A-Kha (3) 7/95.—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to order the pre-mature retirement of Smt. Sudha Rani, Distt. Education Officer (Primary) *w. e. f.* 7-1-1995 (A. N.) on her request.

By order,

S. S. PARMAR,
Commissioner-cum-*Secretary*.

Shimla-2, *the* 28*th July*, 1995

No. EDN-A-Ga-(11)-1/95.—The Governor, Himachal Pradesh, is pleased to introduce a Scheme of Scholarship for the Girl Students belonging to the Backward Classes at the same rate and pattern as is applicable to the Scholarship Scheme in operation for Scheduled Caste Girl Students from classes VI onwards *w. e. f.* 1-4-1995. This benefit is available to such Castes/communities only as have been declared to be backward subject to exclusion on the basis of the creamy layer criteria in the Notification No. WLF-F (1)-1/94, dated 24th October, 1994 issued by the Government of Himachal Pradesh in the Department of Social and Women's Welfare or such other castes/communities which may subsequently be notified as backward by the Department of Welfare Government of Himachal Pradesh.

S. S. PARMAR,
Commissioner-cum-*Secretary*.

Shimla-171002, the 2*nd August*, 1995

No. Cha (1)-6/83-Shiksha-Ka-Part.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to order the promotion of the following Lecturers (College Cadre) to the posts of Principal of Govt. Degree Colleges in the pay scale of Rs. 3700—5700 :—

1. Shri J. M. Julka, Presently Lecturer at G. C. Rampur.
2. Shri S. L. Salhotra, presently Lecturer at G. C. Chamba.
3. Smt. Santosh Kaushal presently Lecturer at G. C. Una.
4. Shri Joginder Singh Chauhan, presently Lecturer at G. C. Sanjauli.
5. Shri U. N. Khosla, presently Lecturer at G. C. Sanjauli.
6. Shri C. L. Sharma, presently Lecturer at G. C. Mandi.
7. Shri R. P. Chaturvedi, presently Lecturer at G. C. Kullu.
8. Shri Basant Kumar Srivastava, presently Lecturer at G. C. Reckong-Peo.
9. Shri S. K. Dhawan, presently Lecturer at G. C. Shimla-4.
13. Shri H. R. D. Bhardwaj, presently Lecturer at G. C. Bilaspur.
11. Shri Balwant Kumar, presently Lecturer at G. C. Sarswatinagar.

The above officers will be on probation for a period of two years. The promotion orders in respect of above mentioned (excepting Shri S. K. Dhawan who has cleared the departmental examination) are subject to the condition that those officers who have not passed the departmental examination will have to qualify the same within a period one year from date of issue of these orders and in event of their failing to do so are liable to be reverted.

Shimla-2, *the 2nd August*, 1995

No. Shiksha-II (J) 2-1/89.—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to approve that all Scheduled Castes/Scheduled Tribe Children receiving education in the Educational Institutions in Himachal Pradesh will be provided free text books by the Govt. on the pattern of the Scheme presently operational in respect of students receiving education in the Tribal areas of Himachal Pradesh.

Shimla-2, *the 2nd August*, 1995

No. Shiksha-II (J) 2-1/89.—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to accord approval for the exemption of the tuition fee for girls at all levels of education from the time of enrolment in the Govt. schools till the passing out from the University including technical and professional courses in all Govt. institution with in the State of Himachal Pradesh from the academic year 1995-96 irrespective of the income ceiling of the parents. The above will not be applicable to the girl students enrolled against the seats reserved for non resident of India.

By order.

Sd/-
Commissioner-cum-*Secretary*.

Shimla-2, *the* 17*th August*, 1995

No. Kha (16)-9/92-Shiksha-Ka.—The Governor, Himachal Pradesh, is pleased to promote the following Lecturers/Headmasters as Principals of Senior Secondary Schools on *ad hoc* basis for a period of six months or till the posts are filled up on regular basis whichever is earlier in the pay scale of Rs. 2850—4375 and post them as such in the institutions shown against their names. This promotion shall not confer any right towards seniority/regular promotions etc. being purely a temporary arrangement :—

Sr. No.	Name & designation	Present place of posting	Where posted
1	2	3	4
1.	Shri Swaroop Narain Lect.	H. M. Pujarli (Sml.)	GSSS, Salooni (Chamba)
2.	Shri Kumer Singh, Lect.	H.M. Sholi ((Una)	GSSS, Kalpa (Kinnaur)
3.	Shri Subhash Chander, Lect.	H. M. Basantpur	GSSS, Banuna (Sml)

1	2	3	4
4.	Shri Madan Lal Gupta, Lect. (Sirmur)	H. M. Majra (Sirmur)	
5.	Shri Updesh Kaushal, Lect.	H. S. Jagori (Sml)	GSSS, Nihri (Mandi)
6.	Shri Subhash Mahajan, Lect.	H. S. Chamba	GSSS, Chamba (Boys)
7.	Shri J. K. Garla, H. M.	H. S. Domehar (Solan)	B.T. S. Solan
8.	Shri Bhag Singh, H. M.	H. S. Keylong	GSSS, Banjar (Kullu)
9.	Shri Kashmir Singh, H. M.	H. S. Mandal (Kangra)	GSSS, Chowari (Chamba)
10.	Shri Om Chand Patial, H. M.	H. S. Pairee (Mandi)	GSSS, Janjehli (Mnd)
11.	Shri Nikka Ram, H. M.	H. S. Amarpur (Blp)	GSSS, Panjgain (Blp)
12.	Shri Tarsem Lal, H. M.	H. S. Dhusara (Una)	GSSS, Una (G)
13.	Smt. Pushpa Kumari, H. M.	H. S. Taliar (Mandi)	GSSS, Sundernagar (G)
14.	Smt. Virmapti Sud, H. M.	H. S. Khalang (Sml)	

The posting orders in respect of persons shown at Sl. No. 4 and 14 will be issued lateron.

All the above Principals are directed to join their duties at the places shown against their name by 30-8-1995 postively failing which the next eligible official shall be promoted. They will handover the charge of the institution to the next senior most official in their respective institution immediately under intimation to the Government.

By order,

S. S. PARMAR,
Commissioner-cum-Secretary.

Shimla-2, the 22nd August, 1995

No. EDN-C-C (7) 1/94.—The Governor, Himachal Pradesh, is pleased to enhancement in dietary charges in free hostels by raising its limit to Rs. 310/- (Rupees three hundred and ten) only per month per head with immediate effect.

This issues with the prior concurrence of the Finance Department obtained *vide* their Dy. No. 772-Fin-C-G (1)-8/94, dated 10-7-95.

S. S. PARMAR,
Commissioner-cum-Secretary.

Shimla-2, the 29th August, 1995

No. EDN-C-F (2) 1/94.—The Covernor, H. P. Pradesh is pleased to constitute State Level Team for dealing with the micro-planning and plan preparation in connection with the District Primary Education Programme (D. P. E. P.) in the State. The following will be the members of the State Level Team :—

1. Secretary (Education) to the Govt. of H. P. .. *Chairman*
2. Additional Secretary (Edu.) to the Govt of H. P. .. *Member*
3. Adviser (Planning) H. P. Govt. .. *Member*
4. Principal, SCERT, Solan .. *Member*
5. Shri R. S. Thakur, Deputy Director (Planning) Directorate of Education, H. P. .. *Member*
6. Director, HIPA, Shimla .. *Member*
7. Head of Education, H. P. University. .. *Member*
8. Director of Education, H. P. .. *Member*
9. Director, Rural Development, H. P. .. *Member*
10. Director, Welfare, H. P. .. *Member*
11. Deputy Director, Primary Education, H. P. .. *Member*
12. Joint Secretary (Edu.) to the Govt of H. P. .. *Member*
13. Additional Secretary (Fin. to the Govt. of H. P. .. *Member*
14. Director, Primary Education, H. P. .. *Member-Secretary.*

Shimla-171002, the 11th September, 1995

No. Shiksha-Ka-Kha (15)-6/94.—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to promote Shri J. S. Bakshi, Superintendent Grade-II (Class-III Non-Gazetted), Govt. Senior Secondary School (Boys), Chamba to the post of Superintendent Grade-I (Class-II Gazetted) in the pay scal of Rs. 2200—4000 in the Education Department purely on *ad hoc* basis with immediate effect. This *ad hoc* promotion shall not confer any right towards seniority/ regular promotion etc.

The Governor of Himachal Pradesh is further pleased to order the posting of Shri J. S. Bakshi, Superintendent Grade-I in Establishment-II Section Directorate of Primary Education, H. P. Shimla.

By order,

S. S. PARMAR,
Commissioner-cum-Secretary.

शुद्धि-पत्र

शिमला-2, 12 सितम्बर, 1995

संख्या ई0 डी0 एन0-ए 0 (1) 4-13/77-III.—कृपया इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 4-9-1995 के स्तम्भ 7 के पैरा (iv)

को निम्न प्रकार से प्रतिस्थापित किया जाये :—

(iv) "जिन अभ्यार्थियों ने पी0 एच0 डी0 थिसिज प्रस्तुत किये हैं या एम0 फिल0 परीक्षा 31-12-1993 तक पास की है को लैक्चरार के योग्यता परीक्षण (eligibility test) से छूट दी जाएगी"।

Shimla-2, the 12th September 1995

No. EDN-A (1) 4-13/77-III—*Please substitute* the para-IV of Column No. 7 notified *vide* this department notification of even number dated 4-9-1995 as under:—

(*iv*) "Candidates who have submitted Ph. D thesis or passed the M. Phil examination by 31-12-1993 exempted from the eligibility test for Lecturers."

Sd/-.
Commissoner-cum-Secretary.

Shimla-2, the 21st September, 1995

No. Shiksh-Ka-Kha (15)-6/94.— The words "Boys" *occuring* in line 3 of this Department notification of even number dated 11-9-95 and thereafter the words "Boys" wherever occurred, shall *be substituted* by the words "Girls". He will be at the disposal of the Director of Education for his further posting.

By order,

S. S. PARNAR,
Commissioner-cum-Secretary.

शिमला-2, 21 सितम्बर, 1995

संख्या क (4)-6/89-शिक्षा-क०—राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश के प्रत्येक जिला पुस्तकालयों को सुचारू रूप से चलान हेतु जिला स्तर पर जिला पुस्तकालय सलाहकार समिति का पुनर्गठन करने को सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं । हर एक समिति की अवधि 3 वर्ष तक होगी ।

1.	जिलाधीश	.. अध्यक्ष
2.	स्थानीय जिला शिक्षा अधिकारी (सैकेण्डरी) ।	.. सदस्य
3.	स्थानीय जिला भाषा अधिकारी	. सदस्य
4.	स्थानीय जिला कल्याण अधिकारी (महिला तथा अनुसूचित जाति/जनजाति के कल्याण से सम्बन्धित) ।	.. सदस्य
5.	स्थानीय प्रधानाचार्य, राजकीय महाविद्यालय ।	. सदस्य
6.	स्थानीय प्रधानाचार्य, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (छात्र) ।	.. सदस्य
7.	स्थानीय प्रधानाचार्य, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (छात्रा) यदि जिला में हो ।	.. सदस्य
8.	स्थानीय जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी ।	.. सदस्य
9.	स्थानीय जिला लोक सम्पर्क अधिकारी	.. सदस्य
10.	कोआरडीनेटर, नेहरू युवा केन्द्र	.. सदस्य
11.	जिला पुस्तकाध्यक्ष	.. सदस्य-सचिव

इस समिति के कार्य निम्न प्रकार से होंगे :—

(1) पुस्तकालयों के लिए पुस्तकों का चयन तथा निर्धारित दरों पर अनुमोदन करना ।

(2) जिला स्तर के पुस्तकालयों के लिए युक्तिकरण तथा समन्वय बनाए रखने बारे सलाह देना ।

(3) इस विषय पर राज्य सरकार एवं राजा राम मोहन राय पुस्तकालय प्रतिष्ठान द्वारा निर्धारित नीति का संचालन करना ।

(4) प्रदेश में पुस्तकालय आन्दोलन को प्रोत्साहन देना ।

(5) समिति की वर्ष में दो बार बैठक का होना अनिवार्य होगा ।

Shimla-2, the 25th September, 1995

No. Cha (15)-3/86-Shiksha-Ka.—Whereas the Pt. Amar Nath Samarak Mahavidyalaya, Jogindernagar, Tehsil Jogindernagar, District Mandi was being managed and run by the Education Extension and Development Society, Jogindernagar. And whereas it has become imperative to take over the said College ;

2. Now, therefore, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to order the taking over of the said Pt. Amar Nath Samarak Mahavidyalaya, Jogindernagar, District Mandi by the department of Education of the State Government with effect from 4th May, 1994 on term and conditions for taking over privately managed Colleges notified *vide* notification No Cha (15)3/86-Shiksha-Ka, dated 25th August, 1994 and further to rename it as Rajiv Gandhi Memorial Degree College.

The Governor, Himachal Pradesh is further pleased to order that the services of the following categories of employees employed by the privately managed College are taken over by the Department of Education, Government of Himachal Pradesh with effect from date of taking over the institution by the Government in accordance with terms and conditions laid down in notification No. Cha (15)-3/86-Shiksha-Ka, dated 25-8-94:—

A. Lecturers :

1. Shri Tej Singh Verma, Maths
2. Shri Kushal Chand, Sociology
3. Smt. Amita, Hindi
4. Smt. Raj Kumari, History

B. Ministerial Staff :

Sl. No.	Name	Designation	To be taken over
1.	Shri R. K. Pathania	Superintendent	Senior Assistant
2.	Shri Yudhvinder Singh	Clerk	Senior Clerk
3.	Shri Bal Raj	Clerk	Clerk
4.	Smt. Sunita Thakur	Lab. Assistant	Clerk
5.	Shri Chander Singh	Assistant Librarian	Assistant Librarian
6.	Shri Sushil Kumar	Demonstrator	Jr. Lab. Assistant

C. Class-IV Staff :

Sl. No.	Name	Designation	To be taken over
1.	Shri Suresh Kumar	Librarian Attendant	Class-IV
2.	Shri Shyam Singh	Peon	-do-
3.	Smt. Seela	Sweepress	-do-
4.	Shri Sonu Lal	Chowkidan	-do-
5.	Shri Vijay Kumar	Lab. Attendant	-do-
6.	Shri Vipan Kumar	-do-	-do-

By order,

Sd/-
Commissioner-cum-Secretary.

आबकारी एवं कराधान विभाग

अधिसूचनाएं

शिमला-2, 10 अक्तूबर, 1995

संख्या ई0 एक्स0 एन0-बी0 (2)-5/85.—राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिशों पर निम्नलिखित आबकारी एवं कराधान निरीक्षक वर्ग तथा लिपिकीय वर्ग के उम्मीदवारों को आबकारी एवं कराधान अधिकारी (राजपत्रित श्रेणी-II) वेतनमान 2100-3700, के पद पर नियमित तौर पर तुरन्त प्रभाव से पदोन्नत करने के सहर्ष आदेश देते हैं।

निरीक्षक वर्ग :

क्रम संख्या व नाम

सर्व श्री

1. वी0 एल0 धीमान
2. रिखी राज
3. वाई0 के0 गौतम
4. रामानन्द राठौर
5. पी0 एन0 शर्मा
6. हरमेश चन्द जिन्दल
7. गुरूवच्चन सिंह
8. केसर सिंह वर्मा
9. सीताराम किशोर
10. गरीबू राम शुक्ला
11. बलराज सिंह
12. रूप लाल शर्मा-II
13. गोबिन्द राज गौड़
14. आजाद
15. केहर सिंह
16. हरि सिंह ललवा
17. जगदीश चन्द सोनी
18. दीपराम (स्थानापन्न आधार पर पदोन्नत किया जाता है)

लिपिकीय वर्ग :

सर्व श्री

1. कर्म चन्द
2. सुरेश कुमार सूद
3. पूर्ण दास
4. श्रीमती विमला देवी
5. श्रीमती कान्ता देवी
6. श्री प्रितपाल गुप्ता

उपरोक्त आबकारी एवं कराधाधान अधिकारी प्रथमत: दो वर्ष के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

राज्यपाल हिमाचल प्रदेश सर्वश्री राजस्वरूप, रूपलाल शर्मा-I तथा नरेश गुप्ता आबकारी एवं कराधान अधिकारियों को माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय श्री ईश्वरी कुमार तथा अन्य बनाम हिमाचल प्रदेश सरकार तथा अन्य के फलस्वरूप सृजत किये गये अधिवर्षिता पदों पर क्रमश: 15-12-87, 20-9-86-तथा 28-9-89 से स्थापन्न किए जाने के सहर्ष आदेश देते हैं।

उपरोक्त पदोन्नति श्री मून्शी राम बनाम हिमाचल प्रदेश सरकार एल0 एल0 पी0 सं0 15875/83 तथा हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालत में दायर याचिका संख्या 274/84 श्री तेजलाल बनाम हिमाचल प्रदेश सरकार जिसका स्थानान्तरण हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक अधिकरण को किया जाता है तथा श्री प्रताप चौहान तथा अन्य बनाम हिमाचल प्रदेश सरकार तथा अन्य संख्या 2150/95 श्री ध्यान सिंह बनाम हिमाचल प्रदेश सरकार तथा अन्य संख्या 1141/95 श्री महेश कपूर बनाम हिमाचल प्रदेश सरकार संख्या 1572/95 श्री जे0 आर0 पुन्ज बनाम हिमाचल प्रदेश सरकार संख्या 786/95 श्री डी0 आर0 दीवान बनाम हिमाचल प्रदेश सरकार तथा अन्य संख्या 705/95 के निर्णय पर आधारित होंगी।

शिमला, 19 अक्तूबर, 1995

संख्या ई0 एक्स0 एन0-बी0(2)-1/86.—राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, आबकारी एवं कराधान विभाग के निम्नलिखित सहायक आबकारी एवं कराधान आयुक्त (राजपत्रित श्रेणी-I) के पदोन्नति पर तैनाती आदेश जनहित में तत्काल प्रभाव से सहर्ष देते है :—

1. श्री चेत राम विमल, सहायक आबकारी एवं कराधान आयुक्त को मुख्यालय में रिक्त स्थान पर तैनात किया जाता है।

2. श्री एन० आर० करड़, सहायक आबकारी एवं कराधान आयुक्त को नाहन में रिक्त स्थान पर तैनात किया जाता है।

Shimla-2, the 19th October, 1995

No. EXN-B (2)-1/86.—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to order the promotion of the following Excise and Taxation Officers (Gazetted Class-II) of the Excise and Taxation Department to the post of Assistant Excise and Taxation Commissioner (Class-I, Gazetted) in the pay scale of Rs. 2400-4000 on *ad hoc* basis for a period of six months in the first instance, in the public interest with immediate effect.

1. Shri Chet Ram Vimal.
2. Sh. Sant Ram Kard.

2. This promotion on *ad hoc* basis shall not confer any right upon these officers for regular promotion, continuation or seniority against the out of the Assistant Excise and Taxation Commissioner.

3. This promotion is subject to the final decision on the CWP 197/83-S. D. Chouhan *Vs* State of H. P. CWP 768, T.A. No. 121/86-Sh. Devinder Katoch *Vs.* State of H. P., SLP-15875/83-Sh. Munshi Ram *Vs.* State of H. P., O.A. No. 488/92-Shri B. D. Pathak *Vs.* State of H.P. etc.

Order of posting of the above officers are being issued separately.

By order,
A.N. VIDYARTHI,
Addl. Chief-Secretary-cum Secretary.

वित्त विभाग

आदेश

शिमला-2, 26 अगस्त, 1995

संख्या फिन-ए०-सी० (1)-6/86-II.—राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश निम्नलिखित नया उप-शीर्ष खोलने में सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :—

मुख्य शीर्ष 2075–विविध सामान्य सेवाएं,

800–अन्य व्यय

15–गणमान्य व्यक्तियों की अन्तेष्टि पर होने वाला व्यय।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-
वित्तायुक्त एवं सचिव।

FINANCE (PAY REVISION) DEPARTMENT

NOTIFICATIONS

Shimla-2, the 8th September, 1995

No. Fin (C)B(7)-26/88-II.—In continuation of this Department notification No. Fin (C)B(7)-26/88, dated 17th March, 1989 and in pursuance of the provision contained under explanation No. 3 (*h*) of Rule-3 of Himachal Pradesh Civil Service (Revised) Pay) Rules, 1988, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to make the following substitution under section-II "Local Audit Department" against Sl. No. 3 for the post of Junior Auditor:—

Sl. No.	Designation	Existing scale	Revised scale	Remarks
1	2	3	4	5
1.	Junior Auditor	570 1080	1800-3200	—

शिमला-2, 23 सितम्बर, 1995

संख्या फिन०-सी०-ए०(2)-1/95.—राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश चुनाव सम्बन्धी व्यय के लिए जन-जातीय क्षेत्र जिला लाहौल एवं स्पिति तथा जिला किन्नौर के लिए राज्य निर्वाचन आयुक्त हिमाचल प्रदेश को निम्नलिखित लेखा शीर्ष के अन्तर्गत तत्काल से विभागाध्यक्ष घोषित करने के सहर्ष आदेश प्रदान करते हैं :—

मांग नं० 31

मुख्य शीर्ष—2015 निर्वाचन

—796—अन्य व्यय

—06—स्थानीय संस्थाओं के चुनाव से सम्बन्धित प्रभाव पर व्यय।

राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश उपरोक्त लेखा शीर्ष के अन्तर्गत जिला लाहौल एवं स्पिति तथा किन्नौर के परियोजना अधिकारियों, (जनजातीय विकास) को आहरण एवं वितरण अधिकारी घोषित करने के भी तत्काल से सहर्ष आदेश प्रदान करते हैं।

आदेश द्वारा,

कंवर शमशेर सिंह,
वित्तायुक्त एवं सचिव।

GENERAL ADMINSTRATION DEPARTMENT
(A-Section)

NOTIFICATIONS

Shimla-2, the 17th July, 1995

No. GAD-A(F)10-1/94.—In supersession of this department's notification of even number dated 22nd September, 1994, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to constitute a Sub-Committee consisting of the following officials/Non-officials members for the celebrations of 125th Birth Anniversary of Mahatma Gandhi and Birth Anniversary of Vinoba Bhave :—

1.	H. E. The Governor, Himachal Pradesh,	*Chairman*
2.	Education Minister, Himachal Pradesh.	*Member*
3.	Minister of State for Welfare, Himachal Pradesh.	*Member*
4.	Shri Sagar Chand Nayyar Chamba, District Chamba.	*Non-Official Member*
5.	Mahashya Tirath Ram, Gandhi Seva Ashram. Oel, Tehsil Amb, District Una, Himachal Pradesh.	-do-

6.	Pt. Gouri Prasad, Mahajan Bazar, Mandi.	*Non-official Member (Vice-Chairman, Freedom Fighter Board).*
7.	Pt. Situ Ram, *Ex*-MLA Village Dharteo, Post Office Jabri, Tehsil and District Shimla.	-do-
8.	Shri Lakshmi Dass, Shiwalik Khadi Ashram, Chintpurni, District Una.	-do-
9.	Shri A. N. Bajwaria, Chairman, Himachal Pradesh Khadi and Village Industry Board.	-do-
10.	Chief Secretary	*Member*
11.	Secretary (Education)	-do-
12.	Secretary (Welfare)	-do-
13.	Secretary (Health)	-do-
14.	Secretary (GAD)	*Member-Secretary.*

2. The official/non-officials members will be entitled for normal TA/DA as per Rules and also as per Annexure attached (for-non-official members only).

3. The Joint Secretary/Deputy Secretary (GAD) will be Controlling Officer for non-official members and will countersign their TA/DA bills.

4. The expenditure will be debited to Major Head '2053 –Distt. Admn. 800 Other Expr. 01—celebration of Himachal Day, Republic Day and Independence Day-other Expr. on National/State Festivals -Non Plan'.

5. This issues with the concurrence of the Finance department obtained *vide* their Dy. No. 770-Fin(C)A(9) 1/89-V, dated 10-7-1995.

Sd/-
Joint Secretary.

ANNEXURE

1. *T.A. & D.A. to non-official Members of the Committee:*

(1) Travelling Allowances :

(*i*) *Journey by rail.*—They will be treated at par with Government servants of the first grade, and will be entitled to actual rail fare to which the Government servants of the First Grade are normally entitled *i. e.* accommodation of the highest class by whatever name it may be called provided in the railway by which the journey is performed.

(*ii*) *Journey by road.* --They will be entitled to actual fare for travelling by taking single seat in a public bus, and if the journey is performed by motor cycle/scooter, mileage allowance at 60 paise per km. for plain areas and 80 paise per km. in hilly areas or if journey is performed by full taxi/own car, the members will be entitled to mileage allowance at Rs. 2.00 per km. in respect of journeys in the plains and Rs. 2.50 per km. in the hills.

(*iii*) In addition to the actual fare of mileage as per item (*i*) and (*ii*) above, a member shall draw daily allowance for the entire absence from his permanent place of residence beginning with departure from the place and ending with return to that place, at the same rate subject to the same terms and conditions as apply to Grade-I officers of the State Government.

2. Daily Allowance :

(*i*) Non-official members will be entitled to draw daily allowance for each day of the meeting at the rate of Rs. 100/- as prescribed in Annexure to F.Ds. O. M. No. Fin(C)B(7)2/88 dated 24-5-1995.

(*ii*) In addition to daily allowance for the day(s) of the meeting, a member shall also be entitled to daily allowance for halt on tour and out-station in connection with the affairs of the committee as under:—

(*a*) If the absence from headquarters does not exceed 6 hours ..Nil.

(*b*) If the absence from headquarters exceeds 6 hours but does not exceed 12 hours ..70%.

(*c*) If the absence from headquarters exceed 12 hours ..Full.

3. Conveyance Allowance:

A member resident, at a place where the meeting of the Committee is held will not be entitled to travelling and daily allowance on the scales indicated above, but will be allowed only the actual cost of conveyance hire, subject to maximum of Rs. 10.00 per day. Before the claim is actually paid for, the Controlling Officer should verify the claims and satisfy himself after obtaining such details as may be considered necessary that the total expenditure was not less than the amount claimed.

If such a member uses his own car, he will be granted mileage allowance, at the rates admissible to officers of the first grade subject to a maximum of Rs. 10.00 per day.

4. The members will be eligible for travelling allowance for the journey actually performed in connection with the meeting of the committee, from and to the places of their permanent residence to attend a meeting of the Committee or return to the place other than the place of his permanent residence after the termination of the meeting. Travelling allowance shall be worked out on the basis of the distance actually travelled or the distance between the place of permanent residence and the venue of the meeting whichever is less.

5. Members of Parliament:

The Member of the Parliament on the Advisory Committee in respect of journey performed by him by rail, road, air and steamer in connection with the work of the committee, shall be entitled to T. A./D. A. on the same scale as is admissible to him under Salaries and Allowances of Members of Parliament, as amended from time to time subject to condition that T.A./D.A. that would be payable to the member should not exceed the "compensatory allowance" as defined in Section 2 (*a*) of the Parliament (Prevention of Disqualification) Act, 1959.

6. Member of Vidhan Sabha:

The non-official members who are Members of the Vidhan Sabha shall be entitled to T. A./D. A. in respect of journeys performed in connection with the work of the Committee on the scale as is admissible to them under the Salaries and Allowances of Members of Legislative Assembly.

7. The members will not be entitled to daily allowance in connection with their assignment when the Vidhan Sabha or the Vidhan Sabha Committee on which the members are serving is in Session as they will be drawing their daily allowance under the Salaries and Allowances of Members of the Legislative Assembly (Himachal Pradesh) Act, 1971, from the Vidhan Sabha. However, if they certify that they were prevented from attending the session of the House of Vidhan Sabha Committee and did not draw any daily allowance from the Vidhan Sabha, they would be entitled to daily allowance at the rates as prescribed :

Provided that claims on account of travelling, halting and incidental allowances of members for attending the meeting of Committee appointed by the Government shall be paid after these have been countersigned by the Secretary, Vidhan Sabha for encashment.

8. The provision of rules 4.17 and 6.1 of the Himachal Pradesh Treasury Rules will apply *mutatis* in the case of over payment made on account of Travelling Allowance to non-official members.

9. The Members will also not draw T.A. & D.A. including conveyance allowance which will disqualify them from the Vidhan Sabha.

10. **Official Members:**

The Official Members shall be entitled to the travelling and daily allowance admissible to them according to the rules governing them.

शिमला-2, 1 सितम्बर, 1995

संख्या जी0 ए0 डी0-ए0(एफ0) 10-1/94.—राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, महात्मा गांधी जी की 125वीं वर्षगांठ एवं विनोबा भावे जयन्ती मनाने हेतु राज्य स्तरीय उप-समितियों के गठन की सहर्ष अनुमति प्रदान करते हैं । इन उप-समितियों का कार्यकाल एक वर्ष तक होगा । इन उप-समितियों के सरकारी एवं गैर-सरकारी सदस्य इस प्रकार हैं:—

उप-समिति-I

1. महामहिम राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश	अध्यक्ष
2. माननीय शिक्षा मन्त्री, हिमाचल प्रदेश	सदस्य
3. राज्य कल्याण मन्त्री, हिमाचल प्रदेश	सदस्य
4. महाशय तीर्थ राम, गांधी सेवा आश्रम, मोबल, तहसील अम्ब, जिला ऊना ।	सदस्य
5. श्री लक्ष्मी दास, शिवालिक खादी आश्रम, चिन्तपूर्णी, जिला ऊना ।	सदस्य
6. सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग, हिमाचल प्रदेश	सदस्य-सचिव ।

उप समिति-II:

1. माननीय शिक्षा मन्त्री, हिमाचल प्रदेश	अध्यक्ष
2. उप-कुलपति, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय	सदस्य
3. श्री नरोत्तम शास्त्री, रौड़ा सैक्टर, बिलासपुर	सदस्य
4. पंडित गौरी प्रसाद, महाजन बाजार, मण्डी	सदस्य
5. सचिव (शिक्षा) हिमाचल प्रदेश	सदस्य-सचिव
6. राजनीतिक शास्त्र के विभागाध्यक्ष, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला-5.	सदस्य
7. शिक्षा निदेशक (सैकण्डरी) हिमाचल प्रदेश	सदस्य

8. दो सरकारी सदस्य जो गान्धी-विनोबा विचार विशेषज्ञ हों, उप-समिति द्वारा स्वयं चयन किये जायेंगे ।

सरकारी और गैर-सरकारी सदस्य नियमानुसार यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता के हकदार होंगे ।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-
आयुक्त एवं सचिव ।

शिमला-2, 23 सितम्बर, 1995

संख्या जी0ए0बी0-ए0(4)-1/94-किन्नौर.—इस विभाग की समसंख्या अधिसूचना दिनांक 23 सितम्बर, 1994 के क्रम को जारी रखते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश जिला स्तरीय किन्नौर जिला की शिकायत निवारण समिति में निम्नलिखित सदस्यों को उपरोक्त समिति में गैर-सरकारी सदस्य मनोनीत करने के सहर्ष आदेश देते हैं:—

1. श्री रत्न सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत यांगपा, जिला किन्नौर ।
2. श्री तोता राम, भूतपूर्व अध्यक्ष, पंचायत समिति, डाकखाना निचार, जिला किन्नौर ।
3. श्री दर्शन राम, सदस्य पंचायत समिति, डाकखाना टपरिन्डा, जिला किन्नौर ।
4. श्री रमेश चन्द, प्रधान, रूपी, जिला किन्नौर ।
5. श्री राम चन्द्र दास, भूतपूर्व प्रधान, डाकखाना नगांव, जिला किन्नौर ।

यह आदेश तुरन्त लागू होंगे । उपरोक्त समिति का कार्यकाल दो वर्ष का होगा ।

शिमला-2, 25 सितम्बर, 1995

संख्या जी0ए0बी0-ए0(4)-1/94 (चम्बा).—इस विभाग की समसंख्या अधिसूचना दिनांक 21 सितम्बर, 1994 के क्रम को जारी रखते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, जिला स्तरीय चम्बा जिला की शिकायत निवारण समिति में निम्नलिखित गैर-सरकारी सदस्य को इस समिति में मनोनीत करने के सहर्ष आदेश देते हैं:—

1. श्रीमती गीता देवी राठौर, गांव व डाकघर सरोल, तहसील व जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश ।

आदेश द्वारा,

आर0 के0 आनन्द,
मुख्य सचिव ।

Shimla-2, the 23rd December, 1994

No. GAD (D) A (1)-1/94.—The 'Kashmir House', Dharamshala, District Kangra, Himachal Pradesh presently under the control of Himachal Pradesh Tourism Development Corporation shall henceforth function as 'State Guest House' under the control of the General Administration Department of Himachal Pradesh Government on the following terms and conditions:—

1. The Government (General Administration Department) will take over the property 'Kashmir House' at Dharamshala. The assets belonging to HPTDC will be taken over by the Government at price to be fixed by the Government. The Government will not take over any item not required by it and HPTDC will remove such items forthwith.
2. The 'Kashmir House' will be run as a State Guest house for VVIPs/VIPs/State Guests.
3. The Administrative Department for the Guest House will be General Administration Department.
4. The Guest House will be run as a distinct unit with its own accounts/account books and assets and liabilities. All such assets and liabilities will be of HP Government.
5. The Manager of Guest House will be conferred DDO's powers to draw on the State budgetary provisions to be made separately for running the State Guest House. A permanent advance of Rs. 25,000/- will also be allowed for the smooth running of the Guest House.

6. The Commissioner, Kangra Division will exercise administrative and financial powers of Head of Department for the above Guest House.

7. The required staff as given at Annexure-'A' will be treated on deployment from HPTDC to GAD. Such staff will be entitled to the same pay scale and other benefits they would have been drawn had they been posted in an unit of HPTDC.

8. The rates of accommodation, food etc. will be fixed by the Government. The reservation for the Guest House will be done in GAD at Shimla through permit system.

9. The recurring expenditure on running the Guest House is estimated at Rs. 20.57 lakhs per annum. The details are at Annexure-'B'. In case of any difference between income and expenditure of Guest House, the difference, if surplus will be deposited by the Manager of the Guest House in the Government Treasury. In case difference is negative, government will release funds directly to the Commissioner, Kangra Division, Dharamshala.

10. The required Telephone connections, Fax Machines, Type-writers etc. will be arranged as per requirement on the spot.

11. There are in total 12 suites in the Kashmir House and this accommodation will not be adequate when Hon'ble Ministers and other Senior Officers are at Dharamshala for Cabinet Meeting etc., therefore, Commissioner, Kangra Division will work out detailed plan for accommodating all Ministers and Senior Officers. To meet the requirement of accommodation, some rooms of PWD Rest House at Dharamshala may be made part of the Guest House and kept at the disposal of the Manager. Similarly some rooms in HPSEB Rest House may also be required bo be kept at the disposal of the Manager of the Guest House.

12. The Commissioner, Kangra Division will also work out a detailed plan for accommodating Personal Staff, Security Guards accompanying Hon'ble Governor/Hon'ble Chief Minister/Ministers/Senior Officers at Dharamshala.

13. The Kashmir House will be named as Himachal Bhawan, Dharamshala.

By order,

S. S. NEGI,
Commissioner-cum-Secretary.

ANNEXURE-'A'

REQUIREMENT OF STAFF FOR STATE GUEST HOUSE AT DHARAMSHALA

Sl. No.	Name of Post	No.	Scale of Pay	Monthly Salary
1	2	3	4	5
1.	Tourism Development Officer (Manager).	1	2200—4000	5100
2.	Deputy Tourism Dev. Officer (Dy. Manager)	1	2000—3500	4600
3.	Receptionists	3	1500—2640	10500
4.	Store-keeper	1	1200—2100	2850
5.	Accountant	1	1800—3200	4150
6.	Cooks	3	950—2100	6900
7.	Waiters	6	810—1440	12000
8.	Chowkidar	1	750—1300	1900
9.	Mali	2	750—1300	3800
10.	Utility Worker	3	750—1300	5700
11.	Sweepers	3	750—1300	5700
12.	Typist-*cum*-Clerk	1	1200—2100	2850
	Total	26		66050

For one year=Rs. 66050×12=7,92,600 at minimum of scales.

ANNEXURE-'B'

STATEMENT SHOWING PER ANNUM EXPENDITURE TO RUN THE STATE GUEST HOUSE AT DHARAMSHALA

Sl. No.	Item	Approximate expenditure (in Rs.)
1.	Pay and Allowances	8,00,000/-
2.	Share on CPF	72,000/-
3.	Adm. Charges on CPF	10,000/-
4.	Bonus	50,000/-
5.	Gratuity	35,000/-
6.	Medical expenses	15,000/-
7.	Uniforms	75,000/-
8.	Staff meal	60,000/-
9.	Provision expenditure	3,00,000/-
10.	Fuel expenditure	20,000/-
11.	Water/Electricity charges	60,000/-
12.	Washing expenses	20,000/-
13.	Repair and Maintenance	1,00,000/-
14.	Telephone/postage	2,40,000/-
15.	Newspapers/periodicals	5,000/-
16.	Gardening expenses	50,000/-
17.	Misc. expenses	50,000/
18.	Printing and Stationery	20,000/-
19.	Crockery-cutlery replacement	50,000/-
20.	Replacement of linen	25,000/-
	Total --	20,57,000/-

Shimla-171002, the 30th December, 1994

No. GAD (PA)-4(D)-27/90.—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to constitute a two member State Advisory Committee in Himachal Pradesh consisting of the following :—

1. Shri K. D. Sultanpuri, MP, Lok Sabha. — *Chairman.*
2. Shri Sushil Barongpa, MP, Rajya Sabha. — *Member.*

The functions of the Committee will be to evaluate and suggest measures in respect of various Social Justice Programmes such as Poverty Alleviation, Social Security Schemes, PDS/RPDS, Rural Housing, Sanitation and Forestry, for which purpose, Co-ordinators from each concerned department are appointed as hereunder:—

1. Poverty allevation Programmes, Rural Housing and Sanitation.	Additional Director (RD and PR) Office of the Director PD and PR, Shimla.
2. Social Security Schemes.	Director, Welfare.
3. PDS/RPDS	Joint Director, Food and Supplies (HQ), Office of the Director, Food and Supplies, H. P. Shimla.

4. Forestry	Dy. Conservator of Forests (Planning) Office of the Principal, CCF, Shimla.

The term of office of the members of the Committee shall be one year from the date of constitution. The Headquarter of the said Committee is fixed at Shimla with suitable accommodation to be provided alongwith the following staff:

1. Personal Assistant/Jr. Scale Stenographer.
2. Peon.

To facilitate the smooth working of the Committee one vehicle and a office telephone will be provided to the Committee. The members of the aforesaid Committee shall be allowed TA/DA etc. as admissible for which a notification will be issued separately, subject to the condition that such TA/DA shall not exceed the 'compensatory allowance' as defined in Section 2 (*a*) of the Parliament (Prevention of Disqualification) Act, 1959.

. . . . .

Shimla-2, the 6th January, 1995

No. GAD-A (B)8-1/94.—In continuation to this Department Notification of even number dated 13th September, 1994, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to declare 7th January, 1995 (Saturday) as a gazetted holiday on account of 'Shri Guru Gobind Singh's Birthday' in all Government Offices, Educational Institutions & Industrial Establishments in Himachal Pradesh.

2. It will also be a holiday under Section 25 of Negotiable Instruments Act, 1881 and be a paid holiday to the daily rated employees.

शिमला-171002, 6 जनवरी, 1995

संख्या जी0 ए0 बी0-11 (4)-3/94.—सामान्य प्रशासन-ख विभाग द्वारा हिमाचल प्रदेश राज्य स्तरीय शिकायत निवारण समिति के गठन सम्बन्धी जारी की गई अधिसूचना संख्या दिनांक 9-8-1994, 20-9-94, 11-11-94 तथा 2-12-94 तथा उसके उपरान्त जारी की गई अधिसूचनाओं के निरन्तरीकरण में राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, उपरोक्त समितियों के गैर-सरकारी सदस्यों को बैठक में उपस्थित हेतु यात्रा/दैनिक भत्ते निर्धारण हेतु अनुबन्ध 'क' अनुसार शर्तों का निर्धारण करने के सहर्ष आदेश देते हैं।

यह आदेश तुरन्त लागू होंगे। यात्रा/दैनिक भत्ते की राशि संसद (निरर्हता निवारण) अधिनियम, 1959 की धारा 2 (क) में यथा परिभाषित "प्रतिपूरक" भत्ते से अधिक देय नहीं होगी।

ANNEXURE—A.

The non-official members of the Himachal Pradesh State Level Grievances Redressal Committee will be given T.A. and D. A. as under: –

I. TRAVELLING ALLOWANCE OTHER THAN MEMBERS OF PARLIAMENT AND MLAs:

(*i*) *Journey by rail.*—The non-official members will be treated at par with Government servants of first grade, and will be entitled to a single fare to which the Government servants of the First Grade are normally entitled, *i. e.* accommodation of the highest class by whatever name it may be called provided on the railway by which the journey is performed excluding air conditioned accommodation.

(*ii*) (*a*) ***Journey by road.***—They will be entitled to actual fare for travelling by taking a single seat in a public bus, and if the journey is performed by motor cycle/scooter, mileage allowonce at 60 paise per km. for plain areas and 80 paise per km for hilly areas and if the journey is performed by own car/full taxi, the members will be entitled to mileage allowance at Rs. 2/- or 2.50 per km. for journeys undertaken in plains or in the hilly areas respectively.

(*b*) In addition to the actual fare or mileage as above a member shall draw daily allowance for the entire absence from his permanent place of residence starting with departure from such residence ending with the arrival back at the place at the same rate and subject to the same terms and conditions as apply to Grade-I officers of the State Government, under the rules and instructions in force on the subject.

(*iii*) *Daily Allowance:*

(*i*) Non-official members will be entitled to draw daily allowance for each day of the meeting at the highest rates as admissible to a Government servant of the first grade for the respective locality.

(*ii*) In addition to daily allowance for the day(s) of the meeting, a member shall also be entitled to daily allowance for halt on tour at out-station in connection with the affairs of the Committee as under:—

(*a*) If the absence from headquarters does not exceed 6 hours. . . Nil.

(*b*) If the absence from the headquarters exceed 6 hours but does not exceed 12 hours. . . 70%

(*c*) If the absence from headquarters exceeds 12 hours. . . Full.

(*iv*) *Conveyance Allowance:*

A member, resident at place where the meeting of the committee is held will not be entitled to travelling and daily allowance on the scales indicated above but will be allowed only the actual cost of conveyance hire, subject to a maximum of Rs. 10/- per day. Before the claim is actually paid, the Controlling Officer should verifiy the claim and satisfy himself after obtaining such details as may be considered necessary, that actual expenditure was not less than the amount claimed.

If such a member uses his own car, he will be granted mileage allowance at the rates admissible to officials of the First Grade subject to a maximum of Rs. 10/- per day.

The travelling and daily allowance will be admissible to a member on production of a certificate by him to the effect that he has not drawn any travelling or daily allowance for the same journey and halts from any other Government source.

The members will be eligible for travelling allowance for the journey actually performed in connection with the meetings of the Committee from and back to the place of their permanent residence to be named in advance. If a member performs a journey from a place other than the place of his permanent residence after the termination of the meeting, travelling allowance shall be worked out on the basis of the distance actually travelled or the distance between the place of permanent residence and the venue of the meeting whichever is less.

The provisions of rules 4.17 and 6.1 of Himachal Pradesh Treasury Ruls will apply, *mutatis mutandis*, in the case of over payment made on account of Travelling Allowance to non-official members.

II. NON-OFFICIAL MEMBERS WHO ARE MEMBERS OF VIDHAN SABHA :

(*a*) They shall be entitled to travelling allowance/ D. A. in respect of journeys performed in connection with the work of the committee on the scale as is admissible to them under Legislative Assembly Act, 1971 (Salaries and Allowance of Members) as amended from time to time.

(*b*) They will be entitled to D. A. in connection with their assignment when the Vidhan Sabha/Vidhan Sabha Committee on which they are serving is in session, as they will be drawing their D. A. under the Salaries and Allowances of Members of the Legislative Assembly Himachal Pradesh Act, 1971 from the Vidhan Sabha. However, if they certify that they are prevented from attending the session of the House or the Vidhan Sabha Committee and did not draw any daily allowance from the Vidhan Sabha, they would be entitled D.A. at the rates as prescribed.

(*c*) The members will also not draw TA/DA which will qualify them from Vidhan Sabha.

(*d*) Provided that claims on account of travelling, halting and incidental allowances of members for attending the meetings of committees appointed by the Government shall be paid after these have been countersigned by the Secretary, Vidhan Sabha for encashment.

III. NON-OFFICIAL MEMBERS WHO ARE MEMBERS OF PARLIAMENT:

On the analogy of Members of Vidhan Sabha, the members who are members of Parliament will draw their TA/DA in accordance with the Salaries and Allowances of Members of Parliament Act.

The Commissisioner-*cum*-Secretary (GAD), Himachal Pradesh Government will be controlling officer in regard to the countersigning of the travelling allowance bills of the non-official members.

The expenditure involved will be debitable under head:—

2070—Other Administrative Services.

105—Special Enquiry Commission.

03—State Level Grievances Redressal Committee.

शिमला-2, 9 जनवरी, 1995

संख्या जी०ए०बी०-1 ए०(4)-1/94 (हमीरपुर).—इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 23-9-94 के क्रम को जारी रखते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, जिला स्तरीय हमीरपुर जिला की शिकायत निवारण समिति में निम्नलिखित सदस्यों को उपरोक्त समिति में गैर-सरकारी सदस्य के रूप में मनोनीत करने के सहर्ष आदेश देते हैं:—

1. श्री तिलक राज शर्मा, वार्ड नं० 6, हमीरपुर, जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश।

2. श्रीमती सुषमा शर्मा, ढाणू मोहल्ला सुजानपुर, जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश।

यह आदेश तुरन्त लागू होंगे। उपरोक्त समिति का कार्यकाल दो वर्ष का होगा।

आदेश द्वारा,

आर० के० आनन्द,
मुख्य सचिव।

Shimla-171002, *the* 31*st January*, 1995

No. GAD (A) F (4) 27/80-II.—In continuation of this department's notification of even number dated the 28th July, 1994, the Governor, Himachal Pradesh, is pleased to stipulate the terms and conditions of appointment of Col. A. P. Gautam (Retd.) as Vice-Chairman of Himachal Pradesh Ex-Servicemen Corporation, Hamirpur, as under:—

(*a*) Honorarium Rs. 1,000/- P.M.

(*b*) Free semi-furnished accommodation or Rs. 800/- P.M. in lieu thereof.

(*c*) Conveyance allowance at the rate of Rs. 500/- P.M.

(*d*) Telephone facility in the office as also at the residence to the maximum limit of Rs. 500/- or actual bill whichever is less.

(*e*) TA/DA as are admissible to Class-I Officers.

R. K. ANAND,
Chief Secretary.

Shimla-2, *the* 21*st February*, 1995

No. GAD(D) 2 (B)1-1/89.—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to accord sanction to creation of one temporary post of Superintendent Grade-I in the pay of scale Rs. 2200—4000 and one temporary post of Senior Assistant in the pay scale of Rs. 1800—3200 from the date of filling up to 28-2-95 in the Directorate of Estates (Estate Office), Himachal Pradesh, Shimla, consequent upon the upgradation of existing one post of Supdt. Grade-II *cum*-Legal Assistant (Rs. 2000—3500) to that of Supdt. Grade-I in the pay scale of Rs. 2200—4000 and one post of Junior Assistant (Rs. 1500—2640) to that of Senior Assistant in the pay scale of Rs. 1800—3200.

2. The existing posts *i.e.* one temporary post of Supdt. Grade-II-*cum*-Legal Assistant in the pay scale of Rs. 2000—3500 is hereby abolished and one permanent post of Junior Assistant (in clerical cadre) in the pay scale of Rs. 1500—2640 is kept in abeyance.

3. The expenditure involved is debitable to Major Head 2216—Housing, 01—Government Residential Accommodation, 106—General Pool Accommodation, 03—Estate Management, (*i*) Salaries (Non-Plan) during the year 1994-95.

4. This issue with the prior concurrence of the Finance Department obtained *vide* their U.O. No. 7622 (Fin) (F)/94, dated 23-12-94.

By order,

S. S. NEGI,
Commissioner-cum-Secretary.

Shimla-171002, *the* 22*nd March*, 1995

No. GAD-C(PA) 4 (D)-27/90.—In continuation of this department's notification of even number dated 30-12-1994, the Governor, Himachal Pradesh is further pleased to give TA/DA to the Chairman/Member of the State Advisory Committee on the following terms and conditions:—

1. The members of the Parliament on the Advisory Committee in respect of journey performed by him by rail/road, air and steamer in connection with the work of committee, shall be entitled to TA/DA on the same scale as is admissible to him under the Salary, Allowances and Pension of Members of Parliamant Act, 1954 and rules made there under from time to time.

2. The expenditure on TA/DA will be debitable under Major Head—2052-Secttt. General Services—090-Secttt. 01—Chief Secretariat—Travel Expenses, Non-Plan for the year 1994-95.

By order,

Sd/-
Chief Secretary.

शिमला-2, 6 अप्रैल, 1995

संख्या जी0ए0डी0ई0(सी0 7-1/91.—इस विभाग की अधिसूचना संख्या जी0ए0डी0(ए) एफ0(4)-23/77-II दिनांक 3 जनवरी, 1991 के क्रम में राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश सशस्त्र सेना हित कारी निधि नियम, 1977 के पैरा सं0 7 का तत्काल में संशोधन करने को निम्न प्रकार सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :—

संशोधन

वित्तीय अधिकार :

1. निदेशक, सैनिक कल्याण, हिमाचल प्रदेश सरकार।	रुपये 2000/- (दो हजार रुपये) केवल तक किसी व्यक्तिगत मामल की योग्यता पर।
2. अध्यक्ष (जिलाधीश) जिला सैनिक बोर्ड।	रुपये 1,000/- (एक हजार रुपये) केवल तक किसी एक व्यक्तिगत मामले में।
3. उप निदेशक, जिला सैनिक कल्याण।	रुपये 500/- (पांच सौ रुपये) केवल तक किसी एक व्यक्तिगत मामले में/ (केवल गम्भीर बीमारी/मृत्यु तथा दुर्घटना के मामले में दी जाएगी। साधारण तथा सामान्य स्थिति में यह दर लागू नहीं होगी)।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-
आयुक्त एव सचिव।

HEALTH AND FAMILY WELFARE DEPARTMENT (A-SECTION)

NOTIFICATION

Shimla-171002, *the 2nd November*, 1995

No. Health-B (4) 2/94.—The Governor of Himachal Pradesh is pleased to order to promote Shri Vijay Kumar Sharma, Sr. Laboratory Technician, Composite Testing Laboratory, Kandaghat of the Health and Family Welfare Department as Sr. Scientific Officer (Class-II Gazetted) on *ad hoc* basis, in the pay scale of Rs. 2200—3700/- for a period of six months or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

2. The Governor, Himachal Pradesh is further pleased to post Shri Vijay Kumar Sharma at Composite Testing Laboratory Kandaghat (Solan) with immediate effect.

3. This *ad hoc* promotion shall not confer upon him any right of continuation and seniority etc.

J. P. NEGI,
Commissioner-cum-*Secretary*.

LABOUR AND EMPLOYMENT DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, *the 16th October*, 1995

No. 19-8/90-Shram-VI.—In exercise of the powers vested in him under section 17(1) of the Industrial Disputes Act, 1947, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to order the publication of the awards in the Rajpatra, announced by the Presiding Officer, Labour Court in respect of the following cases:—

Sl. No.	Case No.	Parties	Section	Remarks
1	2	3	4	5
1.	Ref.-77/93	Umesh Kumar *v/s* General Manager, Country Liquor Bottling Plant, Mehatpur.	Sec.-10	for Publication,
2.	Ref.-73/93	Balbir Singh *v/s* M/s Pronto Steerings Ltd. Parwanoo.	-do-	-do-
3.	Ref.-56/93	Dinesh Mehta *v/s* M/s Him Techno Forge (P) Ltd. and others, Baddi.	-do-	-do-
4.	Ref.-50/92	Ratti Ram *v/s* Divisional Forest Officer, Forest Division, Renuka, Distt. Sirmour.	-do-	-do-
5.	Ref.-92/94	Ply Board Workers Union *v/s* M/s Ply Board Manufacturing Mehatpur, Distt. Una.	-do-	-do-
6.	Ref.-91/94	Rudal Chouhan *v/s* M/s Yamuna Gases & Chemicals, Jagadhari.	-do-	-do-
7.	Ref.-159/93	Mahesh Kumar *v/s* M/s Kalinga Cables, Parwanoo.	-do-	-do-
8.	Ref.-160/93	Jagdish Pandit *v/s* M/s. Kalinga Cables, Parwanoo.	-do-	-do-
9.	Ref.-42/94	A. K. Sharma *v/s* M/s Eicher Tractors Ltd. Parwanoo.	-do-	-do-
10.	Ref-39/93	Ashok Kumar *v/s* Shri Abdul Hamid, Contractor, Village & P.O. Taksal, Parwanoo.	-do-	-do-
11.	Ref.-78/94	Labour Union *v/s* Shri AbdulHamid, Contractor, Noor Mohammed Colony, Village & P.O. Taksal, Parwanoo, Distt. Solan, (H.P.).	-do-	-do-

By order,

S. S. SIDHU,
Financial Commissioner-cum-*Secretary*.

In the Court of Shri B, S. Chouhan, Presiding Officer, Labour Court, Himachal Pradesh, Shimla

Reference No. : 77 of 1993
Instituted on : 5-10-1993

Decided on : 1-4-1995

Shri Umesh Kumar .. *Petitioner.*

versus

General Manager, Country Liquor Bottling Plant, Mehatpur, District Una .. *Respondent.*

Reference under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947.

For petitioner: Shri R. K. Singh, AR.
For respondent : Shri R.L. Kaith, AR.

AWARD :

Through this reference, the State Government has referred the dispute regarding the termination of the services of Shri Umesh Kumar, hereinafter referred to as 'petitioner', for determination by this Court.

2. The case of the petitioner is that he was appointed by the management, Country Liquor Bottling Plant, Mehatpur, hereinafter referred to as 'respondents' as workman on 5-7-1989. Subsequently, he was terminated on 31-3-1991, without any notice, enquiry and compensation. Thus, the petitioner has stated that his termination is illegal and the same be set-aside and he be reinstated with back wages.

3. On the other hand, the respondents have contested the claim aforesid of the petitioner on the ground that the petitioner had been appointed against specific work *i.e.* in connection with the construction of liquor tank and after the said work was over, his services were terminated. Thus, the respondents have raised the plea that the appointment of the petitioner was on contract basis and as such, he is not entitled to the protection of the provisions of Section 25-F of the Industrial Disputes Act, 1947.

4. On the aforesaid pleadings of the parties, following issues were framed:—

1. Whether the termination of the petitioner Shri Umesh Kumar *is illegal* and unjustified ? If so, to what relief the petitioner is entitled to ? OPP.
2. Relief.

5. I have heard the representatives of the parties and have gone through the record. For the reasons to be recorded hereinafter, my findings on the aforesaid issues are as under :—

FINDINGS

Issue No. 1 Yes.

Relief : Reference answered in favour of the petitioner.

REASONS FOR DECISION

6. *Issue No.* 1.—It is admitted case of the respondents that the petitioner had worked for more than 240 days during the calendar year preceding the date of his termination. However, the respondents have taken the stand that the appointment of the petitioner was for a specific period because it was contract appointment and as such the petitioner is not entitled to the protection of Section 25-F of the Industrial Disputes Act, 1947. There is no denying the fact that Section 25-F of the Industrial Disputes Act, 1947 deals with the termination cases like the present one. However, case of contract appointment does not fall within the purview of Section 25-F supra. I have gone through the evidence of the respondents which has been led in support of the plea to the effect that the appointment of the petitioner was a contract appointment and am of the view that the same is totally insufficient. The respondent-management has not placed on record any appointment letter of the petitioner so as to show that his appointment was actually a contract appointment. Similarly, the statement of Shri S. N. Sinha (RW-1) would make it clear that no written appointment letter was issued to the petitioner. However, bald statement of Shri S. N. Sinha (RW-1) to the effect that the appointment of the petitioner was for a specific period, cannot be believed; especially in the absence of any documentary proof on record. Therefore, I am not inclined to believe the said version of Shri S. N. Sinha. Further, it is admitted case of the respondents that no compliance of Section 25-F of the Industrial Disputes Act, 1947 was made in this case because the respondents have mentioned that the appointment of the petitioner was a contract appointment. As such, I am of the view that the appointment of the petitioner was not a contract appointment because the respondents have failed to prove the said plea. Therefore, the petitioner is entitled to the protection of Section 25-F of the Industrial Disputes Act, 1947. It is a settled principle of law that the provisions of Section 25-F *supra* are *mandatory* and violation thereof would render the termination illegal. Since, in the present case, the respondents have not complied with the said provisions of Section 25-F supra, it can clearly be held that the termination of the petitioner is illegal and unjustified. Thus, I hold that the petitioner has proved this issue. Accordingly, this issue is decided in favour of the petitioner.

RELIEF

7. Keeping my findings on the aforesaid issues in view, I hold that the termination of the petitioner is illegal and unjustified and as such, the same is setaside and the petitioner is ordered to be re-instated with back wages which are assessed at Rs. 12,500. Accordingly, the reference stands disposed of. A copy of this award be sent to the Government of Himachal Pradesh, Shimla-2, for its publication in the H.P. Rajpatra in accordance with law. A copy of this award be suplied to each of the parties, free of cost, if applied for. This be consigned to record room after its completion.

Announced in the Open Court today the 1st April, 1995 in the presence of the parties.

Seal.

B. S. CHOUHAN,
Presiding Officer,
Labour Court, (H.P.), Shimla.

In the Court of Shri Janeshwar Goyal, Presiding Officer, Labour Court, Himachal Pradesh, Shimla

Reference No. : 73 of 1993.

Decided on : 1-9-1995.

Balbir Singh .. *Petitioner.*

Versus

M/S Pronto Steerings Ltd., Parwanoo .. *Respondent.*

Reference under section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947.

For petitioner : Shri A. K. Sharma, AR.

For respondent : Shri Surinder Kumar, AR.

AWARD

The petitioner Shri Balbir Singh was appointed as a Turner on 4-11-1985 in the respondent concern at Parwanoo . He was elected General Secretary of the Workers Union of the said concern. He was suspended on 30-11-1991 for his alleged misconduct and after conducting a domestic enquiry through Shri V. K. Khurana, he was discharged from service on 13-10-1992. He has approached this Court through a reference from the Government dated 28-6-1993 on the following terms:—

"Whether the discharge of Shri Balbir Singh turner by the respondent-company on 13-10-1992 from service has been valid and justified ? If not, to what salary and other service benefits he is entitled to ?"

2. On appearance, the petitioner filed the statement of claim and the respondent filed the reply. It is admitted that the petitioner was appointed as turner on 4-11-1985 in the company of the respondent. He was suspended on 30-11-1991 and after conducting the enquiry, he was discharged from service on 13-10-1992. It is alleged that the conduct of the petitioner has been wholly unsatisfactory and was discharged when the charges against him were found correct during the enquiry.

3. On the pleadings of the parties, following issues were framed by my learned predecessor in office on 7-12-1993:—

1. Whether the termination of the petitioner Shri Balbir Singh is legal and justified? O.P.R.

2. If issue No. 1 supra is not proved, to what relief, the petitioner is entitled to ? OPP.

3. Relief.

4. The parties led evidence in support of their respective claims. I have heard the authorised representatives of the parties, gone through the evidence on record and the law cited by them. My issue-wise findings and discussions are as under:—

Issue No. 1.—The petitioner was suspended on 30-11-1991 for his alleged misconduct on 29-11-1991. He was charged with the following charges:—

1. That he disobeyed the Shift Manager (Shri Babu Ram) when asked to carry on the work and instead incited and instigated the workers not to work in the said shift from 5.00 P. M. to 12.00 midnight on 29-11-1991.

2. That he misbehaved with Shri B. P. Chabra, the Chief Engineer and Shri Rakesh Zakhmi, the Financial Controller on phone on 29-11-1991.

3. That he had not completed the target of his job during two months prior to the occurence on 29-11-1991.

5. Though the allegations in the charge have been denied by the petitioner in his reply on 3-12-1991 (Annexure-2) or that the Inquiry Officer had conducted the enquiry impartially, yet the respondent-firm has examined the Inquiry Officer Shri V. K. Khurana as RW-2 and placed on record the copies of the statements of the witnesses recorded by him and the conclusion drawn by him in the enquiry. It is not disputed that the said enquiry report was accepted by the respondent-company and consequently, the petitioner was discharged from the service on 13-10-1992. Thus, the very question would arise if the charges against the petitioner have been proved in the enquiry or the Inquiry Officer had correctly drawn the conclusion that the charges against the petitioner had proved. Therefore, the evidence recorded by the Inquiry Officer is taken up charge-wise.

Charge No. 1 :

To prove this charge, Shri Babu Ram the Shift Manager appeared as MW-2 and also placed on record his report, dated 29-11-1991 Ex. P.7. In the report Ex. R-7, the has nowhere alleged if he asked the petitioner to carry on the work or he refused to obey his orders. In that report, the simple allegation is that the workmen of that shift on 29-11-1991 had not worked, but, it is not mentioned therein if Shri Balbir Singh had in any way incited and instigated the workers not to carry on the work. However, when Shri Babu Ram appeared as MW-2, he has not stated if the petitioner in any way incited or instigated the workers not to work. Therefore, I fail to understand as to how the Inquiry Officer came to conclusion that the charge No. 1 against the petitioner has been substantiated. Therefore, I do agree with the contention of the AR of the petitioner that this charge had not been proved against the petitioner.

Charge No. 2:

According to charge, the petitioner misbehaved on telephone on 29-11-1991 with Shri B.P. Chabra, Chief Engineer and Shri Rakesh Zakhmi, the Financial Controller of the respondent-company, but, none of them had appeared to state so. Even Shri Babu Ram, MW-2 has not stated if the petitioner had in any way abused them. His simple statement that the petitioner on telephone had asked them to provide Samosas, tea to the workers of that shift also as were provided to the workers of other shifts cannot be interpretted if he had in any way misbehaved with the officers. However, as has been found that none of them had appeared in the enquiry or in this Court to support if they were misbehaved by the petitioner in any way. Thus, I do agree with the contention of the AR. of the petitioner that this charge has also not been proved even in the enquiry and the report of the inquiry Officer in this regard is not based on any evidence.

Charge No. 3:

To prove this charge, the respondent-management had brought on record the daily production reports from 3-9-1991 to 29-11-1991 of the petitioner, in which it is shown that the production of Shri Balbir Singh petitioner had been less than the target. But, its perusal further shows that allmost all the workers had not achieved the targets and therefore, they were also guilty of giving less production to the respondent-company. But, there is no evidence on record if the other workers were also deal with and were discharged by the management on this ground from service, as in the case of the petitioner. It is brought to my notice by the AR. of the respondent that the conduct of the other workers being proper, they were let off after administering warnings asking them to achieve the targets. Therefore, in the circumstances, the petitioner could also be warned and could also be let off with the similar warning to improve his working. It rather shows that such charge is dove-tiled and levelled against the petitioner to support the Charge No. 1 and 2. But, when the charge No. 1 & 2 have not been proved even in the enquiry, the petitioner could not be discharged from service only on Charge No. 3. He should have been dealt with equally with the other workers placed in similar situations. Thus, this charge can also not be proved and sufficient for the discharge of the petitioner from service.

Thus, from the overall evidence on record, it is proved that the charges against the petitioner have not been proved even in the enquiry. Thus, the conclusion that the charges against the petitioner have been proved. is not correct nor the petitioner could be discharged from service on such an insufficient evidence. Therefore, there is no escape from the decision that the discharge of the petitioner from service on 13-10-1992 has not been valid and justified. This issue is decided against the respondent.

Issue No. 2.—In view of my discussions and findings one above, the petitioner as to a general principle of law is entitled to all benefits of his service from the date of discharge on 13-10-1992. However, there is no evidence on record if during the intervening period, he remained un-employed. In a case "*Workmen Silver Sands Employees Union V/s Presiding Officer, First Additional Labour Court Madras and ANR* reported in 1994 LLR-Page-684. It is held that if there is no evidence on record as to whether the petitioner has been employed or not in any profitable avocation after the termination of his services till his re-instatement, he is not entitled to the payment of back wages. The relevant portion of the authority is reproduced as follows:—

> "If there is no evidence on record showing whether they had been employed or not in any profitable avocation, there is no evidence available on record. That does not mean that they had been without any employment all along in order to keep their soul in tact, they could have been profitably employed. Taking that aspect into consideration, I do not think that there is any need or justification for ordering payment of back wages to them till up to their reinstatement. However, their reinstatement shall have the benefit of continuity of service and other attendant benefits, if any".

8. Therefore, the petitioner cannot be allowed the full back wages of the intervening period without the

evidence that he remained un-employed during this period. However, his statement as PW-1 that during the period of his statement in the court on 3-1-1994, he had not been working and was idle stand uncorroborated. Therefore, it can be taken that on 3-1-1994, he was totally un-employed and therefore, can be granted the back wages from that period. It is not disputed that at the time of his discharge from service, he was drawing a total salary of Rs. 5283/- per month. Thus, he is held entitled to the back wages @ Rs. 5283/- per month from the date of his statement in the court on 3-1-1994. However, he shall be deemed to be in continuous service of the respondent—factory. This issue is decided accordingly, in favour of the petitioner.

RELIEF :

9. In view of my discussions and findings above, the reference is answered in the terms that the discharge of the petitioner from service by the respondent firm on 13-10-1992 has not been law-ful and justifiable and he is entitled to the back wages @ Rs. 5283/- per month *w.e.f.* 3-1-1994 and his service shall be deemed to be continuous. The reference is disposed of accordingly. A copy of this award be sent to the Government of Himachal Pradesh Shimla-2 for its publication in the H.P. Rajpatra in accordance with law. A copy of this award be supplied to each of the parties, free of cost, if applied for. This be consigned to record room after its completion.

Announced in the Open Court today the 1st September, 1995.

JANESHWAR GOYAL,
Seal. *Presiding Officer,*
Labour Court, H.P. Shimla.

In the Court of Shri Janeshwar Goyal, Presiding Officer, Labour Court H. P. Shimla

Reference No. 56 of 1993

Decided on 29-8-1995

Dinesh Mehta. .. *Petitioner.*

Versus

M/s Him Techno Forge(P) Ltd. and others, Baddi.
.. *Respondents.*

Reference under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947.

For petitioner : None.

For respondent : Shri V. K. Gupta, AR.

AWARD

The State Government of Himachal Pradesh has sent reference to this Court as to whether the termination of the services of Shri Dinesh Mehta S/o Shri M.L. Mehta, Electrician of the respondent company was valid and justified, if not to what relief he is entitled. The petitioner thereafter, filed the statement of claim alleging himself that the respondent company appointed him as an Electrician on a monthly wages of Rs. 3500/- w.e.f. 1-5-1991, but, his services were terminated on 8-1-1992 without issuing him notice, charge-sheet, enquiry or other benefits. He has thus approached this Court in a reference as referred to above. The respondent-company in reply denied if the petitioner was ever appointed or employed by him much less as Electrician. It is alleged that the petitioner had approached the respondent-company with the letter of one Shri Pradeep Gabhir of M/s D.D. Gears of Delhi to repair the Electric defects in a machine in April, 1991, for which the petitioner demanded Rs. 7500/- in lump sum as repair charges. Out of it, Rs. 1000/- were given to him in advance and the other amounts totalling Rs. 5000/- were given to him time to time. However, the petitioner failed to repair the machine to the satisfaction of the management and thus, he left the work, and accordingly, the remaining amount of Rs. 2500/- was not paid to him. Thus, the contract between the petitioner and the respondent came to an end. It is emphatically denied if the petitioner had been the employee of the respondent company or his services were terminated or he is entitled to any benefit as employee.

2. On the pleadings of the parties, following issues were framed on 2-3-1994 :—

1. Whether the termination of the petitioner is illegal and unjustified, as alleged ? If so, to what relief the petitioner is entitled to ? OPP.

2. Whether the petitioner was engaged on contract basis, as alleged ? If so, its effect ? OPR.

3. Relief.

Issues 1 and 2. Both these issues are intreconnected and are taken up together. The petitioner in support of his case examined himself as PW-1 and produced one Shri S. P. Jain. On the other hand, the respondents has examined Shri Ranjit Singh RW-1 and Shri Surinder Kumar, RW-2, in addition to tendering into evidence, some documents. The petitioner thereafter failed to appear in the Court inspite of repeated notices and thus, the case is being heard with the assistance of Shri V. K. Gupta, A. R. for the respondent.

4. It is noticed that though the peitioner had examined Shri S. P. Jain as PW-2 on 1-6-1994, but, his cross examination was deferred and he was discharged. But, thereafter Shri S. P. Jain has not appeared nor he was cross examined by the respondent. Therefore, his tenstimony cannot be read in the evidence. Not to speak of the evidence of the respondent, even the petitioner as PW-1 has admitted in cross-examination that he was not given any appointment letter. The petitioner though has based his claim on an alleged appointment letter Mark-X, but, this letter is neither issued by the respondents nor for his appointment in their company. The perusal of the photostat copies of this letter shows that it is on the letter head of M/s D. D. Gears Pvt. Ltd., but not signed by any of the Directors. Moreover, this alleged letter of appointment has been for one cpmpany styled as M/s H. D. Forge, which has nothing to with the respondents. Even if for the sake of arguments, the mark-X is taken to be genuine, still it does not prove if the respondent-copmany had appointed the petitioner as Electrician.

5. On the other hand, the petitioner has admitted the execution of the letter, dated 13-4-1991, Ex.R-1, according to which the petitioner had undertook contract to repair the machine of the respondent-company on the labour charges of Rs. 7500/- in lump sum out which he has received Rs. 1000/-. He has also admitted the vouchers Ex.R-2 and Ex.R-3, upon which he received Rs. 500/- on 11-9-1991 and Rs. 2000/- on 25-11-1991. The respondent has also proved the vouchers Ex. R-4 and Ex.R-5 with regard to the receipt of Rs. 1000/- on 13-4-1991 and Rs. 1500/- on 4-5-1991. Therefore, this shows that the petitioner had received Rs. 5000/- out of the contract amount Rs. 7500/- for the repairs of the Machine of the respondent. Thereafter, the case of the respondent is that the petitioner failed to repair the machine of the respondent and thus, left the job even recovering the remaining amount of Rs. 2500/-. Since the case of the respondents is supported with the evidence on record to the effect that the petitioner was engaged on contract basis only for specific purpose of reparing the machine and the petitioner had to prove if he was ever appointed by the respondent-company much less a an Electrician, the petitioner is not entitled to any relief. More so, there is no evidence on record if his services were ever terminated. Therefore, both these issues are decided against the petitioner.

RELIEF :

6. In view of my discussions and findings on both the issues, I hold that the petitioner is not entitled to any relief and there is no merit. The reference is answered accordingly. A copy of this award be sent to the Government of Himachal Pradesh, Shimla-2 for its publication in accordance with the law. A copy of this award be supplied to each of the parties, free of cost if applied for. This be consiged to record room after its completion.

Announced in the open Court today the 29th August, 1995.

Seal. JANESHWAR GOYAL,
Presiding Officer,
Labour Court, H. P., Shimla,
Camp at Nalagarh.

In the Court of Shri B. S. Chouhan, Presiding Officer, Labour Court, Himachal Pradesh, Shimla

Reference No. 50/92

Instituted on 27-7-1992

Decided on 3-7-1995

Ratti Ram ..*Petitioner.*

Versus

Divisional Forest Officer,
Forest Division, Renuka, District
Sirmour, Himachal Pradesh. ..*Respondent.*

Reference under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947.

For petitioner : Shri J. C. Bhardwaj, A.R.

For respondent : Shri B. R. Choudhary, A.R.

AWARD

Through this reference the State Government has referred the dispute regarding the termination of Shri Ratti Ram, hereinafter referred to as petitioner.

2. The case of the petitioner is that he was employed as chowkidar on daily wages by the Divisional Forest Officer, Renuka in 1986 and therefter, he worked continuously till 31-3-1991 when his services were terminated without notice and compensation. It is alleged that the petitioner had worked for 240 days in every calendar year and as such, his termination without notice and compensation is illegal and the same be set-aside and he be reinstated with back wages.

3. On the other hand, the Respondent has contested the claim aforesaid of the petitioner on the ground that the petitioner had not worked for 240 days in any of the calendar year and as such, he is not entitled to any relief.

4. I have heard the representtives of the parties and have scrutinized the evidence on record. The perusal of the statement of working days of the petitioner which has been placed on before record respondent would go to show that the petitioner had not worked for 240 days in any of the calendar years since 1986 till March, 1991. No doubt, the petitioner has stated that he had worked for 240 days in every calendar year, but, in the wake of this statement of working days, it is difficult to believe the said versions of the petitioner. Therefore, it can safely be held that the petitioner had not worked for 240 days during the calendar year preceding the date of his termination. Shri J. C. Bhardwaj, A R of petitioner has argued that the petitioner had been paid wages for the period from January, 1991 to March, 1991 and after adding the days of these three months in the other working days of the relevant calendar year, the number of total working days would come to more than 240 days. I have considered the said argument and find that factually the same is wrong. The relevant calendar year preceding the date of termination is from 3/90 to 3/91. The statement of working days would go to show that the petitioner had worked only for 99 days during the said period. Now, if 91 days of the period from, 1991 to March, 1991 are added to these 99 days the total number of working days would come to 190. Thus, the argument raised by Shri J. C. Bhardwaj has no basis. Shri Bhardwaj has also argued that there are many juniors of the petitioner who have been retained and they are still working. He has, thus, stated that the reinstatement of petitioner can be made on th's basis because for this purpose condition of 240 days is not essential. I have considered the said argument and find that it has also no basis because neither the said plea is covered by the reference, in question, nor there are pleadings to this effect. Even in his statement while appearing as his own witness the petitioner has not stated even a single word to the effect that there were juniors to him who were retained in service at the time of his termination. Thus, this argument also does not help the petitioner in any manner. In order to attract the provisions of Section-25-F of the Industrial Disputes Act, 1947 which deals with termination cases, the aggrieved workman has to prove that he had worked for 240 days during the calendar year preceding the date of his termination; otherwise he would not be entitled to the protection of this section. No doubt, in the present case, there is violation of said Section-25-F, but, it remains a fact that the petitioner is not entitled to the protection of this section because he had not worked for 240 days during the calendar year preceding the date of this termination.

5. For the reasons, stated above, I hold that the termination of the petitioner is not illegal and as such, the petitioner is not entitled to any relief. Accordingly, the reference is decided against the petitioner and the case stands disposed off. A copy of this award be supplied to the parties, free of cost, if applied for. A copy of this award be sent to the Government of Himachal Pradesh, Shimla-2, for its due publication in the Himachal Pradesh, Rajpatra in accordance with law. This be consigned to record room after its completion.

Announced in the Open Court today the 3rd July, 1995.

Seal. B. S. CHOUHAN,
Presiding Officer,
Labour Court, H. P., Shimla.

In the Court of Shri Janeshwar Goyal, Presiding Officer, Labour Court, Himachal Pradesh, Shimla camp at Una

Ref-92/94

Ply Board Manufacturing workers Union, Una

vs.

M/s Py Board Manufucturing, Mehatpur, Una.

28-8-1995 : None for petitioner.

Shri P. R. Sharma, A.R. for respondent.

AWARD

It is brought to my notice by the A.R. for the respondent that the parties have already settled the dispute. He has accordingly, filed the reply as well as copy of the settlement dated 8-9-1994. Therefore, this shows that the matter must have been settled. However, the notices were issued to the petitioners time and again, but, none turned up. Therefore, this also shows that they are not interesting in persuing the matter as it has been duly settled between the parties. Thus, there is no need to

answer the reference. Accordingly, it stands disposed. This be consigned to record room after its completion.

Announced in the Open Court today the 28th August, 1995.

Seal. JANESHWAR GOYAL,
Presiding Officer,
Labour Court, Himachal Pradesh, Shimla,
Camp at Una.

In the Court of Shri Janeshwar Goyal, Presiding Officer, Labour Court, Himachal Pradesh, Shimla Camp at Paonta-Sahib

Ref-91/94

Rudal Chouhan ..*Petitioner.*

vs.

M/s. Yamuna Gades & Chemicals, Jagadhari.

26-8-95 : Shri Rudal Chouhan, petitioner in person.

Shri S. S. Chouhan, AR for the respondent.

AWARD

As per statement of parties recorded today separately, they have compromised the dispute. Therefore, the reference has become infructuous. Accordingly, the reference stands disposed off. A copy of this award be sent to the Government of Himachal Pradesh, Shimla-2 for its due publication in the Himachal Pradesh Rajpatra in accordance with law. This be consigned to record room after its completion.

Announced in the Open Court today the 26th August, 1995.

Seal. JANESHWAR GOYAL,
Presiding Officer,
Labour Court, Himachal Pradesh, Shimla,
camp at Paonta Sahib.

In the Court of Shri Janeshwar Goyal, Presiding Officer, Labour Court, Shimla, Camp at Parwanoo

Ref-159/93

Mahesh Kumar ..*Petitioner.*

vs.

M/s Kalinga Cables, Parwanoo.

22-8-195 : Shri A. K. Sharma, A.R. for workers

None for the respondent.

AWARD

It is brought to my notice by Shri A. K. Sharma that the petitioner hs left his job ad he is not interested in prosecuting the reference. Therefore, it has become infructuous. Accordingly, the reference stands disposed off. A copy of this award be sent to the Government of Himachal Pradesh, Shimla-2 forits publication in the H.P. Rajpatra in accordance with law. This be consigned to record room after its completion.

Announced 28-8-1995.

Seal. JANESHWAR GOYAL.
Presiding Officer, Labour Court,
H. P., Shimla.

In the Court of Shri Janeshwar Goyal, Presiding Officer, Labour Court, Shimla, Camp at Parwanoo

Ref-160/93

Jagdish Pandit ..*Petitioner.*

vs.

M/s Kalinga Cables, Parwanoo.

22-8-95 : Ahri A. K. Sharma AR for workers

None for the respondent.

AWARD

It is brought to my notice by Shri A. K. Sharma, that the petitioner has left his job and he is not interested in prosecuting the reference. Therefore, it has become infructuous. Accordingly, the reference stands disposed of. A copy of this award be sent to the Government of Himachal Pradesh, Shimla-2 for its publication in the Himachal Pradesh Rajpatra in accordance with law. This be consigned to record room after its completion.

Announced 22-8-1995.

Seal. JANESHWAR GOYAL,
Presiding Officer,
Labour Court, H. P., Shimla.

In the Court of Shri B. S. Chouhan, Presiding Officer, Labour Court, Shimla

Ref-42/94

A. K. Sharma ..*Petitioner.*

vs.

M/s Eicher Tractors Ltd., Parwanoo.

1-7-95 : Shri A. K. Sharma, Petitioner in person.

Shri V. K. Gupta, A.R. for the respondent with Shri Rajan. Kalia

AWARD

As per statement of the petitioner and statements of the representatives of the respondent placed on record, the present dispute stands settled. According to the settlement, the respondent-Mangement has paid a sum of Rs. 80,000/- to day in the Court by way of cheque No. 526046, dated 30-6-1995 to the petitioner, which the petitioner has accepted in lieu of his entire claim, which he has set up regarding his dismissal. The settlement, in original, has also been placed on record, which is Ex. RA. As such, the petitioner has stated that the reference be decided on the basis of the said settlement. Therefore, in view of this settlement, the dispute, in question, comes to an end and the reference stands disposed of accordingly. A copy of this award be sent to the Government of Himachal Pradesh, Shimla-2 for its publication in the H. P. Rajpatra in accordance with law. A copy of this award be supplied to each of the parties, free of cost, if applied for. This be consigned to record room after its completion.

Announced in the Open Court today the 1st July, 1995 in the presence of the parties.

B. S. CHOUHAN,
Presiding Officer,
Labour Court, H. P., Shimla.

In the Court of Shri B S Chouhan, Presiding Officer, Labour Court, Himachal Pradesh, Shimla

Ref-39/93

Ashok Kumar ..*Petitioner.*

vs.

Shri Abdul Hamid, Contractor,
Village & P. O. Taksal, Parwanoo and others.
..*Respondent.*

1-7-1995 : Shri A. K. Sharma, A.R. for petitioner.

Shri V. K. Gupta, A.R. for respondent.

AWARD

As per statements of the representatives of the parties placed on record, the dispute, in question, stands settled. According to the settlement, the respondent has paid a sum of Rs. 10,000/- to the petitioner in lieu of the entire claim which he has set up in the present reference. A. R. for the petitioner has placedon record Ex. P-1, which is a copy of the receipt of the petitioner Shri Ashok Kumar, in which, he has received amount of Rs. 10,000/- from the respondent Abdul Hamid on account of full and final settlement of the present case. The A.R. of the respondent has placed on record Ex. R.A., which is the settlement, in original. Therefore, in view of the settlement aforesaid the disupte in question comes to an end and the same stands disposed of. A copy of this award be sent to the H. P. Government for its publication. This be consigned to record room after its completion.

Anounced in the Open Court today the 1st July, 1995 in the presence of the parties.

Seal.

B. S. CHOUHAN,
Presiding Officer,
Labour Court, H. P., Shimla.

In the Court of Shri B. S. Chouhan, Presiding Officer, Labour Court, Shimla

Ref-78/94

Labour Union ..*Petitioner.*

vs.

Shri Abdul Hamid, Contractor,
Noor Mohammed Colony, Village & P. O. Taksal,
Parwanoo (H. P.) & Others ..*Respondent.*

1-7-95 : Shri A. K. Sharma, A. R. for the Petitioners with Shri Nazammudin President.

Shri V. K. Gupta, A.R. for the respondents with S/Shri Rajan Kalia and Kaummudin.

ORDER

As per the statements of the parties and their representatives placed on record, the dispute, in question, stands settled. According to the settlement, the Respondent No. 2, Shri Abdual Hamid has met with demands No. 1& 2 of the petitioners union, while the petitioners Union has given up demands No. 5 & 6. The respondent has placed on record the settlement, which is Ex. RA. Thus in view of the said settlement, the dispute, in question, comes to an end and the same stands disposed off. A copy of this award be sent to the Government of Himachal Pradesh, Shimla for its due publication in the Himachal Pradesh Rajpatra in accordance with law. A copy of this award be supplied to each of the parties, free of cost, if applied for. This be consigned to record room after, its completion.

Announced in the Open Court today the 1st July, 1995 in the presence of the Parties.

Seal.

B. S. CHOUHAN,
Presiding Officer,
Labour Court, H.P., Shimla.

बहुउद्देशीय परियोजनाएं एवं विद्युत विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 13 नवम्बर, 1995

संख्या विद्युत-छ (5)-1/94.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि राष्ट्रीय जल विद्युत परियोजना निगम समिति (एन0 एच0 पी0 सी0) जो कि भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 (1894 का पहला अधिनियम) की धारा 3 के खण्ड (सी0 सी0) के अर्थान्तर्गत सरकार के स्वामित्व और नियन्त्रण के अधीन एक निगम है, के द्वारा अपने व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु मुहाल कुरांह ह0 न0 165 चम्बा, जिला चम्बा में सड़क के निर्माण हेतु भूमि का अर्जन करना अपेक्षित है। अतएव एतद्द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि नीचे विवरणी म निर्दिष्ट किया गया है उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 6 के उपबन्धों के अधीन सभी सम्बन्धित व्यक्तियों के लिए यह घोषणा की जाती है और भूमि अर्जन अधिनियम की धारा 7 के उपबन्धों के अधीन भू-अर्जन समाहर्ता, चमेरा जल विद्युत परियोजना हिलफूटस, डाकखाना सुल्तानपुर, जिला चम्बा को उक्त भूमि के अर्जन के लिए आदेश लेने का एतद्द्वारा निर्देश दिया जाता है।

3. भूमि का रेखांक भू-अर्जन समाहर्ता, चमेरा जल विद्युत परियोजना हिलफूटस, डाकखाना सुल्तानपुर जिला चम्बा के कार्यालय में निरीक्षण किया जा सकता है।

विवरणी

जिला : चम्बा तहसील : चम्बा

ग्राम	खसरा नं0	क्षेत्र (बीघों में)
कुरांह ह0 नं0 165	454/39/1	2 01 A 18

आदेशानुसार,

ए0 के0 गोस्वामी,
वित्तायुक्त एवं सचिव।

PLANNING DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 3rd November, 1995

No. PLG(B) 2-9/79.—The Governor, Himachal Pradesh, is pleased to appoint Kr. Durga Chand, MLA as Deputy Chairman, Himachal Pradesh State Planning Board in the rank of Minister of State, with immediate effect.

By order,
KANWAR SHAMSHER SINGH,
Financial Commissioner-cum-Secretary.

PUBLIC WORKS DEPARTMENT

NOTIFICATIONS

Shimla-2, the 5th July, 1995

No. PBW (A)B(6)-7/95.—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to order the transfer/adjustment of the following Superintending Engineers of PWD in public interest with immediate effect:—

Sl. No	Name of S. E.	From	To
1	2	3	4
1.	Shri P. C. Gupta	Under transfer to NVP, Shimla.	SE (D-III) against vacancy.

1	2	3	4
2.	Shri P. C. Shandilya	S. E. PWD 1st Circle, Mandi.	SE PWD 10th Circle, Bilaspur vice Shri Harbans Kumar.
3.	Shri Harbans Kumar	S.E. PWD 10th Circle, Bilaspur.	SE PWD 1st Circle, Mandi *vice* Shri P. C. Shandilya.

The transfer orders of Shri R. K. Nayar, S. E., N. V. P., Shimla as SE(D-III), H.Q. Shimla issued *vide* this department notification of even number dated 27-6-95 are hereby cancelled.

The above officers will submit their charge records of relinquishment of charge and assumption of charge to this Department immediately.

Shimla-2, the 12th July, 1995

No. PBW (A)B(6)-3/95.—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to cancel the transfer orders of Shri B. S. Kaushal. E. E. PW Division Haripurdhar to E.E.(D) NH PW H.Q. Shimla *vice* Shri Y. R. Sharma (*vice versa*) issued *vide* this department notification of even number dated 12-6-95, in public interest.

Shimla-2, the 20th July, 1995

No. PBW(A)B(6)-3/95.—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to order the transfer/adjustment of the following Executive Engineers of H. P.P.W.D. in public interest with immediate effect :—

Sl. No.	Name of E.E.	From	To
1,	Shri R. K. Sharma	E. E. U/T from Kangra Division to Fatehpur Division	E. E. (D), P.W.D, 9th Circle, Nurpur *vice* Shri Lakhbir Singh.
2.	Shri Lakhbir Singh	E. E.(D)P.W.D. 9th Circle, Nurpur.	E. E. Division, Fatehpur.

The above officers will submit their charge reports to this Department immediately.

Shimla-2, the 21st July, 1995

No. PBW(A)B(6)-3/95.—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to order the transfer/adjustment of the following Executive Engineers of H. P. P. W. D. in public interest with immediate effect :—

Sl. No.	Name of E. E.	From	To
1	2	3	4
1.	Shri R. C. Gupta	E.E. U/T from Salooni to E.E. (D) Dalhousieo	E. E. P. W. Division, Dalhousie *vice* Shri D. K. Kaushal.
2.	Shri D. K. Kaushal	E. E. P.W.D. Division, Dalhousie	E. E. Town and Country Planning Department Hamirpur against vacant post.

The above officers will submit their charge reports to this Department immediately.

Shimla-2, the 22nd July, 1995

No. PBW(A)B(6)-5/95.—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to order the transfer/adjustment of the following Superintendent Grade-I, of H. P., P. W. D. in public interest with immediate effect :—

Sl. No.	Name of Superintendent	From	To
1.	Shri Arjun Singh Datowalia, Superintendant Grade-I.	E-in-C office, Shimla.	P. W. D. 8th Circle, Hamirpur *vice* Shri Bharat Bhushan.
2.	Shri Bharat Bhushan	P. W. D. Circle, Hamirpur.	P. W. H. Q. Dharamshala *vice* Shri Shiv Ram.
3,	Shri Shiv Ram Superintendant	P. W. H. Q. Dharamshala	E-in-C office Shimla *vice* Shri Arjun Singh
4.	Shri Bharat Chand Superintendent Grade-I.	U/T from P.W.D.H.Q. Dharamshala to H. Q. Shimla.	P. W. H. Q. Dharamshala against the vacancy caused by the retirement Shri A. C. Bhasia.

The above officers will submit their charge reports of relinquishment and assumption of charge to this department immediately.

Shimla-2, the 28th July, 1995

No. PBW(A)B(13) 1/95.—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to order the retirement of following Assistant Engineers (Civil) on attaining the age of superannuation :—

Sl. No.	Name of Assistant Engineer	Present place of posting	Date of Retirement
1.	Shri Yadvinder Kumar Sharma	5th Circle, H.P.P.W.D. Palampur.	31-7-1995 (A.N.)
2.	Shri Prem Sagar Dhir	3rd Circle, H.P.P.W.D., Solan.	31-8-1995 (A. N.)

Shimla-2, 29th July, 1995

No. PBW(A)B(6) 3/95.—In partial modification of this Department Notification of even number dated 10-7-1995, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to order the posting/adjustment of Shri R. K. Sharma, Executive Engineer as E. E. (Design), H. P. P. W. D., 8th Circle, Hamirpur against vacancy instead of E. E. (Design), P. W. Circle, Nurpur.

Shimla-2, the 8th August, 1995

No. PBW-2-B (6) 8/91.—In partial modification of this Department Notification of even number dated 5th July, 1995, the Governor, Himachal Pradesh is pleased order following adjustment transfers :—

Sl. No.	Name of the Officer	From	To
1.	Shri T. D. Gupta, A. E. (Mech.).	Under transfer to Mechanical Division Kumarsain	A. E.(Mech.) Store Sub-Division Sanjauli
2.	Shri R. S. Pathania, A. E. (Mech.).	Under transfer to Mechanical Sub Division Kaza.	Mechanical Sub Division Kumarsain.

Shimla-171002, the 8th August, 1995

No. PBW-C B-6(1) 95.—In partial modification of this department notification of even number dated 5-7-95, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to adjust Shri R. N. Singla, Assistant Engineer under transfer to Town and Country Planning Department Parwanoo, in the Office of Engineer-in-Chief, H. P., P.W.D. at Shimla against vacant post with immediate effect in public interest.

Shimla-171002, the 11th August, 1995

No. PBW(A)B(2)5/95.—The Governor, Himachal Pradesh, on the recommendation of Departmental Promotion Committee, is pleased to promote Shri A. K. Vij, presently working as Superintending Engineer (Elect.) (*ad hoc*) to the post of Superintending Engineer (Elect.) on regular basis in the scale of Rs. 4500—6100 with immediate effect.

2. The officer will remain on probation for a period of two years.

Shimla-2, the 14th August, 1995

No. PBW(A)B(6)-7/95.—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to order the transfers/adjustments of the following Superintending Engineers (Civil) of P.W.D. in public interest with immediate effect :—

Sl. No. 1	Name of S. E. 2	From 3	To 4
1.	Shri L. C. Gupta	U/T from H. P. K.V.V., Palampur to S.E. (Works) Dharamshala.	Transfer cancelled
2.	Shri P. C. Shandilya	S. E. P.W.D. Circle, Bilaspur	S. E. (Works) Office of Chief Engineer (North), H. P. P. W.D. Dharamshala
3.	Shri B. S. Azad	U/T to H. P., K. V. V., Palampur	S.E. P.W.D. 10th Circle, Bilaspur *vice* Shri P. C. Shandilya.

The above officers will submit their charge reports to this department immediately. If any officer proceeds on leave to avoid being relieved, he shall be deemed to have been relieved from the said date.

Shimla-2, the 16th August, 1995

No. PBW (B&R) (B) 5 (1) 12/86.—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to order the restoration of 5 sets *viz.* set No. 19, 20, 21, 22 and 23 to P. W. D. Rest House at Dharamshala which are converted into a Circuit House *vide* notification of even number dated 7-6-1989, with immediate effect.

Shimla-2, the 22nd August, 1995

No. 1-21/73-III.—The Govoanor, Himachal Pradesh, on the recommendation of the Departmental Promotion Committee, is pleased to promote Shri. Shashi Bhushan Assistant Architect to the post of Architect Class-I Gazetted in the pay scale of Rs. 3000—4500 on regular basis with immediate effect.

Shimla-2, the 22nd August, 1995

No. 1-7/73 PWA-Vol.-II.—The Governor, Himachal Pradesh, on the recommendation of the Departmental Promotion Committee is pleased to promote Shri Bhartendu Kapoor Executive Engineer (Elect.) (*adhoc*) to the post of Executive Engineer (Elect.) on regular basis in the pay scale of Rs. 3000—4500 with immediate effect.

Shimla-2, the 1st September, 1995

No. PBW (A)B(6)-3/95.—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to order the transfer/adjustment of the following Engineer (Civil), H. P. P. W. D. in public interest with immediate effect :—

Sl. No.	Name of E. E.	From	To
1.	Shri B. K. Kaushal	U/T from P. W. Division Dalhousie to TCP, Hamirpur.	E. E. (D) P. W. D. 9th Circle, Nurpur against vacant post.
2.	Shri O. P. Bhagirath	E. E. (D) P. W. D. 6th Circle, Kullu	E. E. (D) P. W. D. 7th Circle, Dalhousie against vacant post.

The above officers will submit their charge reports to this Department immediately. If any officers proceeds on leave to avoid being relieved, he shall be deemed to have been relieved from the said date.

Shimla-2, the 4th September, 1995

No. PBW (A)B(2)-3/94.—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to order the posting/transfer of the following Superintending Engineers of H. P., P. W. D. in public interest with immediate effect :—

Sl. No.	Name of S. E.	From	To
1.	Shri I. C. Kapoor	S. E. (D-IV) H. P. P.W.D. H. Q. Shimla	S. E. (D-II) H.P., P.W.D. H. Q., Shimla against vacant post.
2.	Shri R. C. Goel	S.E., H.P.P.W.D. Circle, Rampur.	S.E. (D-IV) H.P., P.W.D., H.Q., Shimla *vice* Shri I. C. Kapoor
3.	Shri S. K. Sharma	On promotion	S.E., H.P.P. W. D. Circle, Rampur *vice* Shri R. C. Goel.

The above officers will submit their joining report to this department immediately.

Shimla-2, the 4th September, 1995

No. PBW(A)B(2)-3/94.—The Governor, Himachal Pradesh, on the recommendations of the Departmental Promotion Committee, is pleased to promote Shri S. K. Sharda, Executive Engineer, H. P., P. W. D. to the post of Superintending Engineer on officiating basis in the pay scale of Rs. 4500—6100.

The promotion shall be subject to the decision in OA No. 1486/93 titled Shri Raj Kumar Sharma v/s State of Himachal Pradesh and OA (D) 890/95 titled Shri Sohan Lal Gupta v/s State of Himachal Pradesh and others.

The posting orders of Shri S. K. Sharda, Superintending Engineer are being used separately.

By order,

P. S. RANA,
Financial Commissioner-cum-Secretary.

परिवहन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 21 नवम्बर, 1995

संख्या 6-72/92-टी0पी0टी0(परि0).—यतः राज्यपाल हिमाचल प्रदेश को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को अपने व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामतः राजगढ़, जिला में बस अड्डा के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है। अतएव एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों, उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने तथा सर्वेक्षण करने और उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमत: अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति, जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन करने पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के 30 दिनों की अवधि के भीतर लिखित रूप में समाहर्ता राजगढ़, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश के समक्ष अपनी आपत्ति दायर कर सकता है।

विवरणी

जिला : सिरमौर तहसील : राजगढ़

मौजा	खसरा नं0	क्षेत्र (बीघा)	(बिस्वे)
घलाना परगना गिरिपार	921/912/840/750/702/79/1	3	11
किता ..	1	3	11

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-
आयुक्त एवं सचिव।

भाग 2—वैधानिक नियमों को छोड़ कर विभिन्न विभागों के अध्यक्षों और जिला मजिस्ट्रेटों द्वारा अधिसूचनाएं इत्यादि

निदेशालय भू-एकत्रीकरण विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 4 नवम्बर, 1995

संख्या राज भू.ए. (प)-50/80.—हिमाचल प्रदेश भू-संपृति (एकत्रीकरण तथा उप खण्डन निवारण) (अधिनियम 1971) (हिमाचल प्रदेश के 20वें अधिनियम का धारा 14 में निहित तथा हिमाचल प्रदेश सरकार की अधिसूचना संख्या 9-1/77 रैव-2, दिनांक 4 मई, 1977 द्वारा मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, एन0 सी0 सूद भा0प्र0से0, निदेशक भू-एकत्रीकरण विभाग, हिमाचल प्रदेश एतद्द्वारा घोषणा करता हूं कि आप जनता के हित में तथा भूमि के बेहतर खेतीबाड़ी के प्रयोजन से हिमाचल सरकार ने निम्नलिखित ग्रामों में भू-एकत्रीकरण की योजना बनाने का निर्णय किया है :—

क्रमांक	नाम ग्राम	नम्बर हदबस्त	रकबा एकड़ों में	तहसील	जिला
1	2	3	4	5	6
1.	कमेहड़	319	323	जोगिन्द्रनगर	मण्डी
2.	छो	320	685	„	„
3.	चलमान	318	283	„	„
4.	अलभरा	317	102	„	„
5.	अलगावाड़ी	278	76	„	„
6.	भराड़ू	279	97	„	„
7.	भोरा	280	226	„	„
8.	गदूही	281	445	„	„
9.	पेटू	282	199	„	„

हस्ताक्षरित/-
निदेशक,
भू-एकत्रीकरण विभाग,
हि0 प्र0, शिमला-2.

कार्यालय जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) उपायुक्त, जिला लाहौल स्पिति स्थित केलंग

अधिसूचना

केलंग, 8 नवम्बर, 1995

संख्या 1282-94.—उन शक्तियों के अन्तर्गत जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज निर्वाचन नियम, 1994 के नियम 30 द्वारा प्राप्त

है, मैं, जे0 आर0 गाजटा, भा0 प्र0 से0, जिला निर्वाचन अधिकारी, (पंचायत) उपायुक्त जिला लाहौल स्पिति स्थित केलंग पंचायत संस्थाओं के चुनाव करवाने हेतु अतिरिक्त उपायुक्त स्पिति स्थित काजा को प्राधिकृत अधिकारी नियुक्त करता हूं ।

आदेश द्वारा,
जे0 आर0 गाजटा,
जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत),
उपायुक्त लाहौल स्पिति स्थित केलंग ।

कार्यालय सहायक पंजीयक, सहकारी सभाएं, मण्डी, जिला मण्डी

आदेश

मण्डी, 8 नवम्बर, 1995

क्रमांक कूप0एम0 3-210/86.—जैसा कि निरीक्षक ग्रेड-1, सहकारी सभाएं करसोग ने अपने पत्र संख्या 513, दिनांक 21-9-95 द्वारा तथा अपने निरीक्षण पत्र दिनांक 28 व 29-6-95 में सिफारिश की है कि दि करसोग हथकरघा बुनकर उत्पादन एवं विक्रय सहकारी सभा सीमित को विघटन में डाला जावे क्योंकि सभा का कारोबार पिछले तीन वर्षों से बन्द पड़ा हुआ है तथा सभा की वित्तीय स्थिति दिन प्रतिदिन खराब होती जा रही है ।

जैसा कि सभा का पंजीयन दिनांक 15-5-86 को पंजीयन संख्या 39 द्वारा हुआ था तथा सभा की प्रबन्धक समिति सचिव के अकस्मात लापता होने के कारण सभा की गतिविधियां को बनाने में असमर्थ रही हैं और साधारण अधिवेशन में प्रस्ताव संख्या 2, दिनांक 8-3-1995 द्वारा सभा को विघटन में डालने का अनुरोध किया है ।

अतः उक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, मैं, के0एल0 सुरेहली, सहायक पंजीयक सहकारी सभाएं मण्डी, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश मुझ में निहित शक्तियों हिमाचल प्रदेश सहकारी सभायें अधिनियम, 1968 (1969 का एक्ट नं0 3) की धारा 78 का प्रयोग करते हुए उक्त सभा को विघटन में डालने का आदेश देता हूं तथा हिमाचल प्रदेश सहकारी सभाएं अधिनियम, 1968 (1969 का एक्ट नं0 3) की धारा 79 (1) के अन्तर्गत श्री जगत राम, निरीक्षक ग्रेड-1 सहकारी सभायें करसोग को विघटक नियुक्त करता हूं ।

विघटक, हिमाचल प्रदेश सहकारी सभाएं अधिनियम, 1968 (1969 का ऐक्ट नं03) की धारा 80 और 82 की सभी शक्तियों का प्रयोग अधोहस्ताक्षरी के नियन्त्रण में करेगा, जो उन्हें प्रदत्त की जाती हैं ।

विघटन सभा के रिकार्ड व अन्य प्राप्तव्य का चार्जशीघ्र ले और एक वर्ग के अन्दर-अन्दर सभा के कार्य को पूर्णतया समाप्त करें तथा विघटन कार्यवाही की त्रैमासिक रिपोर्ट अधोहस्ताक्षरी को भेजें ।

उक्त आदेश (पंजीयक) को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पारित किए गए हैं ।

के0 एल0 सरहली,
सहायक पंजीयक,
सहकारी, सभाएं मण्डी ।

भाग 3—अधिनियम, विधेयक और विधेयकों पर प्रवर समिति के प्रतिवेदन, वैधानिक विषय तथा हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट, फाईनेंशियल कमिश्नर तथा कमिश्नर आफ इन्कम टैक्स द्वारा अधिसूचित आदेश इत्यादि ।

HIGH COURT OF HIMACHAL PRADESH

NOTIFICATIONS

Shimla-2, the 20th July, 1995

No. HHC/Admn. 22/(13)/78-12785.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Sub-section(1) of section 13 of the code of Criminal Procedure, 1973 (Act No. 2 of 1974) and all other powers enabling it in this behalf Hon'ble the Chief Justice and Judges are pleased to add the following proviso in rule 4 of "The Special Judicial Magistrates qualifications (Himachal Pradesh) Rules, 1981.

1. These rules may be called as "The Special Judicial Magistrates qualifications (Himachal Pradesh) Rules, (Ist Amendment) 1995.

2. These shall come into force with immediate effect.

3. Rule 4....

"Provided that in case of I.A.S. probationers, the AC dossier is not required to be accompanied with made by the Govt. for conferment of power of Special Judicial Magistrates.

BY ORDER OF HON'BLE THE CHIEF JUSTICE AND JUDGES.

Shimla-2, the 25th August, 1995

No. HHC/Rules-2 (Sub. Staff Cars)/95-14052.—Hon'ble the Chief Justice and Judges of the High Court of Himachal Pradesh, in exercise of the powers vested in them in this behalf are pleased to make the further amendment by including the following proviso to Rule 8 of the Himachal Pradesh Subordinate Courts (Use, Maintenance and Control of Staff Cars) Rules, 1995:—

1. These rules shall be called the Himachal Pradesh Subordinate Courts (Use, Maintenance and Control of Staff Cars) (2nd amendment) Rules, 1995.

2. These rules shall come into force with immediate effect.

3. Rules 8.....

.....

.....

"Provided further that the District Judge, C.J.M. and any other Judicial Officers can take the ear-marked vehicle or pool vehicle outside the jurisdiction of the State due to compelling and unforeseen circumstances on payment of charges subject to prior approval of Hon'ble the Chief Justice :

Provided further that concerned officer in case of urgency shall intimate immediately thereafter, if, the officer goes out beyond the jurisdiction of the State on compelling and unforeseen circumstances, to the Registrar who shall place it before the Hon'ble the Chief Justice".

BY ORDER OF THE COURT.

Shimla-2, the 26th August, 1995

No. HHC/Rules (Petty offences)/95-14040.—In exercise of the powers conferred by section 13 of Code of Criminal Procedure 1973 (No. 2 of 1974), Hon'ble the Chief Justice and Judges of Himachal Pradesh High Court at Shimla have made the following amendments in Sr. No. 5. (*ii*), 6. (*ii*), 8. (*i*) and 8. (*iii*) of H. P. Petty Offences (Trial by Special Judicial Magistrate) Rules, 1995:—

1. These rules shall be called the Himachal Pradesh Petty Offences (Trial by Special Judicial Magistrates) (1st amendment) Rules, 1995.

2. They shall come into force with effect from the date from which the principal rules came into force.

RULE :

5. (*ii*) Every Special Judicial Magistrate shall undergo 15 days training which may be extended upto one month with the Chief

Judicial Magistrate under the supervision of Session Judge of the District, where he is posted:

Provided that the Chief Justice may exempt any such appointee from training.

6. (*ii*) The State Govt. by special orders may provide for remuneration and other allowances of the Special Judicial Magistrates as well as of the staff in consultation with the High Court.

8. (*i*) All petty offences as assigned by the Chief Judicial Magistrates shall be tried by the Special Magistrate unless the High Court directs otherwise.

8. (*iii*) when in the course of summary trial, it appears to the special Judicial Magistrate that the nature of the case is such that it is not desirable to try it summarily he shall refer the case to the Chief Judicial Magistrate, who may either try the same himself or assign it to any other Judicial Magistrate of competent jurisdiction.

BY ORDER OF HON'BLE THE CHIEF JUSTICE AND JUDGES.

R. K. MAHAJAN,
Registrar.

Shimla-2, the 6th September, 1995

No. HHC/Rules-14-61/90-16254.—In exercise of powers vested under Article 229 (b) of the Constitution of India, the Hon'ble the Chief Justice of High Court of Himachal Pradesh is pleased to make the following amendment in the High Court of Himachal Pradesh (Recruitment, Conditions of Service and Conduct) Rules, 1992:

1. *Short title and commencement.*— These Rules shall be called the High Court of Himachal Pradesh (Recruitment, Conditions of Service and Conduct) Fourth Amendment) Rules, 1995.

2. These Rules shall come into force with immediate effect.

3. *Amendment.*—Word 'two' appearing between the words High Court, and peons in Clause (b) against Sl. No. 31 of Schedule-II, added to the Rules *ibid* shall be substituted by the word 'one'.

BY ORDER OF THE HON'BLE THE CHIEF JUSTICE.

GOVIND SHARMA,
Registrar (V).

Shimla-2, 12th September, 1995

No. HHC/Rules-14-61/90-17054. Hon'ble the Chief Justice of the High Court of Himachal Pradesh, in exercise of the powers conferred under Article 229 of the Constitution of India and all other powers enabling him in this behalf, is pleased to make the following amendment in Item No. 5, Schedule-II of the High Court of Himachal Pradesh (Recruitment, Conditions of Service and Conduct) Rules, 1992 :—

1. These rules shall be called the High Court of Himachal Pradesh (Recruitment, Condition of Service and Conduct) (Fifth amendment) Rules, 1995.

2. These rules shall come into force with immediate effect.

Sr. No.	Classification	Scale of pay	Method of recruitment, qualification for the post/grade from which promotion is to be made.
5.	Deputy Gazetted Registrar Class-I	Rs. 3700-5000+Rs. 400/- special pay. If from H.P. Judicial Service, his own grade of pay plus special pay Deputation pay as admissible under rules.	(I) One of the posts of Deputy Registrar shall be filled in by deputation from amongst the member of H. P. Judicial Service. (II) The other post(s) of Deputy Registrar shall be filled in by selection from amongst the Assistant Registrar Court Secretaries and Secretaries having atleast three years service as such in the ratio of 50% (Assistant Registrar and Court Secretaries): 50% Secretaries.

BY ORDER E.T.C.

M. R. VERMA
Registrar.

मत्स्य पालन विभाग

अधिसूचना

शिमला-171002, 26 जून, 1995

संख्या फिश-ए(3)-3/90.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश मत्स्य अधिनियम, 1976 (1976 का 16) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सरकार की अधिसूचना सं0 फिश-ए (3)-1/77 दिनांक 15-11 79 द्वारा अधिसूचित तारीख 16 फरवरी, 1980 के हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित राजपत्र (असाधारण) हिमाचल प्रदेश मत्स्य नियम, 1979 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने का प्रस्ताव करते हैं और उक्त प्रस्तावित नियमों को उन साधारण की जानकारी और इन नियमों के सम्बन्ध में, इनके राजपत्र में प्रकाशन से तीस दिन की अवधि के भीतर जन-साधारण से सुझाव व आक्षेप आमन्त्रित करने के लिए एतद्द्वारा राजपत्र हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किया जाता है।

यदि इन नियमों से सम्भाव्य प्रभावित होने वाला कोई व्यक्ति इसके सम्बन्ध में कोई आक्षेप करना या सुझाव देना चाहे तो, वह इन्हें ऐसे आक्षेप/सुझाव निदेशक एवं प्रारक्षी मत्स्य, हिमाचल प्रदेश, बिलासपुर को उपरोक्त नियत अवधि के भीतर भेज सकेगा। उपर्युक्त नियत अवधि में प्राप्त हुए आक्षेपों और सुझावों, यदि कोई हो, पर सरकार द्वारा उक्त नियमों को अन्तिम रूप देने से पूर्व विचार किया जाएगा।

नियम प्रारूप

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश, मत्स्य (तृतीय संशोधन) नियम, 1995 है।

(2) ये नियम तुरन्त प्रवृत्त होंगे।

2. नियम 3 का संशोधन. हिमाचल प्रदेश मत्स्य नियम, 1979 (जिन्हें इसमें इसके पश्चात उक्त नियम कहा गया है) के खण्ड (सी) के उप-खण्ड (iii) के पश्चात् निम्नलिखित उप-खण्ड (iv) जोड़ा जाएगा, अर्थात:—

(*iv*) *Chamera Reservoir:* Impoundment formed by Chamera Dam upto a level 763.16 metres in Chamba District of Himachal Pradesh and it shall be divided into three beats as under:—

Beat No. I. From village Rajpur (Shalimar) on right bank of river Ravi and village Udaipur Khas on the left bank to village Manot on the right bank and village Dharmari on the left bank.

Beat No. II. From village Dudun (Gharat Nala) on the right bank of river Suel to village Kandla on the left bank and village Dhapyara Bargral on right bank to village Ukal (Palai) on the left bank.

Beat No. III. From village Dapyara Bargral on the right bank of river Suel to village Ukal-Palai on the left bank and village Manot on the right bank of river Ravi to Dharmari on the left bank of River Ravi.

3. अनुसूची का संशोधन.—उक्त नियमों की अनुसूची की क्रम संख्या 4 के पश्चात निम्नलिखित क्रम संख्या 5 और 6 जोड़ी जाएगी, अर्थात:—

1	2	3	4	5	6	7	8
5.	Pandoh Reservoir as per rule 3 (c) (*iii*)	Rod and line Artificial baits (both spoon and fry)	Daily	Beatwise	Rs. 100/-	1st November to last day of February each year.	—
6.	Chamera Reservoir as per rule 3 (c) (*iv*)	(*i*) Gillnet of mesh size 80 mts. long and 85 mts. depth with minimum mesh of 5 cms. from Knot to Knot.	1st April or date of issue of license to 30th March	-do-	Rs. 50/- +(plus) 15% of sale price of fish by the Co-operative Society at the landing centre.	16th June to 15th August of each year both days inclusive.	—
		(*ii*) Rod & line or Hand line.	Daily	-do-	Rs. 40/-	-do-	—

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित/
कृषि उत्पादन आयुक्त,
हिमाचल प्रदेश सरकार।

[*Authoritative English text of Government notification No. Fish.-A* (3)-3/90 *as required under Clause* (3) *of Article* 348 *of the Constitution of India*].

FISHERIES DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 26th June, 1995

No. Fish-A (3)-3/90.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Himachal Pradesh Fisheries Act, 1976 (Act, No. 16 of 1976), the Governor, Himachal Pradesh proposes to make the following rules further to amend the Himachal Pradesh Fisheries Rules, 1979 notified *vide* Government Notification No. Fish-A(3)-1/77 dated 15-11-1979 and published in the Rajpatra, Himachal Pradesh (Extra-ordinary) dated the 16th February, 1980 and the said puroposed rules are hereby published in the Rajpatra, Himachal Pradesh (Extra-ordinary) for the general information of the public and for inviting public objections or suggestions in relation to these rules within 30 days of their publication in the Rajpatra;

If any person likely to be affected by these rules has any objections or suggestions to make in relation to these rules, he can send the same to the Director-*cum*-warden of Fisheries, Himachal Pradesh, Bilaspur-174001 within the above stipulated period.

The objections or suggestions, if any, received within the above stipulated period shall be taken into consideration by the Government before finalizing the said rules, namely:—

DRAFT RULES

1. *Short title and commencement.*—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh, Fisheries, (Third Amendment) Rules, 1995.

(2) These rules shall come into force at once.

2. *Amendment of Rule* 3.—After sub-cluse (*iii*) of clause (*c*) of rule 3 of the Himachal Pradesh Fisheries rules, 1979 (hereinaftor referred to as the said rules), the following sub-clause (*iv*) shall be added, namely:—

"(*iv*) *Chamera Reservoir:*—Impoundment formed by Chamera Dam upto a level of 763.16 metres in Chamba District of Himachal Pradesh and it shall be divided in to three beats as under:—

Beat No. I—From village Rajpur (Shalimar) on the right bank of river Ravi and village Udaipur Khas on the left bank to village Manot on the right bank and village Dharmari on the left bank.

Beat No. II.—From village Dudun (Gharat Nala) on the right bank of river Suol to village Kandla on the left bank and village Dhapyara Bargral on right bank to village Ukal (Palai) on the left bank.

Beat No. III.—From village Dhapyara Bargral on the right bank of river Suol to village Ukal-Palai on the left bank and village Manot on the right bank of river Ravi to Dharmuri on the left bank of river Ravi."

3. *Amendment of the Schedule.*—After serial No. 4 of the Schedule to the said rules, the following Serial No. 5 and 6 shall be added, namely:—

1	2	3	4	5	6	7	8
5.	Pandoh Reservoir as per rule 3 (*c*) (*iii*)	Rod and line Artificial baits (both spoon and fry)	Daily	Beatwise	Rs. 100/-	1st November to last day of February each year.	—
6.	Chamera Reservoir as per rule 3 (*c*) (*iv*)	(*i*) Gillnet of mesh size 80 mts. long and 85 mts. depth with minimum mesh of 5 cms. from Knot to Knot.	1st April or date of issue of license to 30th March.	-do-	Rs. 50/-+(plus) 15% of sale price of fish by the Co-operative Society at the landing centre.	16th June to 15th August of each year both days inclusive.	—
		(*ii*) Rod & Line or Hand line.	Daily	-do-	Rs. 40/-	16th June to 15th August of each year both days inclusive."	—

By order,
Sd/-
Agriculture Production Commissioner,
H. P., Shimla.

सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 11 अगस्त, 1995

संख्या पी. बी. डब्ल्यू.-1-ए. (3)-1/83-I—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य विभाग में वरिष्ठ हाईड्रोज्योलोजिस्ट (वर्ग-I राजपत्रित) पद के लिए इस अधिसूचना से संलग्न 'उपबन्ध-I' के अनुसार भर्ती एवं प्रोन्नति नियम बनाते हैं ; अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य विभाग वरिष्ठ हाईड्रोज्योलोजिस्ट (वर्ग-I राजपत्रित) पद भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1995 है।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

उपाबन्ध-I

हिमाचल प्रदेश सिंचाई एवं जन-स्वास्थ्य विभाग में वरिष्ठ हाईड्रोज्योलोजिस्ट के पद के लिए भर्ती एवं प्रोन्नति नियम

1.	पद का नाम	वरिष्ठ हाईड्रोज्योलोजिस्ट
2.	पदों की संख्या	1 (एक)
3.	वर्गीकरण	वर्ग-I (तकनीकी)
4.	वेतनमान	3000-100-4000-125-4500
5	चयन पद अथवा अचयन पद।	चयन
6.	सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु।	45 वर्ष और इससे कम : परन्तु सीधी भर्ती के लिये आयु सीमा तदर्थ या संविदा पर नियुक्ति किये गये पहले से सरकार की सेवा में नियुक्त व्यक्तियों सहित अभ्यर्थियों को लागू नहीं होगी :

परन्तु यह और कि यदि तदर्थ आधार पर नियुक्त किया गया अभ्यर्थी इस रूप में नियुक्ति की तारीख को अधिक आयु का हो गया हो तो वह तदर्थ या संविदा के आधार पर नियुक्ति के कारण विहित आयु में छूट के लिये पात्र नहीं होगा :

परन्तु यह और कि अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य वर्गों के व्यक्तियों के लिए उच्चतम आयु सीमा में उतनी ही छूट दी जा सकेगी जितना कि हिमाचल प्रदेश सरकार के साधारण या विशेष आदेशों के अधीन अनुज्ञेय है :

परन्तु यह और भी कि पब्लिक सैक्टर निगमों तथा स्वायत निकायों के सभी कर्मचारियों को, जो ऐसे पब्लिक सैक्टर निगमों तथा स्वायत निकायों के प्रारम्भिक गठन के समय ऐसे पब्लिक सैक्टर निगमों/स्वायत निकायों में आमेलन से पूर्व सरकारी कर्मचारी थे, सीधी भर्ती में आयु की सीमा में ऐसी ही रियायत दी जाएगी जैसी सरकारी कर्मचारियों को अनुज्ञेय है, किन्तु इस प्रकार की रियायत पब्लिक सैक्टर निगमों तथा स्वायत निकायों के ऐसे कर्मचारी वृन्द को नहीं दी जाएगी जो पश्चात्वर्ती ऐसे निगमों/स्वायत निकायों द्वारा नियुक्त किए गए थे/किए गए हैं और उन पब्लिक सैक्टर निगमों/स्वायत निकायों के प्रारम्भिक गठन के पश्चात ऐसे निगमों/स्वायत निकायों की सेवा में अन्तिम रूप से आमेलित किए गए हैं/किये गये थे।

	1. सीधी भर्ती के लिये आयु सीमा की गणना, उस वर्ष में जिसमें कि पद (पदों) को रोजगार केन्द्रों को विज्ञापित किया है या जैसा भी किसी मामले में अपेक्षित हो, के प्रथम दिवस से की जाएगी ।
	2. अन्यथा सुग्रहित अभ्यर्थियों की दशा में सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा और अनुभव आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकेगा ।
7. सीधी भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित न्यूनतम शैक्षिक और अन्य अर्हताएं ।	(क) **अनिवार्य :** मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से भू-विज्ञान की स्नातकोत्तर की उपाधि या इसके समकक्ष ।
	(ख) **वांछनीय अर्हताएं :** हिमाचल प्रदेश की रूढ़ियों, रीतियों और बोलियों का ज्ञान और प्रदेश में विद्यमान विशिष्ट दशाओं में नियुक्ति के लिए उपयुक्तता ।
8. सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं ।	आयु : लागू नहीं शैक्षणिक अर्हताएं : लागू नहीं
9. परिवीक्षा की अवधि, यदि कोई हो ।	दो वर्ष, जिसका एक वर्ष से अनधिक ऐसी और अवधि के लिए विस्तार किया जा सकेगा जैसा सक्षम प्राधिकारी विशेष परिस्थितियों में और लिखित कारणों से आदेश दे ।
10. भर्ती की पद्धति—भर्ती सीधी होगी या प्रोन्नति या प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण द्वारा और विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता ।	शत-प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा ऐसा न होने पर सीधी भर्ती द्वारा ।
11. प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण की दशा में श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण किया जाएगा ।	कनिष्ठ हाईड्रोज्योलोजिस्ट में से प्रोन्नति द्वारा, जिनका काडर में 5 वर्ष का नियमित सेवाकाल या 31-3-1991 तक की गई लगातार तदर्थ सेवा को सम्मिलित करके संयुक्त नियमित सेवाकाल यदि कोई हो, ऐसा न होने पर पद सीधी भर्ती द्वारा भरा जाएगा ।
	(1) प्रोन्नति के सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में 31-3-1991 तक की गई तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए गणना में ली जाएगी :
	(i) उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपने कुल सेवाकाल (31-3-1991 तक की गई तदर्थ सेवा को शामिल करके) के आधार पर उपर्युक्त निर्दिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किए जाने का पात्र हो जाता है, वहां उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पात्र समझे जाएंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जाएंगे :
	परन्तु उन सभी पदधारियों की जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाता है, कम से कम 3 वर्ष न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा जो भी कम होगी :
	परन्तु यह और भी जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने सम्बन्धी विचार के लिए अपात्र हो जाता है, वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जाएगा ।
	स्पष्टीकरण :
	अन्तिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिए अपात्र नहीं समझा जाएगा यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है, जिसे डिमोबिलाईजड आर्मड फोर्सिस परसोनल (रिजर्वेशन आफ वैकेन्सीज इन हिमाचल स्टेट नान-टैक्नीकल सर्विसिज) रूल्ज, 1972 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो तथा इसके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों या जिसे एक्स-सर्विसमैन (रिजर्वेशन आफ वैकेन्सीज इन दी हिमाचल प्रदेश टैक्नीकल सर्विसिज) रूल्ज, 1985 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो व इसके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों ।
	(2) इसी प्रकार स्थायीकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व 31-3-91 तक की गई तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जाएगी :
	परन्तु 31-3-91 तक तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात जो स्थायीकरण होगा, उसके फलस्वरूप पारस्परिक वरीयता अपरिवर्तित रहेगी ।
12. यदि विभागीय पदोन्नति समिति विद्यमान हो, तो उसका संरचना ।	हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या उनके द्वारा नाम निर्दिष्ट वहां के सदस्य द्वारा अध्यक्षता की जाएगी ।
13. भर्ती करने में जिन परिस्थितियों में हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा ।	जैसा कि विधि द्वारा अपेक्षित हो ।
14. सीधी भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षा ।	किसी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिए अभ्यर्थी का निम्नलिखित होना आवश्यक है :— (क) भारत का नागरिक, या (ख) नेपाल की प्रजा, या

(ग) भूटान की प्रजा, या

(घ) तिब्बती शरणार्थी जो 1 जनवरी, 1962 से पूर्व भारत में स्थायी निवास के आशय से आया हो, या

(ङ) भारतीय मूल का कोई व्यक्ति जिसे पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, पूर्वी अफ्रीका के देशों, कीनिया, युगांडा, यूनाईटिड रिपब्लिक आफ तंजानिया (पहले तांगानिका और जंजीबार) जांबिया मालावी, जेयरे और इथोपिया से भारत में स्थायी निवास के आशय से प्रवास किया है :

परन्तु प्रवर्ग (ख), (ग), (घ) और (ङ) के अभ्यर्थी ऐसे व्यक्ति होंगे जिनके पक्ष में भारत सरकार द्वारा पात्रता प्रमाण-पत्र जारी किया गया हो।

ऐसे अभ्यर्थी को, जिनके मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग या अन्य भर्ती प्राधिकरण द्वारा संचालित परीक्षा/साक्षात्कार में प्रविष्ट किया जा सकेगा किन्तु उसे नियुक्ति का प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा उसे पात्रता का अपेक्षित प्रमाण-पत्र जारी किए जाने के पश्चात् ही दिया जाएगा।

15. सीधी भर्ती द्वारा पद पर नियुक्ति के लिए चयन।

सीधी भर्ती के मामले में, पद पर नियुक्ति के लिए चयन मौखिक परीक्षा के आधार पर, और यदि, यथास्थिति, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग या अन्य भर्ती प्राधिकरण ऐसा करना आवश्यक या समीचीन समझे, तो लिखित परीक्षा या व्यवहारिक परीक्षा के आधार पर किया जाएगा जिसका स्तर/पाठ्यक्रम, यथास्थिति आयोग/अन्य भर्ती प्राधिकरण द्वारा निर्धारित किया जाएगा।

16. आरक्षण

उक्त सेवा में नियुक्ति, हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा समय-समय पर अनुसूचित जातियों / अनुसूचित जनजातियों/पिछड़े वर्गों और अन्य प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए सेवाओं में आरक्षण की बाबत जारी किए गए अनुदेशों के अधीन होगी।

17. विभागीय परीक्षा

(1) सेवा में प्रत्येक सदस्य को समय-समय पर यथा संशोधित विभागीय परीक्षा नियम, 1976 में यथा विहित विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी अन्यथा वह निम्नलिखित के लिए पात्र नहीं होगा :

(i) अगली देय दक्षतारोध पार करने के लिए;

(ii) परिवीक्षा अवधि पूर्ण होने के पश्चात भी स्थायीकरण के लिए;

(iii) अगले उच्चतर पद पर प्रोन्नति के लिए :

परन्तु उस अधिकारी से जिसने इन नियमों के अधिसूचित किए जाने से पूर्व किन्हीं नियमों के अधीन पूर्णतया या अंशतः विभागीय परीक्षा पारित की है, यथास्थिति, पूर्णतया या अंशतः परीक्षा पारित करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी :

परन्तु यह और भी कि ऐसे अधिकारी से जिसके लिए इन नियमों के अधिसूचित किए जाने से पूर्व कोई विभागीय परीक्षा विहित नहीं की गई थी और जिस ने 1 मार्च, 1976 को 45 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली हो, उससे इन नियमों के अधीन विहित विभागीय परीक्षा पारित करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी :

परन्तु यह और भी कि ऐसे अधिकारी से जिसके लिए इन नियमों के अधिसूचित किए जाने से पूर्व कोई विभागीय परीक्षा विहित नहीं की गई थी, और जिसने 1 मार्च, 1976 को 45 वर्ष की आयु प्राप्त नहीं की थी, उसने 50 वर्ष की आयु प्राप्त करने के पश्चात निम्नलिखित प्रयोजनों के लिए विभागीय परीक्षा पास करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी :

(i) अगली देय दक्षतारोध पार करने के लिए; और

(ii) परिवीक्षा अवधि पूर्ण होने के पश्चात स्थायीकरण के लिए।

(2) किसी अधिकारी से अपनी प्रोन्नति की सीधी पंक्ति में उच्चतर पद पर प्रोन्नति पर विभागीय परीक्षा पास करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी, यदि उसने निम्नतर राजपत्रित पद पर ऐसी परीक्षा पहले ही पास कर ली है।

(3) सरकार, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से असाधारण परिस्थितियों में और कारणों को अभिलिखित करके, विभागीय परीक्षा नियमों के अनुसार किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों को विभागीय परीक्षा से पूर्णतः या अंशतः छूट मन्जूर कर सकेगी, परन्तु यह तब जब कि ऐसे अधिकारी और उसकी अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने की तारीख से पूर्व किसी अन्य उच्चतर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना सम्भाव्य न हो।

18. शिथिल करने की शक्ति

जहां राज्य सरकार की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है तो यह कारणों को अभिलिखित करके और हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से आदेश द्वारा इन नियमों के किन्हीं उपबन्धों को किसी वर्ग या व्यक्तियों के प्रवर्ग या पदों की बाबत, शिथिल कर सकेगी।

आदेश द्वारा,

सी० पी० सुजाया,
वित्तायुक्त एवं सचिव।

IRRIGATION AND PUBLIC HEALTH DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 11th August, 1995

No. PBW 1-A (3)-1/83-I.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh, in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission is pleased to make the Recruitment and Promotion Rules for the post of Senior Hydrogeologist (Class-I Gazetted) in the Irrigation and Public Health Department, as per Annexure-I appended to this notification, namely:—

1. *Short title and commencement.*—(1) These rules may be called Himachal Pradesh Department of Irrigation and Public Health Senior, Hydrogeologist (Class-I Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1995.

2. These shall come into force from the date of their publication in Rajpatra, Himachal Pradesh.

ANNEXURE-I

RECRUITMENT AND PROMOTION RULES FOR THE POST OF SENIOR HYDROGEOLOGIST IN THE DEPARTMENT OF IRRIGATION AND PUBLIC HEALTH, HIMACHAL PRADESH

1.	Name of the post	Senior Hydrogeologist
2.	Number of posts	1 (One)
3.	Classification	Class-I Technical
4.	Scale of pay	Rs. 3000-100-4000-125-4500
5.	Whether selection post or non-selection post.	Selection.
6.	Age for direct recruitment.	45 years and below : Provided that the upper age limit for direct recruits will not be applicable to the candidates already in service of the Government including those who have been appointed on *ad hoc* or on contract basis : Provided further that if a candidate appointed on *ad hoc* basis or on contract basis had become overage on the date when he was appointed as such he shall not be eligible for any relaxation in the prescribed age limit by virtue of his such *ad hoc* or contract appointment : Provided further that upper age limit is relaxable for Scheduled Castes/Scheduled Tribes/Other Categories of persons to the extent permissible under the general or special order(s) of the Himachal Pradesh Government: Provided further that the employees of all the Public Sector Corporations and Autonomous Bodies who happened to be Government servants before absorption in the Public Sector Corporations/Autonomous Bodies at the time of initial constitution of such Corporations/Autonomous Bodies shall be allowed age concession in direct recruitment as admissible to Government servants. This concession will not, however, be admissible to such staff of the Public Sector Corporations/Autonomous Bodies who were/are subsequently appointed by such Corporations/Autonomous Bodies and who are/were finally absorbed in the service of such Corporations/Autonomous Bodies after initial constitution of the Public Sector Corporations/Autonomous Bodies. (1)Age limit for direct recruitment will be reckoned on the first day of the year in which the post(s)is/are advertised for inviting applications or notified to the Employment Exchanges as the case may be. (2) Age and experience in the case of direct recruitment are relaxable at the discretion of the Himachal Pradesh Public Service Commission, in case the candidate is otherwise well qualified.
7.	Minimum educational and other qualifications required for direct recruits.	*Essential Qualifications* : Should possess Master's Degree in Geology or its equivalent from recognised University. *Desirable Qualifications:* Knowledge of customs, manners and dialects of Himachal Pradesh and suitability for appointment in the peculiar conditions prevailing in the Pradesh.
8.	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	*Age* : Not applicable *Educational qualification* : Not applicable.
9.	Period of probation	Two years subject to such further extension for a period not exceeding one year as may be ordered by the competent authority in special circumstances and reasons to be recorded in writing.
10.	Method of recruitment—whether by direct recruitment or by promotion, deputation, transfer and the percentage of vacancies to be filled in by various methods.	100 % by promotion failing which by direct recruitment.
11.	In case of recruitment by promotion deputation, transfer, grade from	By promotion from amongst Junior Hydrogeologist with at least 5 years regular service or regular combined

which promotion/ deputation /transfer is to be made.	with *ad hoc* (rendered upto 31-3-1991, if any) service, in the cadre, failing which the post will be filled up by direct recruitment. (1) In all cases of promotion, the *ad hoc* service rendered in the feeder post upto 31-3-1991, if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion, subject to the conditions: (*i*) That in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis upto 31-3-1991) in the feeder post in view of the provisions referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration: Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of at least three years or that prescribed in Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less: Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion. *Explanation*: The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible persons happened to be Ex-Sercicemen recruited under the provisions of Rule 3 of Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Service) Rules, 1971, and having been given the benefit of seniority thereunder or recruited under the provisions of Rule 3 of Ex-servicemen (Reservation of vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder. (2) Similarly, in all cases of confirmation, *ad hoc* service rendered on the feeder post upto 31-3-91, if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service: Provided that *inter-se* seniority as a result of confirmation after taking into account, *ad hoc* service rendered upto 31-3-1991 shall remain unchanged.
12. If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition.	To be presided over by the Chairman, Himachal Pradesh Public Service Commission or a Member there to be nominated by him.
13. Circumstances under which the Himachal Pradesh Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.	As required under the law
14. Essential requirements for a direct recruitment.	A candidate for appointment to any service or post must be: — (*a*) a citizen of India, or (*b*) a subject of Nepal, or (*c*) a subject of Bhutan, or (*d*) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or (*e*) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African Countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethopia with the intention of permanently settling in India: Provided that a candidate belonging to categories (*b*) (*c*), (*d*) and (*e*) shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India. A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to an examination or interview conducted by the Himachal Pradesh Public Service Commission or other recruiting authority, but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.
15. Selection for appointment to the post by direct recruitment.	Selection for appointment to the post in the case of direct recruitment shall be made on the basis of *viva voce* test in the Himachal Pradesh Public Service Commission or other recruiting authority, as the case may be, considered necessary or expedient by a written test or practical test the standard/syllabus, etc. of

which will be determined by the Commission/other recruiting authority as the case may be.

16. Reservation

The appointment to the service shall be subject to orders regarding reservation in the service for Scheduled Castes/Scheduled Tribes/Backward Classes/Other Categories of persons issued by the Himachal Pradesh Government from time to time.

17. Departmental Examination.

(1) Every member of the service shall pass a Departmental examination as prescribed in the Departmental Examination Rules, 1976 as amended from time to time, failing which he shall not be eligible to :—

(*i*) cross the efficiency bar next due ;

(*ii*) confirmation in the service even after completion of probationery period ; and

(*iii*) Promotion to the next higher post:

Provided that on officer who has qualified the Departmental examination in whole or in part prescribed under any rules before the notification of these rules shall not be required to qualify the whole or in part of the examination as the case may be:

Provided further that an officer for whom no Departmental Examination was prescribed prior to the notification of these rules and who has attainded the age of 45 years on the 1st March, 1976 shall not be required to qualify the Departmental Examination prescribed under these rules:

Provided further that an officer for whom no Departmental Examination was prescribed prior to the notification of these rules and who had not attained the age of 45 years on 1-3-1976 shall not be required to qualify the Departmental Examination prescribed under these rules after attaining the age of 50 years for the purpose of (*i*) crossing the efficiency bar next due, and (*ii*) confirmation in the service after completion of probationary period.

2. An officer on promotion to higher post in his direct line of promotion shall not be required to pass the aforesaid examination if he has already passed the same in the lower gazetted post.

3. The Government may in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission, grant in exceptional circumstances and for reasons to be recorded in writing, exemption in accordance with the Departmental Examination Rules to any class or category of persons from the Departmental Examination in whole or in part provided that such officer is not likely to be considered for any other higher promotion before the date of his superanuation.

18. Power to relax

Where the State Government is of the opinion that it is necessary or expedient to do so, it may, by order for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or posts.

By order,

C. P. SUJAYA,
Financial Commissioner-cum-Secretary.

भाग 4—स्थानीय स्वायत्त शासन, म्युनिसिपल बोर्ड, डिस्ट्रिक्ट बोर्ड, नोटिफाइड और टाउन एरिया तथा पंचायती राज विभाग।

—शून्य—

भाग 5—वैयक्तिक अधिसूचनाएं और विज्ञापन

In the Court of Sub-Judge, 1st Class, Ghumarwin, District Bilaspur (H. P.)

In the matter of: 31/1 of 93

Pholo s/o Dandu, r/o Village Lehri Sarel, Pargana Ajmerpur, Tehsil Ghumarwin, Distt. Bilaspur (H. P.) . . Plaintiff.

Versus

Balbir Singh and others . . Defendents.

To

5. Daulat Ram s/o Narainu
9. Geetan wd/o Ram Rakha
10. Rajo ds/o Khazana
11. Biasan ds/o Khazana
12. Karami ds/o Khazana
14. Jamana ds/o Khazana
17. Penu Ram s/o Bazoora
22. Har Dei d/o Bazorra

r/o Village Lehri Sarial, Pargana Ajmerpur, Tehsil Ghumarwin, Distt. Bilaspur (H. P.)

Whereas in the above noted case, it has proved to the satisfaction of this Court that the above noted case defendents are evading the service of summons and can not be served in the normal couse of service.

Hence this proclamation is hereby issued against them to appear in this Court on or before 29-12-1995 at 10.00 A.M. through an authorised agent or pleader to defend the case failing which *ex-parte* proceeding will be taken against them.

Given under my hand and seal of the Court today the 13th day of November, 1995.

Seal.

S. C. KAINTHLA,
Sub Judge 1st Class, Ghumarwin
Distt. Bilaspur (H. P.).

ब अदालत श्री के० जे० बी० बी० सुब्रह्मण्यम, रजिस्ट्रार, हमीरपुर जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश

तारीख दायरा 20-10-1994

रजिस्ट्रेशन एक्ट अपील नं० 2/94

ज्ञान सिंह पुत्र श्री पृथी सिंह, वासी लाहारनी, तहसील बड़सर, जिला हमीरपुर ..वादी ।

बनाम

1. श्री बिशन सिंह, 2. श्री हीर सिंह पुत्रान श्रीमती बाहगा देवी विधवा प्रभदयाल, 3. श्रीमती इन्द्री देवी उपनाम रसीला देवी विधवा इन्द्र सिंह पुत्र बाहरी, वासी कलोल, तहसील घुमारवीं, जिला बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश, 4. श्रीमती प्रजुध्या देवी, विधवा श्री जय राम, वासी मठान, तप्पा कटवाल, तहसील बड़सर, जिला हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश) हाल जुध्या देवी विधवा जय राम, वासी गोविन्दगढ़, डाकखाना मासितान, तहसील मण्डी डबवाली, जिला सिरसा (हरियाणा), 5. श्रीमती राधा देवी पत्नी बाबू राम, वासी कलोल, तहसील घुमारवीं, जिला बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) ।

इश्तहार जेर आर्डर 5, रूल 20, सी० पी० सी० अपील जेर धारा 72 भारतीय रजिस्ट्रेशन एक्ट खिलाफ आदेश सब-रजिस्ट्रार (नायब तहसीलदार) बड़सर, दिनांक 13-9-1994

नोटिस बनाम :

उपरोक्त उनवान वाला में उपरोक्त प्रतिवादीगण नं० 1 से 5 तक को बजरिया अदालती इश्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि बसीयत को दर्ज करने बारे किसी को कोई उजर या एतराज हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 22-12-1995 को प्रातः 10.00 बजे पेश कर सकता है अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जावेगी ।

आज दिनांक 28-10-1995 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ ।

मोहर ।

हस्ताक्षरित/-
रजिस्ट्रार,
हमीरपुर, जिला हमीरपुर ।

ब अदालत श्री के० जे० बी० बी० सुब्रह्मण्यम, जिला समाहर्ता, हमीरपुर, जिला हमीरपुर

राजस्व अपील नम्बर 78/93

तारीख दायरा 11-11-1993, 24-11-1993

श्री भाग सिंह पुत्र श्री किरपा राम पुत्र श्यामा, वासी फाहल खास, मौजा फाहल, तहसील नादौन, जिला हमीरपुर ..वादी ।

बनाम

1. कर्म सिंह, 2. माधो राम पुत्र राम सिंह, 3. शकुन्तला देवी, 4. लीला देवी पुत्रियां राम सिंह, 5. श्रीमती वर्फी देवी, बेवा राम सिंह, 6. श्रीमती उर्मिला देवी पत्नी श्री परस राम, सभी निवासी फाहल खास, मौजा फाहल, तहसील नादौन, जिला हमीरपुर —प्रतिवादीगण ।

मौकिल कार्यालय द्वारा दी गई निशानदेही रिपोर्ट पर निर्णय बारे फरीकैन को तलब करने बारे इश्तहार जेर आर्डर 5, रूल 20 सी० पी० सी० जारी करने हेतु ।

नोटिस बनाम :

उपरोक्त उनवान वाला में उपरोक्त प्रतिवादीगण नं० 1 से 6 तक को बजरिया अदालती इश्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि प्रतिवादीगण को दी गई निशानदेही के बारे में कोई उजर एतराज हो तो वह दिनांक 29-12-1995 को प्रातः 10.00 बजे इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी ।

आज दिनांक 3-11-1995 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी हुआ ।

मोहर ।

हस्ताक्षरित/
जिला समाहर्ता,
हमीरपुर, जिला हमीरपुर ।

In the Court of Shri A. C. Thalwal, Senior Sub-Judge, Hamirpur Himachal Pradesh

Succession Act petition No. 24/95

Date of Institution 1-7-95

Date of Hearing 29-12-95

(1) Barfi Devi wd/o Shiv Ram, (2) Anita Devi, (3) Kiran Kumari daughters of, (4) Manjit Singh son of Roshan Lal, No. 2 to 4 minors through their grand mother Barfi Devi, resident of Danghi Tappa, Bomson, Tehsil Bhoranj, District Hamirpur, Himachal Pradesh. .. Petitioners.

Versus

General public .. Respondent.

Application U/s 372 of the Indian Succession Act for issuance of Succession Certificate

To

The general public.

Whereas the above noted petitioners have moved an application duly supported with an affidavit under the Indian Succession Act praying therein that Succession Certificate in respect of the assests/debts of Shri Roshan Lal, died on 24-8-91 may be issued in their favour.

Hence this proclamation is hereby issued to the general public and kith and kins of the deceased to file their objection if any, before this court on or before 29-12-95 at 10 A.M. either personally or through an authorised agent, failing which succession certificate as sought to be issued shall be granted *ex parte* in favour of the petitioners.

Given under my hand and seal of this court to day the 8th day of November, 1995.

Seal.

A. C. THALWAL,
Senior Sub-Judge,
Hamirpur (H. P.).

In the Court of Shri A. C. Thalwal, Senior Sub-Judge Hamirpur, Himachal Pradesh

Succession Act petition No. 33/95

Date of Institution 2-11-95

Date of hearing 9-1-96

(1) Sita Ram, (2) Gorakh Ram sons of Chandu Ram, resident of village Doh, P. O. Badhani, Tappa Mewa,

Tehsil Bhoranj, District Hamirpur, Himachal Pradesh .. Petitioners.

Versus

General public .. Respondent.

Application U/s 372 of the Indian Succession Act for issuance of Succession Certificate.

To

The general public.

Whereas the above noted petitioner has moved an application under the Indian Succession Act praying therein that Succession Certificate in respect of the assests/debts of Shrimati Jagisro Devi, died on 27-2-94 may be issued in his favour.

Hence this proclamation is hereby issued to the general public and kith and kins of the deceased to filetheir objection if any, before this court on or before 9-1-94 at 10 A. M. either personally or through authorised agent, failing which Succession Certificate as sought to be issued shall be granted *ex parte* in favour of the petitioner.

Given under my hand and seal of this court today the 6th day of November, 1995.

Seal.

A. C. THALWAL,
Senior Sub-Judge,
Hamirpur (H. P.).

ब अदालत श्री दर्शन लाल कालिया, सहायक समाहर्ता, प्रथम श्रेणी भोरंज, जिला हमीरपुर

मु0 नं0 40/94 मुकद्मा तारीख पेशी 1-1-96

1. दलीप पुत्र नुराता, 2. हीरदा पुत्र नुराता, 3. चोधरी पुत्र नुराता, 4. सखोया पुत्र नुराता, 5. भूरा पुत्र नुराता, 6. विष्न दयाल पुत्र नुराता, निवासी मनोह उपरला तप्पा मैहलता, तहसील भोरंज, जिला हमीरपुर ..प्रार्थीगण।

बनाम

1. गोरख पुत्र पोहलो, 2. रिकी पुत्र पोहलो, 3. सुन्दर पुत्र पोहलो, 4. बंसी पुत्र पोहलो, 5. मिलखी पुत्र पोहलो, 6. इन्द्री देवी पुत्री पोहलो, 7. सुन्दरी पुत्री पोहलो, 8. कलामी पुत्री पोहलो, 9. इन्द्र सिंह पुत्र गोकल, 10. प्यार चन्द पुत्र गोकल, 11. जगदीश पुत्र गोकल, 12. सुखधा पुत्र गोकल, 13. रूपा बेवा लच्छमन, उपरोक्त सभी निवासीगण गाव मनोह उपरला, तप्पा मैहलता।

विषय—भूमि तकसीम खाता नं0 160, खतौनी नं0 215, 216, खसरा व किता 6, रकबा 8 क0 9 म0, वाक्या टीका मनोह उपरला।

मुकद्मा उपरोक्त बाला में प्रतिवादीगण को न्यायालय हजा द्वारा कई बार समन जारी किये गये परन्तु तामील साधारण ढंग से होनी नहीं पाई जाती है। अतः इन्हें इस इश्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि वे अपने पक्ष की पैरवी हेतु दिनांक 1-1-96 को प्रातः 10 बजे असालतन व वकालतन हाजर न्यायालय आवें अन्यथा एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जावेगी।

आज दिनांक 4-11-95 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

श्री दर्शन लाल कालिया,
सहायक समाहर्ता, प्रथम श्रेणी,
भोरंज, जिला हमीरपुर (हि0 प्र0)।

ब अदालत सहायक समाहर्ता, प्रथम श्रेणी भोरंज, जिला हमीरपुर

मुकदमा नं0 59/94 तारीख पेशी 18-12-95

1. श्री परस राम पुत्र नौलू, 2. दीप उर्फ जगदीश चन्द सुपुत्र रोहलो, गांव चम्बोह, मौजा मेवा, तहसील भोरंज।

बनाम

1. श्री प्रेम चन्द पुत्र मेहर चन्द, 2. प्रताप सिंह पुत्र घनैमा, 3. सुर्जन पुत्र घनैमा, 4. लाल सिंह सुपुत्र घनैमा, 5. नाहर सिंह सुपुत्र घनैमा, 6. जानकी देवी पत्नी मंगल, गांव मोव्वलू, तप्पा पाहलू, तहसील हमीरपुर, 7. प्रभात चन्द सुपुत्र राम सरन, गांव लड़मोह, मौजा बमसन, तहसील भोरंज, 8. बख्शी राम सुपुत्र सन्ता, 9. अमर सिंह सुपुत्र मन्शा, प्रतिवादी 3, 5 से 8 व 11 से 14 और सभी वासी गाव चम्बोह, मौजा मेवा, तहसील भोरंज, जिला हमीरपुर। केसरी देवी, सुपुत्री मन्शा राम, गांव चम्बोह।

विषय भूमि तकसीम खाता नंबर 471, खतौनी नम्बर 563, खसरा नंबर 3634/2321, 2365, 2614, 2951, 2954, 2949, 2956, 2963, 2964, 2967, 2969, 2972, 2979, 2997, 2998/2, किता 15, वाक्या टीका, चम्बोह।

हरगाह उपरोक्त मुकद्दमा में प्रत्यार्थीगणों को इस अदालत द्वारा साधारण समन द्वारा सूचित किया गया मगर बिना तामील वापिस अदालत हजा में आ गये। इससे इस अदालत को पूर्ण विश्वास हो गया है कि प्रत्यार्थीगणों को समन की तामील साधारण तरीके से नहीं हो सकती है।

अतः इस इश्तहार राजपत्र हिमाचल प्रदेश द्वारा प्रत्यार्थीगणों को सूचित किया जाता है कि वह दिनांक 18-12-1995 को प्रातः इस अदालत में असालतन/वकालतन हाजिर आकर मुकद्दमा की पैरवी करें। अन्यथा हाजिर न आने की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जावेगी।

आज दिनांक 18-11-95 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

श्री दर्शन लाल कालिया,
सहायक समाहर्ता, प्रथम श्रेणी,
भोरंज, जिला हमीरपुर।

In the Court of Collector, Sub-Division, Dharamshala.

Shri Rasila Ram s/o Shri Bhagto, resident of Mohal Bara, Khola Mauza Giana Khurd, Tehsil Dharamshala.

..Appellant.

Vs.

(1) Shri Suresh Kumar, (2) Shri Raj Kumar ss/o Shri Ghogar Ram, resident of Mohal Ghiana Kalan, Tehsil Dharamshala, (3) Shri Trilok Singh Parmar s/o Shri Yog Raj *alias* Man Singh, resident of Tillu, Mauza Jalari, Tehsil Nadaun, District Hamirpur

..Respondents.

Appeal/Revision against order of Mutation dated 14-3-1994 passed by Assistant Collector, IInd Grade/Naib Tehsildar, Dharamshala by which Mutation No. 80 has been sanctioned.

In the above noted case the service upon respondents No. 2 and 3 namely s/Shri Raj Kumar s/o Shri Ghogar Ram and Trilok Singh Parmar s/o Shri Yog Raj *alias* Man Singh, could not be effected through ordinary process. It has been proved to the satisfaction of this Court that the service upon the above noted respondents cannot be effected through ordinary way. Hence this proclamation under Order 5, Rule 20, CPC is hereby issued against the above noted defendent to appear before this Court on 11-12-1995 at 10.00 A.M. personally or through pleader to defend the case, failing which they will be proceeded *ex parte*.

Given under my hand and seal of the Court this 17th day of October, 1995.

Seal.

Sd/-,
Collector,
Dharamshala Sub-Division,
Dharamshala.

ब अदालत श्री हरि सिंह भाटा, नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मुकद्दमा नम्बर /तहसीलदार/कार्यकारी दण्डाधिकारी ।

Dolma Yonki

बनाम

आम जनता

विषय :—प्रार्थना पत्र जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता ।

Dolma Yonki पुत्री श्री Chongzol Ngawang Tanpo, निवासी मकलोड़गंज, मौजा धर्मशाला, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा ने इस अदालत में शपथ-पत्र सहित मुकद्दमा दायर किया है कि उसकी पुत्री की जन्म तिथि 5-2-1976 है परन्तु एम0 सी0, धर्मशाला में उक्त तारीख पंजीकृत न हुई अतः इसे पंजीकृत किए जाने के आदेश दिए जाएं ।

इस नोटिस के द्वारा समस्त जनता को तथा सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उपरोक्त की जन्म तिथि पंजीकरण किये जाने बारे कोई एतराज हो तो हमारी अदालत में दिनांक 27-12-1995 को असालतन या वकालतन हाजिर होकर उजर पेश कर सकता है अन्यथा मुताबिक शपथ-पत्र जन्म तिथि पंजीकृत किए जाने बारे आदेश पारित कर दिए जाएंगे ।

आज दिनांक 28-9-1995 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया ।

मोहर । हरि सिंह भाटा,
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
धर्मशाला, जिला कांगड़ा, (हि0 प्र0) ।

ब अदालत श्री हरि सिंह भाटा, नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0)

मुकद्दमा नम्बर /तहसीलदार/कार्यकारी दण्डाधिकारी

Nagawang

बनाम

आम जनता

विषय : प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता ।

श्री Nagawang Paljor पुत्र श्री Lhago, निवासी मकलोड़गंज, मौजा धर्मशाला, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा ने इस अदालत में शपथ-पत्र सहित मुकद्दमा दायर किया है कि उसकी पुत्री Tenzin Choodon की जन्म तिथि 17-04-1976 है परन्तु एस0 सी0, धर्मशाला में उक्त तारीख पंजीकृत न हुई है अतः इसे पंजीकृत किये जाने के आदेश दिए जाएं ।

इस नोटिस के द्वारा समस्त जनता को तथा सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उपरोक्त बच्चे की जन्म तिथि पंजीकृत किये जाने बारे कोई एतराज हो तो हमारी अदालत में दिनांक 27-12-1995 को असालतन या वकालतन हाजिर होकर उजर पेश कर सकता है अन्यथा मुताबक शपथ-पत्र जन्म तिथि पंजीकृत किये जाने बारे आदेश पारित कर दिये जाएंगे ।

आज दिनांक 28-9-1995 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया ।

मोहर । हरि सिंह भाटा,
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
धर्मशाला, जिला कांगड़ा, (हि0 प्र0) ।

ब अदालत श्री हरि सिंह भाटा, नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मुकद्दमा नम्बर /तहसीलदार/कार्यकारी दण्डाधिकारी ।

जगदीश चन्द

बनाम

आम जनता

विषय :—प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13(3) जन्म व मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता ।

श्री जगदीश चन्द पुत्र श्री धीसा राम, निवासी कोचवाली बाजार, धर्मशाला, मौजा धर्मशाला, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा ने इस अदालत में शपथ-पत्र सहित मुकद्दमा दायर किया है कि उसकी माता नर्वदा देवी की मृत्यु तिथि 11-01-1992 है परन्तु एम0 सी0, धर्मशाला में उक्त तारीख पंजीकृत न हुई है अतः इसे पंजीकृत किये जाने के आदेश दिए जाएं ।

इस नोटिस के द्वारा समस्त जनता को तथा सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उपरोक्त प्रार्थी की माता की मृत्यु पंजीकरण किये जाने बारे कोई एतराज हो तो हमारी अदालत में दिनांक 27-12-1995 को असालतन या वकालतन हाजिर होकर अपना उजर पेश कर सकता है अन्यथा मुताबिक शपथ-पत्र मृत्यु तिथि पंजीकृत किये जाने बारे आदेश पारित कर दिए जाएंगे ।

आज दिनांक 13-11-1995 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया ।

मोहर । हरि सिंह भाटा,
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
धर्मशाला, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0) ।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी देहरा, तहसील देहरा, जिला कांगड़ा हिमाचल प्रदेश

ब मुकद्दमा नरेन्द्र सिंह सुपुत्र श्री अमीन चन्द, निवासी धारनी, डाकखाना बने दी हट्टी, तहसील देहरा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ।

बनाम

आम जनता

दरख्वास्त जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता ।

श्री नरिन्द्र सिंह ने इस अदालत में दरख्वास्त दी है कि उसकी पुत्री रजनी कुमारी का जन्म पंचायत रजिस्टर में गलती से दर्ज न करवाया गया है । अब दर्ज किया जावे । उसकी पुत्री की जन्म तिथि 24-6-1990 तथा बच्चे का जन्म धारनी गांव में हुआ है ।

अतः इस नोटिस द्वारा समस्त जनता तथा सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को इसका नाम दर्ज करने बारे कोई आपत्ती या उजर हो तो वह दिनांक 11-12-95 समय 10 बजे प्रातः स्वयं अथवा किसी वान्छित के माध्यम से हमारे

समक्ष अदालत में हाजिर आ कर पेश करे। अन्यथा एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

आज दिनांक 16-10-95 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर। हस्ताक्षरित/-
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
तहसील देहरा, जिला कांगड़ा (हि० प्र०)।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी, देहरा, तहसील देहरा, जिला कांगड़ा हिमाचल प्रदेश

ब मुकद्दमा त्रलोचन सिंह

बनाम

समस्त जनता

दरख्वास्त जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम 1969.

नोटिस बनाम आम जनता।

श्री त्रलोचन सिंह ने इस अदालत में दरख्वास्त दी है कि उसके पुत्र गौरव का जन्म पंचायत रजिस्टर में गलती से दर्ज न करवाया गया है। अब दर्ज किया जाये। उसके पुत्र की जन्म तिथि 20-3-1991 है तथा बच्चे का जन्म थड़ा, पोस्ट ओफिस गांव बनखण्डी में हुआ है।

अतः इस नोटिस द्वारा समस्त जनता तथा सम्बन्धित रिश्तदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को इसका नाम दर्ज करने बारे कोई आपत्ती या उजर हो तो यह दिनांक 30-12-95 समय 10 बजे प्रातः स्वयं अथवा किसी वांछित के माध्यम से हमारे समक्ष अदालत में हाजिर आ कर पेश करें। अन्यथा एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जावेगी।

आज दिनांक 13-10-95 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर। हस्ताक्षरित/-
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
तहसील देहरा, जिला कांगड़ा (हि० प्र०)।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी, देहरा, तहसील देहरा, जिला कांगड़ा हिमाचल प्रदेश

ब मुकद्दमा राम मुरती, सुपुत्र श्री जगत राम, निवासी चनौर, तहसील देहरा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

बनाम

आम जनता

दरख्वास्त जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम 1969.

नोटिस बनाम आम जनता।

श्री राम मुरती सुपुत्र श्री जगत राम ने इस अदालत में दरख्वास्त दी है कि उसकी पुत्री शिवानी का जन्म पंचायत रजिस्टर में गलती से दर्ज न करवाया गया है। अब दर्ज किया जाये। इसकी पुत्री की जन्म तिथि 10-9-95 है तथा बच्चे का जन्म ग्राम पंचायत चनौर गांव में हुआ है।

अतः इस नोटिस द्वारा समस्त जनता तथा सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को इसका नाम दर्ज करने बारे कोई आपत्ती या उजर हो तो वह दिनांक 30-12-95 समय 10 बजे प्रातः स्वयं अथवा किसी वान्छित के माध्यम से हमारे समक्ष अदालत में हाजिर आ कर पेश करें। अन्यथा एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जावेगी।

आज दिनांक 13-10-95 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर। हस्ताक्षरित/-
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
तहमील देहरा, जिला कांगड़ा (हि० प्र०)।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी, देहरा, तहसील देहरा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

श्री अर्जन देव, सुपुत्र श्री मिल्खी राम, निवासी (करोल) परागपुर, तहसील देहरा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

बनाम

आम जनता

दरख्वास्त जेरधारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता।

श्री अर्जन देव सुपुत्र श्री मिल्खी राम ने इस अदालत में दरख्वास्त दी है कि उसकी पुत्री शशी बाला का जन्म पंचायत रजिस्टर में गलती से दर्ज न करवाया गया है अब दर्ज किया जाये। इसकी पुत्री की जन्म तिथि 4-2-1990 है तथा बच्चे का जन्म धीजग गांव में हुआ है।

अतः इस नोटिस द्वारा समस्त जनता तथा सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को इसका नाम दर्ज करने बारे कोई आपत्ती या उजर हो तो वह दिनांक 30-12-95 समय 10 बजे प्रातः स्वयं अथवा किसी वान्छित के माध्यम से हमारे समक्ष अदालत में हाजिर आ कर पेश करें। अन्यथा एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जावेगी।

आज दिनांक 13-10-95 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर। हस्ताक्षरित/-
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
तहसील देहरा, जिला कांगड़ा (हि० प्र०)।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी, देहरा, तहसील देहरा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

ब मुकद्दमा : श्रीमती वीना देवी

बनाम

आम जनता

दरख्वास्त जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता।

श्रीमती वीना देवी ने इस अदालत में दरख्वास्त दी है कि उसके पुत्र अमन दीप सिंह ठठवाल का नाम पंचायत रजिस्टर में गलती से दर्ज न करवाया गया है। अब दर्ज किया जावे। इसके पुत्र की जन्म तिथि 2-1-1993 है तथा बच्चे का जन्म ललेप गांव में हुआ है।

अतः इस नोटिस द्वारा समस्त जनता तथा सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को इसका नाम दर्ज करने

बारे कोई आपत्ति या उजर हो तो वह दिनांक 30-12-1995 समय 10.00 बजे प्रातः स्वयं अथवा किसी वान्छित के माध्यम से हमारे समक्ष अदालत में हाजिर आ कर पेश करे। अन्यथा एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जावेगी।

आज दिनांक 13-10-1995 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर। हस्ताक्षरित/-
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
देहरा, तहसील देहरा, जिला कांगड़ा (हि० प्र०)।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी, देहरा, तहसील देहरा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

ब मुकद्मा: प्रीतम चन्द

बनाम

समस्त जनता

दरख्वास्त जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता।

श्री प्रीतम चन्द ने इस अदालत में दरख्वास्त दी है कि उसकी पुत्री कुमारी शैलजा का जन्म पंचायत रजिस्टर में गलती से दर्ज न करवाया गया है। अब दर्ज किया जावे। इसकी पुत्री की जन्म तिथि 15-6-1990 है तथा बच्चे का जन्म छम्दाग गांव में हुआ है।

अतः इस नोटिस द्वारा समस्त जनता तथा सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को इसका नाम दर्ज करने बारे कोई आपत्ति या उजर हो तो वह दिनांक 30-12-1995 को समय 10.00 बजे प्रातः स्वयं अथवा किसी वान्छित के माध्यम से हमारे समक्ष अदालत में हाजिर आ कर पेश करे। अन्यथा एकतरफा कार्यवाही अमल मे लाई जावेगी।

आज दिनांक 13-10-1995 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर। हस्ताक्षरित/-
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
देहरा, तहसील देहरा, जिला कांगड़ा, (हि० प्र०)।

ब अदालत श्री राम प्रताप शांडिल्य, कार्यकारी दण्डाधिकारी ज्वाली, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

श्री राधेश्याम पुत्र श्री सन्त राम, साकन खराड, डाकखाना खरोटा, तहसील ज्वाली, जिला कांगड़ा · · प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

विषय.—दरख्वास्त जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री राधेश्याम पुत्र श्री सन्त राम, निवासी खराड ने आवेदन किया है कि श्रीमती मंगती देवी पत्नी श्री सन्त राम जोकि उस की माता थी की मृत्यु तिथि व नाम गलती से पंचायत रजिस्टर में दर्ज करवाने से रह गया है जो अब दर्ज किया जावे श्रीमती मंगती देवी की मृत्यु तिथि 23-05-1988 है।

अतः इस नोटिस द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति का श्रीमती मंगती देवी के मृत्यु पंजीकरण बारे कोई एतराज हो तो वह मेरे न्यायालय में दिनांक 4-12-95 को पेश होकर कर सकता है, अन्यथा यह समझा जावेगा कि किसी को भी इस पंजीकरण बारे कोई आपत्ति न है तथा नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी।

आज दिनांक 15-11-1995 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर। राम प्रताप शांडिल्य,
कार्यकारी दण्डाधिकारी ज्वाली,
जिला कांगड़ा (हि० प्र०)।

ब अदालत श्री टी० आर० चौहान, तहसीलदार एवम् प्रशासनिक दण्डाधिकारी जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मुकद्मा नं० 83/1995 किसम मुकद्मा जन्म तिथि: 11-8-91

उनवान मुकद्मा:

रमेश चन्द डडवाल पुत्र भगत सिंह, निवासी मुहाल उमर, पी० ओ० महाराजनगर · · प्रार्थी।

बनाम

आम जनता · · प्रत्यार्थी।

विषय: प्रार्थना पत्र जेर धारा 13(3) जन्म व मृत्यु पंजीकरण अधिनियम 1969.

नोटिस बनाम समस्त जनता।

प्रार्थी रमेश चन्द पुत्र भगत सिंह, निवासी महाल उमर, मौजा कौसरी, तहसील जैसिंहपुर ने प्रार्थना पत्र दिया है कि उसकी लड़की शिवानी डडवाल का जन्म 11-8-91 को गांव उमर, पी०ओ० महाराजनगर में हुआ है परन्तु गलती से पंचायत रिकार्ड में दर्ज न करवाया गया है अब दर्ज करने की प्रार्थना की है।

अतः इस इश्तहार राजपत्र द्वारा आम जनता व सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि अगर किसी को उक्त बच्चे को दर्ज करने में कोई आपत्ति हो तो वह दिनांक 16-12-1995 को प्रातः दस बजे स्वयं या किसी वकील के माध्यम हमारे समक्ष अदालत हजा में वजह ब्यान करें। अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

यह इश्तहार आज दिनांक 21-10-95 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया जाता है।

मोहर। टी० आर० चौहान,
तहसीलदार एवं प्रशासनिक दण्डाधिकारी,
जैसिंहपुर, जिला कांगड़ा।

ब अदालत श्री० टी० आर० चौहान तहसीलदार एवम प्रशासनिक दण्डाधिकारी, जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा (हि० प्र०)

मुकद्मा नं० 84/1995 किसम मुकद्मा जन्म तिथि: 13-1-1991

उनवान मुकद्मा:

मेहर सिंह सुपुत्र थोपलू राम, निवासी मुहाल कुहण, पी० ओ० कुहण, मौजा आलमपुर, तहसील जैसिंहपुर · · प्रार्थी।

बनाम

आम जनता · · प्रत्यार्थी।

विषय: प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13(3) जन्म व मृत्यु पंजीकरण अधिनियम 1969.

नोटिस बनाम समस्त जनता।

प्रार्थी मेहर सिंह सुपुत्र थोपलू राम, निवासी कुहण, मौजा आलमपुर, तहसील जैसिंहपुर जिला कांगड़ा (हि०प्र०) ने प्रार्थना पत्र दिया है कि उसकी लड़की अरुणा कुमारी का जन्म दिनांक 13-01-1991 को गांव

कुहण, मौजा आलमपुर में हुआ है । परन्तु गलती से पंचायत रिकार्ड में दर्ज न करवाया गया है तथा अब दर्ज करने की प्रार्थना की है ।

अतः इस इश्तहार राजपत्र द्वारा समस्त आम जनता व सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि अगर किसी को उक्त बच्चे को दर्ज करने में कोई आपत्ती/उजर हो तो वह दिनांक 16-12-1995 को प्रातः 10 बजे स्वयं या किसी वकील के माध्यम हमारे समक्ष अदालत हजा में वजह ब्यान करें। अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

यह इश्तहार आज दिनांक 21-10-95 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया ।

मोहर । टी0 आर0 चौहान,
प्रशासनिक दण्डाधिकारी,
जैसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हि0 प्र0 ।

व अदालत श्री टी0 आर0 चौहान, तहसीलदार एवम् प्रशासनिक दण्डाधिकारी, जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा हिमाचल प्रदेश

मुकद्मा नं0 85/1995 किस्म मुकद्मा जन्म तिथि : 9-12-91

उनवान मुकद्मा :
गिरीश शर्मा सुपुत्र दुर्गा दास शर्मा, निवासी कायला, पी0 ओ0 सन्धोल, तहसील जैसिंहपुर, जिला कांगड़ा ...प्रार्थी ।

बनाम

आम जनता ...प्रत्यार्थी ।

विषय : प्रार्थना पत्र जेर धारा 13(3) जन्म व मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 ।

नोटिस बनाम समस्त जनता ।

प्रार्थी गिरीश शर्मा सुपुत्र दुर्गा दास शर्मा, निवासी कायला, पी0 ओ0 सन्धोल, तहसील जैसिंहपुर ने प्रार्थना-पत्र दिया है कि उसके लड़के शन्नी का जन्म दिनांक 9-12-1991 को गांव कायला में हुआ है परन्तु गलती से पंचायत रिकार्ड में दर्ज न करवाया गया है तथा अब दर्ज करने की प्रार्थना की है ।

अतः इस इश्तहार राजपत्र द्वारा समस्त आम जनता व सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि अगर किसी को उक्त बच्चे को दर्ज करने में कोई आपत्ती/उजर हो तो वह दिनांक 16-12-1995 को प्रातः 10 बजे स्वयं या किसी वकील के माध्यम हमारे समक्ष अदालत हजा में वजह ब्यान करे । अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी ।

यह इश्तहार आज दिनांक 21-10-95 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया जाता है ।

मोहर । टी0 आर0 चौहान,
तहसीलदार एवम् प्रशासनिक दण्डाधिकारी,
जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हि0 प्र0 ।

व अदालत टी0 आर0 चौहान, तहसीलदार एवं प्रशासनिक दण्डाधिकारी, जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मुकद्मा नं0 91/1995 किस्म मुकद्मा : जन्म तिथि 8-12-94

उनवान मुकद्मा :

मनीराम शर्मा सुपुत्र प्रभुराम शर्मा, निवासी पन्डेहड़, मौजा लम्बागांव तहसील जयसिंहपुर ...प्रार्थी ।

बनाम

आम जनता ...प्रत्यार्थी ।

विषय. —प्रार्थना-पत्र जेरधारा 13(3) जन्म व मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता ।

प्रार्थी मनीराम शर्मा सुपुत्र प्रभुराम शर्मा, निवासी पन्डेहड़, मौजा लम्बागांव, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा ने प्रार्थना-पत्र दिया है कि उसके पुत्र वरुण शर्मा का जन्म दिनांक 8-12-94 को गांव पन्डेहड़ में हुआ है परन्तु गलती से पंचायत रिकार्ड में दर्ज न करवाया गया है तथा अब दर्ज करने की प्रार्थना की है ।

अतः इस इश्तहार राजपत्र द्वारा समस्त जनता व सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि अगर किसी को उक्त बच्चे की जन्म तिथि दर्ज करने में कोई आपत्ति/उजर हो तो वह दिनांक 18-12-95 को प्रातः 10 बजे स्वयं या किसी वकील के माध्यम से हमारे समक्ष अदालत हजा में वजह ब्यान करे अन्यथा एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी ।

यह इश्तहार आज दिनांक 8-11-95 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया जाता है ।

मोहर । टी0 आर0 चौहान,
प्रशासनिक दण्डाधिकारी,
जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0) ।

व अदालत श्री टी0 आर0 चौहान, तहसीलदार एवं प्रशासनिक दण्डाधिकारी जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मुकद्मा नं0 89/1995 किस्म मुकद्मा : मृत्यु तिथि 6-5-95

उनवान मुकद्मा :

श्रीमती रेखा देवी पत्नी अमर सिंह, निवासी महाल देतरू, डाकखाना महाराजनगर, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ...प्रार्थी ।

बनाम

आम जनता ..प्रत्यार्थी ।

विषय. —प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13(3) जन्म व मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता ।

प्रार्थी श्रीमती रेखा देवी विधवा अमर सिंह, निवासी महाल देतरू ने प्रार्थना पत्र दिया है कि उसके पति स्वर्गीय श्री अमर सिंह की मृत्यु दिनांक 6-5-95 को गांव देतरू, डाकखाना महाराजनगर में हुई। परन्तु गलती से पंचायत रिकार्ड में दर्ज न करवाया गया है तथा अब दर्ज करने की प्रार्थना की है ।

अतः इस इश्तहार राजपत्र द्वारा समस्त आम जनता व सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि उक्त व्यक्ति को दर्ज करने में कोई आपत्ति/उजर हो तो वह दिनांक 22-12-95 को प्रातः 10 बजे हमारे समक्ष अदालत हजा में हाजिर हो कर स्वयं या किसी वकील के माध्यम से वजह ब्यान करे, अन्यथा एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जावेगी ।

आज दिनांक 3-11-95 को यह इश्तहार मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी किया गया है ।

मोहर । टी0 आर0 चौहान,
प्रशासनिक दण्डाधिकारी,
जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा ।

व अदालत श्री एम0 आर0 गुलेरिया, नायब तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता, द्वितीय श्रेणी, जय सिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मुकद्मा नं0 68/1995 किस्म मुकद्मा : मृत्यु तिथि

उनवान मुकद्मा ईश्वर दास पुत्र मन्त राम, निवासी मुहाल लाहड़, डाकखाना अखर लम्बागांव, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ...प्रार्थी ।

बनाम

आम जनता .. प्रत्यार्थी ।

विषय .—प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता ।

प्रार्थी श्री ईश्वर दास पुत्र सन्त राम, निवासी मुहाल लाहड़, डाकखाना अपर लम्बागांव, ने प्रार्थना-पत्र दिया है कि उसकी लड़की प्रवीण कुमारी की मृत्यु दिनांक 7-9-1992 को गांव लाहड़ म हुई है परन्तु गलती से पंचायत रिकार्ड में दर्ज न करवाई गई है तथा अब दर्ज करने की प्रार्थना की है ।

अत: इस इश्तहार राजपत्र द्वारा समस्त जनता व सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि उक्त बच्चे की मृत्यु तिथि दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति/उजर हो तो वह दिनांक 27-12-1995 को प्रात: 10 बजे हमारे समक्ष अदालत हजा में हाजिर आकर स्वयं या किसी वकील के माध्यम से बजह ब्यान करें, अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी ।

आज दिनांक 10-11-1995 को यह इश्तहार मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी किया गया है ।

मोहर । एम0 आर0 गलेरिया,
प्रशासनिक दण्डाधिकारी,
जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, (हि0 प्र0) ।

ब अदालत श्री टी0आर0 चौहान, तहसीलदार एवं प्रशासनिक दण्डाधिकारी, जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा हिमाचल प्रदेश

मुकद्मा नं0 86/1995 किस्म मुकद्मा : जन्म तिथि

उनवान मुकद्मा : श्रीमती नीता कुमारी पत्नी जोगिन्दर सिंह, निवासी महाल उम्बर, डाकखाना महाराज नगर तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0) । ..प्रार्थी ।

बनाम

आम जनता ..प्रत्यार्थी ।

विषय : प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म व मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम समस्त जनता ।

प्रार्थी श्रीमती नीता कुमारी पत्नी जोगिन्दर कुमार, निवासी महाल उम्बर ने प्रार्थना पत्र दिया है कि उसकी लड़की पूजा राणी का जन्म दिनांक 2-9-94 को गांव उम्बर में हुआ है परन्तु गलती से पंचायत रिकार्ड में दर्ज नहीं करवाया गया है तथा अब दर्ज करने की प्रार्थना की है ।

अत. इस इश्तहार राजपत्र द्वारा समस्त आम जनता व सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि अगर किसी को उक्त बच्चे को दर्ज करने में कोई आपत्ति/उजर हो तो वह दिनांक 18-12-1995 को प्रात: 10 बजे स्वयं या किसी वकील के माध्यम हमारे समक्ष अदालत हजा में वजह ब्यान करे । अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी ।

यह इश्तहार आज दिनांक 1-11-1995 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया ।

मोहर । टी0 आर0 चौहान,
प्रशासनिक दण्डाधिकारी,
जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0) ।

ब अदालत श्री टी0 आर0 चौहान, तहसीलदार एवं प्रशासनिक दण्डाधिकारी जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा हिमाचल प्रदेश

मुकद्मा नं0 87/1995 किस्म मुकद्मा : जन्म तिथि

उनवान मुकद्मा : श्रीमती सुमित्रा देवी पत्नी गंगा राम, निवासी महाल काथला, डाकखाना हारसी, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0) ..प्रार्थी ।

बनाम

आम जनता ..प्रत्यार्थी ।

विषय : प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म व मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम समस्त जनता ।

प्रार्थी श्रीमती सुमित्रा देवी पत्नी गंगा राम निवासी महाल काथला; डाकखाना हारसी ने प्रार्थना पत्र दिया है कि उसकी पोती पूजा देवी का जन्म दिनांक 26-7-1992 को गांव काथला में हुआ है परन्तु गलती से पंचायत रिकार्ड में दर्ज न करवाया गया है तथा अब दर्ज करने की प्रार्थना की है ।

अत: इस इश्तहार राजपत्र द्वारा समस्त आम जनता व सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि अगर किसी को उक्त बच्चे को दर्ज करने में कोई आपत्ति/उजर हो तो वह दिनांक 18-12-1995 को प्रात: 10 बजे स्वयं या किसी वकील के माध्यम हमारे समक्ष अदालत हजा में वजह ब्यान करे, अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी ।

यह इश्तहार आज दिनांक 2-11-1995 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी हुआ ।

मोहर । टी0 आर0 चौहान,
प्रशासनिक दण्डाधिकारी,
जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0) ।

ब अदालत श्री टी0 आर0 चौहान, तहसीलदार एवं प्रशासनिक दण्डाधिकारी जयसिंहपुर, जिला कांगडा, हिमाचल प्रदेश

मुकद्मा नं0 88/1995 किस्म मुकद्मा : जन्म तिथि

उनवान मुकद्मा : श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्र रिखी राम, निवासी महाल नाहलना, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0) ..प्रार्थी ।

बनाम

आम जनता ..प्रत्यार्थी ।

विषय : प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म व मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम समस्त जनता ।

प्रार्थी श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्र रिखी राम, निवासी महाल नाहलना ने प्रार्थना-पत्र दिवा है कि उसकी पुत्री तानू देवी का जन्म दिनांक 10-10-1991 को गांव नाहलना में हुआ है परन्तु गलती से पंचायत रिकार्ड में दर्ज न करवाया गया है तथा अब दर्ज करने की प्रार्थना की है ।

अत: इस इश्तहार राजपत्र द्वारा समस्त आम जनता व सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि अगर किसी को उक्त बच्चे को दर्ज करने में कोई आपत्ति/उजर हो तो वह दिनांक 18-12-95 को प्रात: 10 बजे स्वयं या किसी वकील के माध्यम हमारे समक्ष अदालत हजा में वजह ब्यान करे । अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी ।

यह इश्तहार आज दिनांक 2-11-1995 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया जाता है ।

मोहर । टी0 आर0 चौहान,
प्रशासनिक दण्डाधिकारी,
जयसिंहपुर, जिला कांगडा (हि0 प्र0) ।

ब अदालत श्री टी0 आर0 चौहान, तहसीलदार एवं प्रशासनिक दण्डाधिकारी, जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मुकद्मा नं0 90/1995 किस्म मुकद्मा जन्म तिथि 3-3-92

उनवान मुकद्मा :

मनीराम शर्मा सुपुत्र श्री प्रभुराम शर्मा, निवासी पन्डेहड़; मौजा लम्बागांव, तहसील जयसिंहपुर ..प्रार्थी ।

बनाम

आम जनता ..प्रत्यार्थी ।

विषय : प्रार्थना पत्र जेर धारा 13(3) जन्म व मृत्यु पंजीकरण अधिनियम 1969.

नोटिस बनाम आम जनता ।

श्रीमती मनोरमा शर्मा सुपुत्र प्रकाश शर्मा, निवासी पन्देहड़, मौजा लाहड़ागांव तहसील जैसिंहपुर, जिला कांगड़ा ने प्रार्थना पत्र दिया है कि उस की पुत्री दीपिका शर्मा का जन्म दिनांक 3-3-1992 को गांव पन्देहड़ में हुआ है परन्तु गलती से पंचायत रिकार्ड में दर्ज न करवाया गया है तथा अब दर्ज करने की प्रार्थना की है ।

अतः इस इश्तहार राजपत्र द्वारा समस्त आम जनता व सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि अगर किसी को उक्त बच्चे की जन्म तिथि दर्ज करने में कोई आपत्ति/उजर हो तो वह दिनांक 18-12-95 को प्रातः 10 बजे स्वयं या किसी वकील के माध्यम से हमारे समक्ष अदालत हाजिर हो कर ब्यान करें, अन्यथा एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी ।

यह इश्तहार आज दिनांक 8-11-95 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया जाता है ।

मोहर ।

डी॰ आर॰ चौहान,
प्रशासनिक दण्डाधिकारी,
जैसिंहपुर, जिला कांगड़ा (हि॰ प्र॰) ।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी जसवां स्थित कोटला, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

ब मुकद्दमा :

श्री लेखराज पुत्र जगत राम, वासी भाली

बनाम

आम जनता

दरख्वास्त जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम 1969.

नोटिस बनाम आम जनता ।

श्री लेख राज पुत्र जगत राम, वासी भाली ने इस अदालत में दरख्वास्त दी है जिसके पिता श्री जगत राम की मृत्यु पंचायत रजिस्टर में गलती से दर्ज न करवाई गई है अब दर्ज की जावे । इसके पिता की मृत्यु 26-7-1994 को गांव भाली में हुई थी ।

अतः इस नोटिस द्वारा समस्त जनता तथा सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उसका नाम दर्ज करवाने बारे कोई आपत्ति या उजर हो तो वह दिनांक 31-12-1995 समय 10 बजे प्रातः स्वयं अथवा किसी के माध्यम से हमारे समक्ष अदालत में हाजिर आकर पेश करें अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जावेगी ।

आज दिनांक 3-11-1995 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ ।

मोहर । आदेश द्वारा,

जिम्बर कुमार हंस,
कार्यकारी दण्डाधिकारी
जसवां स्थित कोटला, जिला कांगड़ा ।

ब अदालत श्री एस॰ के॰ पराशर, कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील जसवां, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

ब मुकदमा : मृत्यु प्रमाण पत्र

जसवन्त सिंह

बनाम

आम जनता

दरख्वास्त जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता ।

श्री जसवन्त सिंह ने इस कार्यालय में दरख्वास्त दी है कि उसकी माता श्रीमती शीला देवी की मृत्यु को पंचायत रजिस्टर में गलती से दर्ज न करवाया गया है । अब दर्ज किया जावे । इसकी माता की मृत्यु तिथि 5-6-1994 है तथा इस की माता की मृत्यु गांव बाड़ी में हुई है ।

अतः इस नोटिस द्वारा समस्त जनता तथा सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उसका नाम दर्ज करवाने बारे कोई आपत्ति या उजर हो तो वह दिनांक 30-12-1995 समय 10 बजे प्रातः स्वयम् अथवा किसी वकील के माध्यम से हमारे समक्ष अदालत में हाजिर आकर पेश करें । अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी ।

आज दिनांक 9-11-1995 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ ।

मोहर ।

एस॰ के॰ पराशर,
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
जसवां स्थित कोटला,
जिला कांगड़ा, (हि॰प्र॰) ।

ब अदालत श्री जिम्बर कुमार हंस, कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील जसवां, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

ब मुकद्दमा : जन्म तिथि प्रमाण-पत्र

दरख्वास्त जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता ।

श्री ध्यान देव सुपुत्र श्री बेली राम, वासी ब्याड़ ने इस न्यायालय में दरख्वास्त दी है उसके पोते श्री गौरव कुमार का जन्म पंचायत रजिस्टर में गलती से दर्ज न करवाया गया है । अब दर्ज किया जाये । इसके पोते की जन्म तिथि 21-8-1993 है तथा बच्चे का जन्म गांव ब्याड़ में हुआ था ।

अतः इस नोटिस द्वारा समस्त जनता तथा सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उसका नाम दर्ज करवाने बारे कोई आपत्ति या उजर हो तो वह दिनांक 31-12-1995 को समय 10.00 बजे प्रातः स्वयं अथवा किसी व्यक्ति के माध्यम से हमारे समक्ष अदालत में हाजिर हो कर पेश करें अन्यथा एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जावेगी ।

आज दिनांक 3-11-1995 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ ।

मोहर ।

जिम्बर कुमार हंस,
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
तहसील जसवां, जिला कांगड़ा (हि॰ प्र॰) ।

ब अदालत श्री जिम्बर कुमार हंस, कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील जसवां, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

ब मुकद्दमा : जन्म प्रमाण-पत्र

श्रीमती नरेन्द्रा देवी पत्नी श्री जोगेश कुमार, ग्राम आखूणी ।

बनाम

आम जनता

दरख्वास्त जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

बनाम आम जनता ।

श्रीमती सरला देवी पत्नी श्री अनिल कुमार ने इस कार्यालय में दरख्वास्त दी है कि इनके पुत्र श्री (Prince Sepohia) (प्रिंस सपोहिया) का जन्म पंचायत रजिस्टर में गलती से दर्ज न करवाया गया है अब दर्ज किया जाए । इनके पुत्र की जन्म तिथि 30-12-1992 (Thirtieth of December one thousand nine hundred ninty two) है तथा बच्चे का जन्म गांव जखोटी में हुआ है ।

अतः इस नोटिस द्वारा समस्त जनता तथा सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उपरोक्त नाम दर्ज करवाने बारे कोई आपत्ति या उजरदारी हो तो वह दिनांक 15-1-1996 समय 10 बजे प्रातः स्वयं अथवा किसी वाकिफ़ाल के माध्यम से हमारे समक्ष अदालत में हाजिर आ कर के पेश करें अन्यथा एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी ।

आज दिनांक 14-11-95 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर ।

जितेन्द्र कुमार देव,
कार्यकारी दण्डाधिकारी जयसिंहपुर,
जिला कांगड़ा (हि0 प्र0) ।

ब अदालत श्री एस0 एस0 इन्दौरिया, कार्यकारी दण्डाधिकारी, खुंडियां, जिला कांगड़ा

श्रीमती कौशल्या देवी विधवा पावित चन्द, निवासी गांव टिप्पर बूहला मौजा गलवाड़, तहसील खुंडियां, जिला कांगड़ा ।

बनाम

आम जनता

विषय.—दरख्वास्त जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्रीमती कौशल्या देवी विधवा पावित चन्द, निवासी गांव टिप्पर बूहला मौजा गलवाड़, तहसील खुंडियां ने इस कार्यालय में प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया है कि उसके पति पावित चन्द की मृत्यु दिनांक 10-9-1990 को हुई है परन्तु अज्ञानता के कारण उसकी मृत्यु पंचायत अभिलेख में दर्ज न करवाई गई है ।

अतः इस इश्तहार द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अगर श्री पावित चन्द पुत्र प्रेम चन्द, गांव टिप्पर बूहला, तहसील खुंडियां की मृत्यु तिथि 10-9-1990 बारे किसी को कोई एतराज अथवा उजर हो तो वह तारीख पेशी 12-12-1995 को असालतन एवं वकालतन अपना उजर पेश कर सकता है । अन्यथा दिनांक 12-12-1995 को एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर पावित चन्द पुत्र प्रेम चन्द की मृत्यु तिथि 10-9-1990 दर्ज करने बारे आदेश पारित कर दिये जायेंगे ।

आज दिनांक 13-11-95 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ ।

मोहर ।

एस0 एस0 इन्दौरिया
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
खुंडियां, जिला कांगड़ा ।

ब अदालत श्री लच्छमण दास ठाकुर, नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी व सहायक समाहर्ता, द्वितीय श्रेणी, पालमपुर जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

किस्म मुकद्दमा : तसदीक इन्तकाल तारीख पेशी 26-12-95

रत्न सिंह बनाम गजन सिंह आदि ।

विषय : इन्तकाल नं0 92 मुहाल व मौजा दिक्कर इन्दराज नं0 744, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा बनाम हकूक मलकीयत, जेर धारा 104 (3) हलैण्ड रैवन्यू, हिमाचल प्रदेश दर्ज करने हेतु ।

उपरोक्त विषय पर प्रार्थी श्री रत्न सिंह पुत्र अमर नाथ, वासी दिक्कर, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा ने आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है कि बावजूद इश्तहार के सभी श्री (1) गजन सिंह, (2) रवी सिंह पुत्रान वर्षा, (3) ताराचन्द, (4) ओम सैन पुत्रान नामालूम, सभी निवासी दिक्कर, तहसील पालमपुर उपरोक्त इन्त. की तसदीक करवाने हेतु हाजिर नहीं आते हैं । अतः उन्हें बजरिया इश्तहार राजपत्र हिमाचल प्रदेश द्वारा सूचित किया जाता है कि वह दिनांक 26-12-95 से पहले-पहले असालतन या वकालतन हाजिर अदालत आकर अपना उजर या एतराज पेश कर सकते हैं अन्यथा राजपत्र में नोटिस छपने के एक माह बाद इन्तकाल नं0 92 बहक प्रार्थी तसदीक कर दिया जायेगा ।

आज दिनांक 27-10-95 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ ।

मोहर ।

लच्छमण दास ठाकुर,
नायब तहसीलदार व सहायक समाहर्ता,
द्वितीय श्रेणी, पालमपुर (कांगड़ा) ।

ब अदालत सहायक समाहर्ता, द्वितीय श्रेणी एवं नायब तहसीलदार पालमपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

किस्म मुकद्दमा : तसदीक इन्तकाल तारीख पेशी : 26-12-95

विमला देवी पत्नी हीरा सिंह बनाम आम जनता ।

विषय : प्रार्थना-पत्र बराए तसदीक इन्तकाल मकफूद उल-खबर, मुहाल व मौजा परौर, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ।

उपरोक्त विषय पर प्रार्थिया श्रीमती विमला देवी पत्नी व श्री ओम प्रकाश पुत्र हीरा सिंह वासी परौर, तहसील पालमपुर ने आवेदन प्रस्तुत किया है कि उनका श्री हीरा सिंह पुत्र दुला राम, वासी मुहाल व मौजा परौर सन् 1958 से लापता है । उसके वारसान श्रीमती विमला देवी पत्नी व ओम प्रकाश पुत्र के बहक इन्तकाल मकफूद उल खबर तसदीक किया जावे ।

इस सम्बन्ध में सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह दिनांक 26-12-95 से पहले-पहले उपस्थित अदालत असालतन या वकालतन आकर अपना उजर व एतराज प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा राजपत्र में नोटिस छपने के एक माह पश्चात इन्तकाल मकफूद उल-खबर बहक वारसान उपरोक्त तसदीक कर दिया जायेगा ।

आज दिनांक 27-10-95 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ ।

मोहर ।

लच्छमण दास ठाकुर,
नायब तहसीलदार व सहायक समाहर्ता,
द्वितीय श्रेणी, पालमपुर, (कांगड़ा) ।

ब अदालत श्री लच्छमण दास ठाकुर, नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी व सहायक समाहर्ता, द्वितीय श्रेणी, पालमपुर

Case No. 73/95

किस्म मुकद्दमा : तकसीम तारीख पेशी : 26-12-95

महन्त राम बनाम पुष्पा देवी आदि ।

प्रार्थना-पत्र तकसीम भूमि खाता नं0 42, खतौनी नं0 137 से 139, खसरा किता 4, रकबा तादादी 0-19-81 हैक्टेयर, महाल मोहल्ला पालमपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ।

उपरोक्त मुकद्दमा में उत्तरवादीगण (1) श्रीमती फूला पुत्री मंगू, (2) देसी राम पुत्र लीलणू, (3) मस्या, (4) मामनी, (5) कुमारी मिमरो पुत्रियां, (6) टेक चन्द, (7) प्यार चन्द पुत्रान, (8) काली देवी सिमरो पुत्रियां, (9) श्रीमती बख्खो, (10) श्रीमती कलासां देवी, विधवा माघो, (11) संध्या देवी, (12) विमला देवी पुत्रियां, (13) प्यार चन्द, (14) तुलसी राम, (15) कश्मीर सिंह पुत्रान, (16) श्रीमती लक्ष्मी देवी विधवा शिव दयाल, (17) अश्वनी कुमार, (18) संजय कुमार, (19) नरसिंह सिंह पुत्रान, (20) श्रीमती सरोज कुमारी पुत्री, (21) श्रीमती शीला देवी विधवा मखोली, (22) नरेश कुमार, (23) राज कुमार पुत्रान, (24) श्रीमती कान्ता देवी विधवा मिलाप चन्द, (25) श्यामा राम पुत्र देसा, (26) .... पुत्र .... सभी महाल मोहल्ला/पालमपुर, जिला कांगड़ा को बजरिया इश्तहार हिमाचल प्रदेश राजपत्र द्वारा सूचित किया जाता है कि वह दिनांक 26-12-95 को हाजिर अदालत आकर मुकद्दमा की पैरवी करें अन्यथा एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जावेगी। इसके बाद कोई उजर व एतराज काबिले समायत न होगा।

आज दिनांक 16-10-95 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

लक्ष्मण दास ठाकुर,
नायब तहसीलदार व सहायक समाहर्ता,
द्वितीय श्रेणी, पालमपुर (कांगड़ा)।

न्यायालय श्री लक्ष्मण दास ठाकुर, नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी व सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी पालमपुर (हि0 प्र0)।

किस्म मुकद्दमा : तकसीम | केस नं0 32/95
तारीख पेशी 26-12-95

धर्म चन्द बनाम घनश्याम सिंह आदि।

प्रार्थना-पत्र तकसीम भूमि खाता नं0 52 खतौनी नं0 123-124 खसरा नं0 91, 128, 130, 98, 99, 129 व 134 किता 7 भूमि रकबा तादादी 0-47-00 हैक्टेयर महाल व मौजा बघोटला, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

उपरोक्त मुकद्दमा में प्रतिवादीगण (1) घनश्याम सिंह, (2) मोहन सिंह, (3) राजेन्द्र सिंह पुत्रान कपूर सिंह, (4) कुमारी ऊषा देवी, (5) निशा देवी, (6) कुमारी काली देवी पुत्रियां व (7) श्रीमती कौशल्या देवी विधवा देवी सिंह, (8) ठाकुर सिंह, (9) प्रेम सिंह, (10) किशन सिंह पुत्रान व (11) श्रीमती मन्सा देवी, (12) श्रीमती आशा देवी, (13) श्रीमती विमला देवी पुत्रियां जसवन्त सिंह, (14) मिलाप सिंह, (15) कीकर सिंह पुत्रान भारथुज, (16) जगत सिंह पुत्र मथरा, (17) श्रीमती शीला विधवा त्रिलोक सिंह, (18) कुलदीप सिंह, (19) कमल सिंह पुत्रान, (20) श्रीमती रुकमणी, (21) कुमारी गुड्डी देवी, (22) कुमारी मधु देवी उर्फ मोह देवी पुत्रियां (23) श्रीमती रोशनी देवी विधवा जनम सिंह, (24) जगत राम, (25) दूनी राम पुत्रान भुजा, (26) रत्नू, (27) राम दित्ता, (28) निहाला, (29) जगदीश पुत्रान गणेशा सभी महाल व मौजा बघोटला, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा को बजरिया इश्तहार राजपत्र हिमाचल प्रदेश द्वारा सूचित किया जाता है कि वह दिनांक 26-12-95 को प्रातः दस बजे असालतन या वकालतन हाजिर अदालत आकर मुकद्दमा की पैरवी करें। हाजिर न आने की सूरत में एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जावेगी। उसके बाद कोई उजर या एतराज काबिले समायत न होगा।

आज दिनांक 28-10-95 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

लक्ष्मण दास ठाकुर,
नायब तहसीलदार व सहायक समाहर्ता,
द्वितीय श्रेणी, पालमपुर (कांगड़ा)।

न्यायालय श्री नेत्तर सिंह भारद्वाज, नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

केस नं0	तारीख दायरा	तारीख पेशी
120/95	15-11-95	8-1-96

नरम लाल बनाम आम जनता

प्रार्थना-पत्र अधीन धारा 13 (3) जन्म एवम् मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969

श्री नरम लाल भट्ट पुत्र श्री बिहारी लाल, निवासी भवारना, डा0 पंचरुखी, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा ने इस कार्यालय में गुजारिश की है कि उस के पुत्र अरुण भट्ट का जन्म उस की पत्नी श्रीमति सरिता भट्ट की कोख से दिनांक 28 जून, 1992 को हुआ है। लेकिन उस की जन्म तिथि पंचायत रिकार्ड जन्म-मृत्यु में दर्ज नहीं है।

अतः इस इश्तहार राजपत्र हिमाचल प्रदेश द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अगर इस बारे किसी व्यक्ति को कोई उजर या एतराज हो तो वह अपना उजर व एतराज इस अदालत में 8-1-96 को सुबह 10 बजे असालतन या वकालतन हाजिर आकर पेश कर सकता है। बाद गुजरने मियाद कोई उजर या एतराज काबिले समायत न होगा और सम्बन्धित पंचायत जन्म-मृत्यु को उपरोक्त अरुण भट्ट की जन्म तिथि पंजीकरण के आदेश दे दिए जाएंगे।

आज दिनांक 15-11-1995 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

नेत्तर सिंह भारद्वाज,
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
पालमपुर, जिला कांगड़ा, (हि0प्र0)।

न्यायालय श्री नेत्तर सिंह भारद्वाज, नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी व सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी, पालमपुर जिला कांगड़ा

केस नं0 53/95 किस्म मुकद्दमा : तकसीम तारीख पेशी 8-1-96

अनन्त राम आदि बनाम राम नाथ आदि।

प्रार्थना पत्र तकसीम भूमि खाता नं0 28, खतौनी नं0 30, खसरा नं0 62, रकबा तादादी 0-12-10 है0, महाल भलवारकड़, मौजा गढ़ जमूला, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा।

उपरोक्त विषय के सन्दर्भ में प्रतिवादी (1) रामनाथ पुत्र लछमण (2) धनुराम, (3) अरविन्द पुत्रान राधाकृष्ण, (4) सुशील चन्द पुत्र हरभज, (5) अमरनाथ, (6) हुकम चन्द पुत्रान व (7) श्रीमति कला देवी, विधवा दुनिया, (8) नरेश कुमार पुत्र प्रीतम चन्द सभी मुहाल भलवारकड़, मौजा गढ़ जमूला, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश को बजरिया इश्तहार राजपत्र, हिमाचल प्रदेश सूचित किया जाता है कि वह दिनांक 8-1-96 को प्रातः 10 बजे असालतन या वकालतन हाजिर अदालत आकर मुकद्दमा की पैरवी करें। अन्यथा एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जावेगी, उसके बाद कोई उजर या एतराज काबिले समायत न होगा।

आज दिनांक 15-11-95 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

नेत्तर सिंह भारद्वाज,
नायब तहसीलदार, पालमपुर।

ब अदालत श्री नेत्र सिंह भारद्वाज, नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

केस नं0 51/95 तारीख पेशी 8-1-96

किस्म मुकद्दमा : तकसीम

अनन्त राम आदि बनाम राम नाथ आदि

प्रार्थना पत्र तकसीम भूमि खाता नं0 26, खतौनी नं0 28, खसरा नं0 18, 66, 100, 101 किता 4, रकबा तादादी 0-20-67 है0 महाल अरकड़, मौजा गढ़ जमूला, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा ।

उपरोक्त मिसल के सम्बन्ध में प्रतिवादि 1 राम नाथ पुत्र लच्छमण (2) भगत, (3) अरविन्द पुत्रान राधा कृष्ण (4) सुग्रीव चन्द पुत्र हरनाम, मुहाल अरकड़, मौजा गढ़ जमूला, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश को बजरिया इश्तहार राजपत्र सूचित किया जाता है कि वह दिनांक 8-1-96 को प्रातः 10 बजे असालतन या वकालतन हाजिर अदालत आकर मुकद्दमा की पैरवी करें, अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जावेगी । उस के बाद कोई उजर या एतराज काबले समायत न होगा ।

आज दिनांक 15-11-95 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ ।

मोहर । नेत्तर सिंह भारद्वाज,
नायब तहसीलदार, पालमपुर ।

ब अदालत श्री नेत्र सिंह जसवाल, सहायक समाहर्ता, प्रथम श्रेणी पालमपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मुकद्दमा नं0 28/93 तिथि पेशी 2-1-1996

जसबीर सिंह बनाम बिशन दास

मुकद्दमा तकसीम खाता नं0 98, खतौनी नं0 243, 244, 245, 246, 247 खसरा नं0 किता 16 रकबा तादादी 0-16-80 हैक्टेयर स्थित महाल व मौजा अरला, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा ।

जसबीर सिंह पुत्र महिन्दर सिंह, पुत्र बिशन दास, निवासी महाल व मौजा अरला, तहसील पालमपुर . . वादी ।

बनाम

1. बिशन दास पुत्र, 2. मनसा देवी, 3. शीला देवी पुत्रियां चूहड़ू पुत्र काहल, 4. सरन दास पुत्र चूहड़ू, 5. शुभकरण पुत्र थानू, 6. ज्ञान सिंह, 7. अवतार सिंह पुत्रान मोहन सिंह पुत्र बिशन दास, 8. मोहन सिंह पुत्र बिशन दास सभी निवासी अरला, तहसील पालमपुर . . प्रतिवादीगण ।

उपरोक्त प्रतिवादीगण को बजरिया समन इत्तलाह दी गई कि वह उपरोक्त मुकद्दमा की पैरवी हेतु असालतन या वकालतन हाजर अदालत आवें मगर समन हजा की तामील साधारण तरीका से न हो सकी ।

अतः उपरोक्त प्रतिवादीगण को बजरिया इश्तहार सूचित किया जाता है कि उपरोक्त मुकद्दमा की पैरवी हेतु दिनांक 2-1-1996 को प्रातः 10.00 बजे असालतन या वकालतन हाजर अदालत आवें अन्यथा हाजर न आने की सूरत में एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जावेगी ।

यह इश्तहार आज दिनांक 3-11-1995 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी हुआ ।

मोहर । नेत्र सिंह जसवाल,
सहायक समाहर्ता,
प्रथम श्रेणी पालमपुर (हि0 प्र0) ।

ब अदालत श्री नेत्र सिंह भारद्वाज, नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

तारीख दायरा 17-10-95

तारीख पेशी 11-12-95

केस नं0 118/95

आशा देवी बनाम आम जनता ।

प्रार्थना-पत्र अधीन धारा 13(3) जन्म/मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्रीमती आशा देवी पत्नी कल्याण चन्द, निवासी कोटवाल-लाहड़ साईं (थुरल), तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ने इस कार्यालय में प्रार्थना-पत्र दिया है कि दिनांक 27-12-1990 को उसकी कोख से सुनीता देवी का जन्म हुआ है, लेकिन उसकी जन्म तिथि पंचायत रिकार्ड भटाण, डाकखाना थुरल में दर्ज नहीं है ।

अतः इस इश्तहार राजपत्र, हिमाचल प्रदेश द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अगर इस बारे किसी व्यक्ति को कोई उजर या एतराज हो तो वह अपना उजर या एतराज इस अदालत में दिनांक 11-12-1995 को सुबह दस बजे असालतन या वकालतन हाजिर आकर पेश कर सकता है । बाद गुजरने मियाद कोई उजर काबिले समायत न होगा, और सम्बन्धित पंचायत भटाण को उपरोक्त सुनीता देवी की जन्म तारीख पंजीकरण के आदेश दे दिए जाएंगे ।

आज दिनांक 17-10-1995 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ ।

मोहर । नेत्र सिंह भारद्वाज,
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
पालमपुर, जिला कांगड़ा,
हिमाचल प्रदेश ।

ब अदालत श्री नेत्र सिंह भारद्वाज, नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा

केस नं0 119/95

तारीख दायरा 17-10-95

तारीख पेशी 11-12-95

प्रेम लता बनाम आम जनता ।

प्रार्थना-पत्र अधीन धारा 13(3) जन्म/मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्रीमती प्रेम लता पत्नी श्री प्रषोतम चन्द मैहरा, निवासी कोटवाल-लाहड़ साईं (थुरल), तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ने इस कार्यालय में प्रार्थना-पत्र दिया है कि दिनांक 16-12-1988 को उसकी कोख से बीरेन्द्र कुमार (पुत्र) का जन्म हुआ है, लेकिन उसकी जन्म तिथि पंचायत रिकार्ड भटाण, डाकखाना थुरल में दर्ज नहीं है ।

अतः इस इश्तहार राजपत्र, हिमाचल प्रदेश द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अगर इस बारे किसी व्यक्ति को कोई उजर या एतराज हो तो वह इस अदालत में दिनांक 11-12-1995 को सुबह दस बजे असालतन या वकालतन हाजिर आकर पेश कर सकता है, बाद गुजरने मियाद कोई उजर काबिले समायत न होगा तथा सम्बन्धित पंचायत भटाण को उपरोक्त बीरेन्द्र कुमार की जन्म तिथि पंजीकरण के आदेश दे दिए जाएंगे ।

आज हमारी अदालत से मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत दिनांक 17-10-1995 को जारी हुआ।

मोहर।

नेत्र सिंह भारद्वाज,
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
पालमपुर, जिला कांगड़ा,
हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री लच्छमण दास ठाकुर, नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी व सहायक समाहर्ता, द्वितीय श्रेणी, पालमपुर

केस नं० 23/95

तारीख पेशी 26-12-95

किस्म मुकद्दमा : तकसीम

धर्मू उर्फ धर्म चन्द बनाम उत्तम सिंह आदि।

प्रार्थना-पत्र तकसीम भूमि खाता नं० 35, खतौनी नं० 87 से 90 खसरा नं० 2, 3, 38, 5 व 27, किता 5 भूमि रकबा तादादी 1-25-63 हैक्टेयर, महाल व मौजा बघोटला, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा।

उपरोक्त मुकद्दमा में प्रतिवादीगण 1. उत्तम सिंह, 2. ओम प्रकाश, 3. केहर सिंह, पुत्रान हीरा सिंह, 4. जगत राम, 5. दूलो राम पुत्रान मथा, 6. करनैल सिंह, 7. सुरेन्द्र कुमार पुत्रान व 8. श्रीमती कौसरो देवी विधवा प्रेम सिंह, मुहाल व मौजा बघोटला, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा को बजरिया इश्तहार राजपत्र हिमाचल प्रदेश द्वारा सूचित किया जाता है कि वह दिनांक 26-12-1995 को प्रातः दस बजे असालतन या वकालतन हाजिर अदालत आकर मुकद्दमा की पैरवी करें अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जावेगी। उस के बाद कोई उजर या एतराज काबले समायत न होगा।

आज दिनांक 28-10-1995 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

लच्छमण दास ठाकुर,
नायब तहसीलदार,
पालमपुर।

ब अदालत श्री लच्छमण दास ठाकुर, नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी व सहायक समाहर्ता, द्वितीय श्रेणी, पालमपुर

तारीख पेशी 26-12-95

केस नं० 24/95

किस्म मुकद्दमा : तकसीम

धर्म चन्द बनाम सरन आदि।

प्रार्थना-पत्र तकसीम भूमि खाता नं० 14, खतौनी नं० 30 से 40, खसरा नं० 189, 195, 665, 669, 200, 499, 523, 545, 546, 547, 664, 666, 194, 197, 518, 531, 204, 524, 667, 670, 498, 668, 196, 199, 501, 519, 500, 190 व 201, किता 30, रकबा तादादी 0-81-98 हैक्टेयर, मुहाल व मौजा बघोटला, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

उपरोक्त मुकद्दमा में प्रतिवादीगण 1. सरन पुत्र दितती, 2. हजतो पुत्र भवानी, 3. भादर राम, 4. कर्म चन्द, 5. घासक राम पुत्रान रसालू, 6. जगत राम, 7. हालो राम पुत्रान सुखा, 8. श्रीमती देही पुत्री व 9. शिव कुमार पुत्र किरपा, 10. श्रीमती चरजू पत्नी व 11. चैना राम पुत्र कर्म चन्द सभी निवासी मुहाल व मौजा बघोटला, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश को बजरिया इश्तहार राजपत्र, हिमाचल प्रदेश द्वारा सूचित किया जाता है कि वह दिनांक 26-12-1995 को प्रातः 10.00 बजे हाजिर अदालत आकर मुकद्दमा की पैरवी करें, अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जावेगी, उसके बाद कोई उजर या एतराज काबले समायत न होगा।

आज दिनांक 28-10-1995 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

लच्छमण दास ठाकुर,
नायब तहसीलदार,
पालमपुर।

In the Court of Shri Santosh Kumar, Executive Magistrate, Sub-Tehsil Rakkar, District Kangra, (H. P.),

Shri Ashwani Kumar s/o Shr. Mansha Ram, r/o of village Kuhna, Sub-Tehsil Rakkar District Kangra.

Versus

General Public

Application U/s 13 (3) of Birth and Death Act, 1969,

Shri Ashwani Kumar son of Shri Mansha Ram, resident of village Kuhna, P. O. Kuhna, Sub-Tehsil Rakkar, District Kangra, Himachal Pradesh to the Court of Executive Magistrate has given an application that his daughter Radha Sharma birth wrongly not entered in the Register of Gram Panchayat. Her date of birth is 14-6-1990 and the child is born in village Kuhna.

As such through this notice all neighbours and relatives are hereby informed. In case any difficulty in registration of her name then she dated 10-1-1996 at 10 A.M. produce documentary proof otherwise needful be done. Today dated the 13th November, 1995 issued under my signature and court stamp.

Seal.

SANTOSH KUMAR,
Executive Magistrate
Rakkar, Kangra (H. P.).

ब अदालत श्री परमदेव शर्मा, सहायक समाहर्ता (द्वितीय श्रेणी), उप-तहसील भड़ोल

तस्दीक किये जाने इन्तकाल नं० 119 खाता नं० 11 मिन/36 रकबा तादादी किता 31-9-5 बीघा, मुहाल लाहला/34 जेरधारा 104 हि० प्र० मुजारियत एवं भू-सुधार अधिनियम, 1972.

श्री प्रेम सिंह, रतन लाल, रंगील सिंह पुत्र व श्रीमति तारी देवी भाग बराबर (1) भाग पूर्ण चन्द, धनी राम, पिजू पुत्र हुंगनाकी पुत्र छल्लू भाग बराबर (1) भाग पंजाब सिंह पुत्र चेता पुत्र छल्लू (1) भाग, जगदीश चन्द पुत्र व श्रीमती पार्वती देवी, श्रीमती भीमा देवी, श्रीमती सावित्री देवी पुत्रियां लैहणू पुत्र छल्लू भाग बराबर (1) भाग तोखा पुत्र स्वारू पुत्र मोती (4) भाग, निवासी महाल लाहला।
..वादीगण।

बनाम

श्री मगलू, श्यामा पुत्र जोगू पुत्र गोदड़ भाग बराबर गैर मौरूसी।
.प्रतिवादीगण।

उपरोक्त इन्तकाल प्रतिवादी के पक्ष में दर्ज होकर दिनांक 11-9-95 को बराए तस्दीक हमारे समक्ष पेश हुआ परन्तु मालकान (वादीगण) हाजर नहीं हुए। मालकान को कई बार इत्तलाह करवाने के लिए नोटिस जारी हुए लेकिन उनकी तामिल साधारण तरीके से होना कठिन है इसलिए उन्हें सिविल प्रसिजर कोड के आदेश 5 नियम 20 के अन्तर्गत इश्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि वे इस इश्तहार के जारी होने के उपरान्त एक माह के अन्दर-अन्दर मुकाम रोखड़ी में आकर अपनी पैरवी करें अन्यथा यह इन्तकाल बहक वादी मन्जूर कर दिया जाएगा।

यह इश्तहार आज दिनांक 13-11-1995 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर द्वारा जारी किया गया ।

मोहर । परम देव शर्मा'
सहायक समाहर्ता, द्वितीय श्रेणी,
उप-तहसील भड़ोल ।

In the Court of Shri J. K. Sharma, Sub Judge 1st Class, Sundernagar, Distt. Mandi, (H. P.)

Petition for Succession Certification.

Proclaimation under order 5 rule 20 (1-A) C. P. C.

Succession Application No. 2/95.

In the matter of :

1. Smt. Krishna Devi wd/o, 2. Smt. Lalita, 3. Smt. Pushpa, 4. Smt. Dinesh Kumari all daughters of 5. Sh. Jyoti Parkash, 6. Sh. Harish Chander both sons of late Shri Amar Nath son of Shri Jai Krishan, rs/o village and Post Office Chambi, Muhal Bharari, Tehsil Sundernagar, Distt. Mandi (H. P.)

..Petitioners.

Versus

General public. ..Respondent.

To

The general public.

Whereas the above noted petitioners have moved an application praying therein one that succession Certificate in respect of Rs. 21,252/- (Rs. Twenty thousand two hundred and fifty two only) alongwith interest lying in saving Account No. 27014 in Post Office, Bhojpur and Rs. 5304-70 p. (Rs. Five Thousand three hundred four and seventy paise only) lying in Account No. 11093 in State Bank of India, Sundernagar Branch in the name of Shri Amar Nath son of Shri Jai Kishan r/o Village and Post Office Chambi, Muhal Bharari, Tehsil Sundernagar, District Mandi, (H.P.) who died on 22-7-1995 may be issued in their favour as they are the only surviving legal heirs of Shri Amar Nath aforesaid.

Hence, this proclamation is hereby issued to the General public to file their objection, if any, before this Court on 15-12-1995 at 10.00 A. M. either personally or through authorised agent, failing which succession certificate as sought may be granted *ex-parte* in favour of the petitioners.

Given under my hand and the Seal of the Court this the 14th day of November, 1995.

Seal.

J. K. SHARMA,
Sub-Judge 1st Class,
Sundernagar, District,
Mandi, (H.P.)

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी, सुन्दरनगर, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

व मुकदमा :

श्री नरेश रावत पुत्र केशव सिंह रावत, निवासी अरठी, डाकखाना कपाही, तहसील सुन्दरनगर, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश ..प्रार्थी ।

बनाम

आम जनता ..प्रत्यार्थी ।

दरख्वास्त जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम 1969 के अन्तर्गत ।

नोटिस

उपरोक्त उनवान मुकदमा में प्रार्थी श्री नरेश रावत पुत्र केशव सिंह रावत निवासी अरठी, तहसील सुन्दरनगर ने इस अदालत में प्रार्थना-पत्र गुजारा है कि उसके पुत्र रजत रावत व पुत्री शिवांगी की जन्म तिथि गलती से पंचायत रजिस्टर में दर्ज नहीं करवाई है, जो अब दर्ज की जावे । पुत्र रजत रावत की जन्म तिथि 5-1-1994 व पुत्री शिवांगी की जन्म तिथि 7-2-1995 है ।

अतः इस नोटिस द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को इनका नाम व जन्म तिथि पंचायत में दर्ज करने बारा कोई उजर व एतराज हो तो वह दिनांक 22-12-95 समय 10 बजे प्रातः अदालत या वकालतन हाजिर अदालत आकर प्रस्तुत कर सकते हैं अन्यथा हाजिर न आने की सूरत में कार्यवाही यकतरफा अमल में लाई जावेगी ।

आज दिनांक 6-11-95 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ ।

मोहर ।

हस्ताक्षरित/-
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
सुन्दरनगर, जिला मण्डी ।

ब अदालत श्री बी0 डी0 शर्मा, उप-पंजीकाध्यक्ष (तहसीलदार), तहसील सरकाघाट, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

सर्वश्री राजेन्द्र कुमार, दीप कुमार सुपुत्रगण श्री ज्ञान चन्द, शकुन्तला देवी विधवा श्री ज्ञान चन्द, गांव जलोठ, ईलाका बैरा, तहसील सरकाघाट .. प्रार्थीगण ।

बनाम

1. आम जनता हिमाचल प्रदेश, 2. रोशनी देवी पत्नी श्री दत्त राम, 3. श्रीमती सीमरा देवी पत्नी श्री भाग सिंह, निवासीगण पन्याली, ईलाका बैरा, 4. कमलेश कुमार सुपुत्र श्री चन्द्रमणी, गांव डकोहली (पौंटा) ईलाका बैरा ... प्रत्यार्थीगण ।

विषय.—दरख्वास्त वसीयतनामा बगर्ज पंजीकृत किए जाने ।

प्रार्थीगण ने दिनांक 2-6-95 को दरख्वास्त व छाया प्रति वसीयतनामा इस अदालत में पेश की है । श्री ज्ञान चन्द पुत्र श्री मिरजा, गांव जलोठ, ईलाका बैरा ने दिनांक 17-6-1994 को ख्वरू गवाहन व शिनाख्त कर्ता प्रार्थीगण के नाम तहरीर करवाई है जो कि बगर्ज पंजीकृत प्रस्तुत की है । मृत्यु प्रमाण-पत्र जिसके अनुसार श्री ज्ञान चन्द दिनांक 30-4-95 को फौत हो चुका है । अतः आम जनता को बजरिया इश्तहार सूचित किया जाता है कि अगर किसी व्यक्ति को इस वसीयतनामा के पंजीकृत करवाने में एतराज हो तो वह दिनांक 2-1-1996 को सुबह 10 बजे अमालतन या वकालतन हाजिर आ कर अपना एतराज प्रस्तुत कर सकते हैं । अन्यथा कार्यवाही नियमानुसार अमल में लाई जावेगी ।

आज दिनांक 4-11-1995 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ ।

मोहर । बी0 डी0 शर्मा,
उप-पंजीकाध्यक्ष,
सरकाघाट, जिला मण्डी (हि0 प्र0) ।

ब अदालत श्री मनोहर लाल, उप-पंजीकाध्यक्ष (नायब तहसीलदार) तहसील सरकाघाट, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

श्री प्रकाश चन्द पुत्र श्री दिले राम, गांव पांवटा, ईलाका बैरा, तहसील सरकाघाट, जिला मण्डी .. प्रार्थी ।

बनाम

आम जनता .. फरीक दोयम ।

विषय : दरख्वास्त बगर्ज पंजीकृत किये जाने वसीयतनामा ।

प्रार्थी ने दिनांक 16-10-95 को दरख्वास्त व छाया प्रति वसीयत इस बदालत पेश की है । श्री दिले राम पुत्र श्री लच्छमण, गांव पौंटा,

ईलाका वैरा न रूबरु गवाहान व शिनाख्त कर्ता प्रार्थी के नाम तहरीर करवाई है जो कि बगर्ज पंजीकृत प्रस्तुत की है। मृत्यु प्रमाण पत्र जिसके अनुसार श्री दिले राम मिति 17-6-95 को फौत हो चुका है।

अतः आम जनता को बजरिया इशतहार सूचित किया जाता है कि अगर किसी व्यक्ति को इस बसीयतनामा के पंजीकृत करवाने में एतराज हो तो वह दिनांक 14-12-95 को सुबह दस बजे असालतन या वकालतन हाजर आकर अपना एतराज प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा कार्यवाही नियमानुसार अमल में लाई जायेगी।

आज दिनांक 31-10-95 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

मनोहर लाल,
उप-पंजीकाध्यक्ष,,
सरकाघाट, जिला मण्डी,
हिमाचल प्रदेश।

व अदालत श्री राजीव शर्मा, उप मण्डल दण्डधिकारी ठियोग, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश

श्री रामानन्द पुत्र माठाराम, ग्राम शिलडु, तहसील, ठियोग, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश।

बनाम

आम जनता

विषय :— दरख्वास्त जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री रामानन्द पुत्र माठाराम, ग्राम शिलडु, ततसील ठियोग ने इस कार्यालय में गुजारिश की है, उसके कि पुत्र बृजलाल का जन्म 6 अक्तूबर 1993 व कुमारी उषा देवी का जन्म 31 जनवरी, 1991 को हुआ है, जिसका नाम पंचायत रिकार्ड घरेच, तहसील ठियोग में दर्ज नहीं है।

अतः इस इश्तहार द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि यदि उक्त नाम पंचायत रिकार्ड में दर्ज करने बारा कोई एतराज हो तो वह मिती 12-12-95 को हाजिर अदालत आ कर अपना एतराज पेश कर सकते हैं। अन्यथा सम्बन्धित पंचायत सचिव को उक्त नाम व जन्म तिथि दर्ज करने बारा आदेश दे दिये जायेंगे।

आज दिनांक 8-11-95 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी किया गया।

मोहर।

राजीव शर्मा,
उप-मण्डल दण्डाधिकारी,
ठियोग, जिला शिमला (हि० प्र०)।

व अदालत श्री प्रताप सिंह पठानिया कार्यकारी दण्डाधिकारी, पांवटा जिला सिरमौर

श्री मुहम्द युसुफ पुत्र मुहम्द हनीफ, निवासी देवीनगर, तहसील पांवटा साहिब, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश।

बनाम

आम जनता

उपरोक्त प्रार्थना-पत्र श्री मुहम्मद युसुफ पुत्र मुहम्मद हनीफ, निवासी देवीनगर, तहसील पांवटा साहिब, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश ने अधीन धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 के अन्तर्गत प्रस्तुत करके प्रार्थना की है कि उस के पुत्र अकरम जिसकी जन्म तिथि 27-9-1990 है का नाम नगरपालिका पांवटा साहिब के रिकार्ड में दर्ज नहीं करवाया गया है जिसे प्रार्थी अब दर्ज करवाना चाहता है।

अतः सर्व साधारण को इस इश्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को उजर या एतराज हो तो वह स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि द्वारा मिति 15-12-1995 को सुबह दस बजे इस अदालत में उपस्थित आकर प्रस्तुत करें बसुरत दीगर श्री/कुमार अकरम पुत्र मुहम्मद युसुफ का नाम एवं जन्म तिथि को दर्ज करने के आदेश जारी कर दिये जावेंगे।

आज दिनांक 1-11-1995 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

प्रताप सिंह पठानिया,
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
पांवटा साहिब।

In the Court of Shri S. S. Sen, Senior Sub-Judge, Nahan, Dirstrict Sirmaur, Himachal Pradesh

Application under order 5 Rule 20 CPC.

Case No. 151/1 of 94

Pending for 4-12-95

Shrimati Giano Devi w/o Shri Virender Singh, r/o Mohalla Kumhar Gali, Nahan, District Sirmaur, Himachal Pradesh . . *Plaintiff.*

Versus

1. Behari Lal s/o, 2. Siri Ram s/o, 3. Snbhash Chand s/o, 4. Om Parkash s/o, 5. Manoj Kumar s/o, 6. Sanjeev Kumar s/o, 7. Shrimati Sarvan Devi d/o, 8. Shrimati Kunti Devi d/o, 9. Shrimati Moli Devi d/o, 10. Shrimati Jeet Kaur d/o, 11. Shrimati Usha Rani d/o, 12. Shrimati Beena Devi d/o, 13. Shrimati Shanti Devi wd/o, 14. Shri Bali Ram s/o late Shri Gokal all r/o Katcha Tank Nahan, District Sirmaur, Himachal Pradesh, Sr. No. 2 r/o Bara Chowk, Nahan.

Whereas in the above noted case, it has been proved to the satisfaction of this Court that the defendants Sr. No. 1 and 7 to 12 mentioned above cannot be served through ordinary process. They are evading the service of summons and notices issued against them.

Hence, this proclamation under order 5, rule, 20 CPC is hereby issued against them to appear in this Court on or before 4-12-95 at 10-00 A. M. personally or through pleader or authorised agent to defend the said case failing which *ex parte* proceeding shall be initiated against them.

Given under my hand and the seal of Court today the 2nd November, 1995.

Seal.

S. S. SEN,
Senior Sub-Judge, Nahan,
District Sirmaur, Himachal Pradesh.

In the Court of Shri Shrikant Baldi IAS District Magistrate, Solan, District Solan, Himachal Pradesh

NOTIFICATION

Solan, the 27th November, 1995

Notice to: To whom it may concern.

No. PSH-III-14/88.—Whereas Shri K.L. Gupta Advocate Solan has applied for the appointment of Public Notary for Solan District under the Notaries Act, 1952 (Act. No. 93 of 1952) on proper performa. In the application, Shri K. L. Gupta Advocate has stated that he is a practising Advocate, His application has been countersigned by the required number

of persons representing Magistrates, Bankers, Merchants and Principal, inhabitants of the local area as per requirement of the Notaries rules, 1956.

And whereas said Shri K.L. Gupta, Advocate has requested that his case may be recommended to the Government for appointment as Notary under the Act. *ibid* for Solan district. However, before his name is recommended to the Government for appointment as Notary Public, it is felt expedient that the objection of the public are invited for the appointment of Shri K.L. Gupta Advocate as Public Notaries for Solan district.

Now, therefore, I, Shrikant Baldi, District Magistrate, Solan, District Solan, exercising the powers of competent authority under the Notaries Act, 1952 do hereby call upon that person who has any objection for the appointment of Shri K. L. Gupta Advocate, Solan as Public Notary for Solan district may be filed before me at Solan within a period of 14 days from the date of publication of this notification in the Himachal Pradesh Rajpatra. The objections received after 14 days will not be entertained.

Given under my hand and seal of the Court today the 9th day of November, 1995.

Seal.

SHRI KANT BALDI,
District Magistrate Solan.

ब अदालत उप-पंजिकार, तहसील अर्की, जिला सोलन
हिमाचल प्रदेश

बालक राम पुत्र श्री जगरनाथ, ग्राम सन्याड़ी, परगना खाला तहसील अर्की ..सायल।

बनाम

श्रीमती जानकी, सरस्वती पुत्रियां व श्रीमती गुलाब विधवा सुदामा निवासी सन्याड़ी, परगना खाला।

बनाम आम जनता

प्रार्थना-पत्र जेर धारा 40/41 भारतीय पंजीकरण ऐक्ट बराये पंजीकरण कराने वसीयतनामा दिनांक 25-7-95 मुतवफी सुदामा राम पुत्र धुन्गो, निवासी सन्याड़ी, वहक बाबूराम, बालक राम जीतराम, रीघीराम, प्रकाश चन्द।

इस इश्तहार द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी श्री बालक राम पुत्र जगरनाथ ने श्री सुदामा राम पुत्र धुन्गो द्वारा की गई दिनांक 25-7-95 की घरेलू वसीयत को पंजीकरण करने के लिए इस न्यायालय में प्रार्थना-पत्र दिया है। अतः जिस किसी भी आम या खास व्यक्ति को इस बारे कोई उजर या एतराज हो तो वह दिनांक 8-12-95 को इस न्यायालय मे आकर अपना एतराज पेश करें अन्यथा इसके बाद कोई एतराज व उजर काबले समायत न होंगे।

आज दिनांक 8-11-95 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर। हस्ताक्षरित/-
उप-पंजिकार,
तहसील अर्की, जिला सोलन (हि प्र0)।

Copy of the Order/Judgement/Statement/passed/delivered/recorded on 16-11-1995 by the Hon'ble Mr. Justice A. L. Vaidya, J. The Company Petition 5/95 titled :—

In the Matter of :
Companies Act, 1956 (1 of 1956) (the said Act)

And

In the matter of :
Scheme of Amalgamation of Himachal Telematics Limited and Himachal Futuristic Communications Limited.

And

In the matter of :
Himachal Futuristic Communications Limited .. *Petitioner/Applicant.*

MEMO OF PARTIES

Petitioner's address for Service :
Himachal Futuristic Communications Limited, having its registered office at 8 Electronic Complex, Chambaghat, Solan, Himachal Pradesh .. *Petitioner/Applicant.*

COPY OF ORDER/JUDGEMENT/STATEMENT

IN THE HIGH COURT OF HIMACHAL PRADESH AT SHIMLA-171001

Case No. Company Pt. 5/95 Petitioner/Applicant/Plaintiff.

Versus

In the matter of:
Himachal Futuristic Communications Limited.
.. Respondent/Defendant.

Date 16-11-1995 Orders

Present: Mr. Deepak Gupta, counsel for the petitioner.

Notice to Central Government through Regional Director, Company Law Board, Kanpur, the Official Liquidator and Chandigarh and the Registrar of Companies at Jalandhar, returnable on or before 21-12-1995. Petition is to be advertised in the Indian Express, Jansatta and the H. P. Rajpatra as per rules. The petitioner to take necessary steps in this behalf within three days. *Dasti* summons, as prayed for, be issued.

16th November, 1995. H. L. VAIDYA,
PC. *Judge.*

IN THE HIGH COURT OF HIMACHAL PRADESH AT SHIMLA

Company Jurisdiction

Company Petition No. 5 of 1995

(Connected with Company Application No. 4 of 1995)

In the matter of :
The Companies Act, 1956

And

In the matter of :
Scheme of Amalgamation of Himachal Telematics Limited.
And

Himachal Futuristic Communications Limited

And

In the matter of :
Himachal Futuristic Communications Limited, 8 Electronics Complex, Chambaghat, Solan, Himachal Pradesh .. *Petitioner/Applicant.*

ADVERTISEMENT OF PETITION

A Petition under Sections 391 and 394 of the Companies Act, 1956 for obtaining the sanction of the Hon'ble High Court of Himachal Pradesh, Shimla to the Scheme of Amalgamation of Himachal Telematics Limited with Himachal Futuristic Communications Limited was presented by the Petitioner Company above named on 8th November, 1995 and was listed on 16-11-1995 and the said Petition is fixed for hearing before the Hon'ble Company Judge on 21-12-1995 at 10.00 A. M. Any person desirous of supporting or opposing the said Petition should send notice of his intention signed by him or his Advocate with his name and address to the Advocate for the Petitioner so as to reach the Petitioner's Advocate not later than 5 days before the date fixed for hearing of the Petition. When he seeks to oppose the Petition, the grounds of opposition or an affidavit shall be furnished with such Notice. A copy of the Petition will be furnished by the undersigned to any person enquiring the same on payment of the prescribed charges for the same.

Dated this 24th day of November, 1995.

DEEPAK GUPTA,
Advocate,
for the Petitioner.
ST. MARK'S
The Mall, Shimla,
Himachal Pradesh.

ब अदालत श्री मलोक सिंह तहसीलदार/कार्यकारी दण्डाधिकारी खुंडिया जिला कांगड़ा

श्रीमती कुमकुम पत्नी श्री ओम प्रकाश, वासी टीहरी, तहसील खुंडिया जिला कांगड़ा।

बनाम

आम जनता

विषय.— दरख्वास्त जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्रीमती कुमकुम पत्नी ओम प्रकाश, वासी टीहरी, तहसील खुंडिया जिला कांगड़ा ने इस कार्यालय में एक दरख्वास्त पेश की है कि उसकी लड़की दीपिका सूद का जन्म दिनांक 8-12-1990 को ग्राम टीहरी में हुआ है, परन्तु अज्ञानता के कारण उसका नाम पंचायत अभिलेख में दर्ज न करवाया गया है।

अतः इस इश्तहार द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि दीपिका सूद पुत्री ओम प्रकाश का नाम व जन्म तिथि 8-12-1990 बारे किसी को कोई उजर एवं एतराज हो तो वह असालतन या वकालतन हाजिर कार्यालय आ कर तारीख पेशी 7-12-95 को अपना उजर पेश कर सकता है अन्यथा दिनांक 7-12-95 को एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जा कर दीपिका सूद का नाम व जन्म तिथि पंचायत अभिलेख में दर्ज करने के आदेश पारित कर दिये जायेंगे।

यह इश्तहार मेरे हस्ताक्षर व मोहर सहित अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

मलोक सिंह,
तहसीलदार/कार्यकारी दण्डाधिकारी,
खुंडिया, जिला कांगड़ा (हि० प्र०)।

ब अदालत श्री के० डी० शर्मा, उप-मण्डल दण्डाधिकारी गोहर जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

श्री सीधू पुत्र श्री पंजु, निवासी सरी, डाकखाना गोहरगिरी, तहसील चच्योट, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश।

बनाम

आम जनता

दरख्वास्त जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1969.

श्री सीधू पुत्र पंजु, निवासी सरी, डाकखाना गोहरगिरी, तहसील चच्योट, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश ने इस अदालत में गुजारिश की है कि उसकी जन्म तिथि 20-2-1947 है का इन्द्राज ग्राम पंचायत बान्तड़ी में दर्ज नहीं है जिसे अब दर्ज किया जाय।

अतः इस इश्तहार द्वारा सर्वजनता तथा सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि उक्त तिथि दर्ज करने बारा किसी को एतराज हो तो वह तिथि 11-12-95 को या इससे पूर्व हाजिर अदालत हो कर पेश कर सकता है। अन्यथा सम्बन्धित पंचायत सचिव को उक्त तिथि दर्ज करने के आदेश जारी कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 9-10-95 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर सहित अदालत हज़ा से जारी हुआ।

मोहर।

के० डी० शर्मा,
उप-मण्डल दण्डाधिकारी,
चच्योट, उप-मण्डल गोहर।

Office of the District Magistrate, Mandi, District Mandi (H. P.)

NOTICE

Mandi, the 17th November, 1995

No. SR/SW/95.—Whereas Shri Bipat Ram Mughlana, Advocate Civil Court Jogindernagar, District Mandi has made an application under the Notaries Act, 1952 for the appointment of Norary for Civil Court Jogindernagar, District Mandi, Himachal Pradesh.

And whereas, it was necessary under rule 6 (2) (a) of Notarits Rules, 1956 to invite objections, if any, to the appointment of the applicant as a notary.

Now, therefore, I, Tarun Shridhar, District Magistrate Mandi District Mandi Himachal Pradesh in exercise of powers conferred upon me under Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 *vide* Notification No. 1. R-170-323/56-III, dated the 27th day of September, 1977 hereby invite objections, if any, from all concerned to the applicant of Shri Bipat Ram, Mughlana Advocate as a notary for Civil Court Jogindernagar, District Mandi which should reach in this office within 14 days from the date of publication of this notice in the Himachal Pradesh Rajpatra.

Issued under my hand and seal of the office today 17-11-1995.

Seal.

TARUN SHRIDHAR,
District Magistrate,
Mandi, District Mandi.

भाग 6—भारतीय राजपत्र इत्यादि में से पुनः प्रकाशन

-शून्य-

भाग 7—भारतीय निर्वाचन आयोग (Election Commission of India) की वैधानिक अधिसूचनाएं तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी अधिसूचनाएं

-शून्य-

अनुपूरक

-शून्य-

भाग 1

मत्स्य पालन विभाग

शुद्धिपत्र

शिमला-2, 8 नवम्बर, 1995

संख्या फिश-ए० (3)-3/90.—इस विभाग के पत्र समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 26-6-95 के संदर्भ में इस अधिसूचना की अनुसूची में चमेरा जलाशय (क्रम संख्या 6) के सामने कालम नं० 4 "30 मार्च" के स्थान पर "31 मार्च" पढ़ा जाए।

हस्ताक्षरित/-
सचिव।

FISHERIES DEPARTMENT

CORRIGENDUM

Shimla-2, the 8th November, 1995

No. Fish-A (3)-3/90.—Please substitute the Date "31st March" *instead of* "30th March" *appearing* against Sl. No. 6 Column No. 4 of this Department Notification of even number, dated 26-6-95 regarding amendment in H. P. Chamera Reservoir Rules, 1995

Sd/-
Secretary.

नियन्त्रक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, हिमाचल प्रदेश, शिमला-5 द्वारा मुद्रित तथा प्रकाशित।